E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -94 | प्रयागराज, गुरूवार 19 जून, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ऑपरेशन सिंदूर- पीएम मोदी-ट्रम्प की फोन पर बात,पीएम बोले- सीजफायर पाकिस्तान की रिक्वेस्ट पर हुआ, आतंकवाद को सीधे जंग माना जाएगा

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से फोन पर बातचीत की, जो लगभग 35 मिनट तक चली। बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रम्प को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े किसी भी विषय में व्यापार से संबंधित कोई चर्चा नहीं हुई। उन्होंने दोहराया कि पाकिस्तान के कहने पर ही भारत ने सीजफायर किया था। भारत कभी किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं करता और आगे भी नहीं करेगा।साथ ही, पीएम मोदी ने यह भी जोर देकर कहा कि अब भारत आतंकवाद की घटनाओं को प्रॉक्सी वॉर (परदे के पीछे की लड़ाई) नहीं, बल्कि सीधे युद्ध की कार्रवाई के रूप में देखेगा। पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प की मुलाकात जी7 के इतर होनी तय थी, लेकिन ट्रम्प को 17 मई को जी7 छोड़कर अमेरिका लौटना पड़ा। इस कारण ये मुलाकात नहीं हो

सकी। इसके बाद ट्रम्प के कहने पर दोनों नेताओं की फोन पर बात हुई। बातचीत करीब 35 मिनट चली। 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प ने फोन पर पीएम मोदी से शोक संवेदना जताई थी और आतंक के खिलाफ समर्थन जताया था। इसके बाद दोनों नेताओं 18 जून को यह पहली बातचीत थी। इसलिए पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रम्प ने ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तार से बात की।10 मई भारत पाकिस्तान के बीच हुए युद्धविराम के बाद ट्रम्प लगातार दावा कर रहे है कि उनकी मध्यस्थता से युद्ध रोका गया है। वे अभी तक 13 बार ये दावा कर चुके हैं। वे बार-बार कह रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध रोका। ट्रम्प ने दावा किया अगर वो हस्तक्षेप नहीं करते तो यह लड़ाई परमाणु युद्ध में बदल सकती थी।मिसरी ने ये भी बताया कि पीएम मोदी ने ट्रम्प को यह स्पष्ट रूप से कहा कि 22 अप्रैल के बाद भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने का अपना दृढ़ संकल्प पूरी दुनिया को बता दिया था।भारत ने 6-7 मई की रात को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सिर्फ आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया था।भारत के एक्शन बहुत ही मेजर्ड (नपे-तुले), प्रिसाइज (सटीक) और नॉन-एस्केलेटरी थे। साथ ही भारत ने ये भी स्पष्ट कर दिया था कि पाकिस्तान की गोली का जवाब हम गोले से देंगे। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने ये बताया कि 9 मई की रात को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पीएम मोदी को फोन किया था। वेंस ने कहा था कि पाकिस्तान, भारत पर बड़ा हमला कर सकता है। पीएम मोदी ने उन्हें साफ शब्दों में बताया था कि यदि ऐसा होता है तो भारत, पाकिस्तान को

उससे भी बड़ा जवाब देगा। 9-10 मई की रात को पाकिस्तान के हमले का भारत ने सशक्त जवाब दिया और पाकिस्तान को सेना को बहुत नुकसान पहुंचा। उसके मिलिट्री एयरबेस को इनऑपरेबल (फ्लाइट संचालन न होने योग्य) बना दिया। भारत के मुंहतोड़ जवाब के चलते पाकिस्तान को सैन्य कार्रवाई रोकने का आग्रह करना पड़ा।22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में 5 आतंकियों ने 26 टूरिस्ट्स की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके अगले दिन पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारत ने 5 बड़े फैसले लिए थे।इसमें 65 साल पुरानी सिंधु जल संधि को रोका गया था। अटारी चेक पोस्ट बंद कर दिया गया था। वीजा बंद कर दिया गया और उच्चायुक्तों को हटा दिया था।इसके बाद 7 मई को भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान में मौजूद कई आतंकी ठिकानों को एयर स्ट्राइक करके तबाह कर दिया था। दोनों देशों में 4 दिन तक संघर्ष चला था, जिसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने 10 मई को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सीजफायर की जानकारी दी थी।

'आपकी बात से पूरी तरह सहमत', पीएम मोदी ने मेलोनी से ऐसा क्यों कहा?

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन के

दौरान इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात की. इस मुलाकात के दौरान दोनों ने भारत और इटली के बीच रिश्तों को मजबूत करने को लेकर चर्चा की. जॉर्जिया मेलोनी ने इस मौके पर पीएम संग एक फोटो पोस्ट करते हुए कहा, इटली और भारत मजबूत दोस्ती के साथ एक दूसरे से जुड़े हुए हैं. उनकी इसी बात पर पीएम ने भी सहमति जताई.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कनाडा में जी7 शिखर सम्मेलन का हिस्सा बने. इस दौरान पीएम मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से भी मुलाकात की. पीएम मोदी ने भारत और इटली के बीच बढ़ती दोस्ती को लेकर कहा कि उनके द्विपक्षीय संबंध मजबूत होते रहेंगे, जिससे दोनों देशों को फायदा होगा.जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी ने इटली के साथ ही साउथ अफ्रीका, ब्राजील, जापान, फ्रांस समेत कई देशों के शीर्ष नेतृत्व से बातचीत की. एक वीडियो में पीएम मोदी को इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात करते देखा जा रहा है. दोनों नेताओं ने एक दूसरे से हाथ मिलाया और फिर शिखर सम्मेलन के दौरान उनके बीच अहम मुद्दों पर बातचीत हुई.दोनों देशों के प्रधानमंत्री के बीच हुई इस मुलाकात के बाद पीएम मेलोनी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पीएम मोदी के साथ मुलाकात की एक तस्वीर शेयर की. इस पोस्ट को शेयर करते हुए मेलोनी ने लिखा, इटली और भारत मजबूत दोस्ती के साथ एक दूसरे से जुड़े हुए हैं.मेलोनी की इस पोस्ट पर पीएम मोदी ने उनसे सहमति जताई और भारत-इटली की बढ़ती दोस्ती की सराहना की. पीएम ने कहा, प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, आपसे पूरी तरह सहमत हूं. इटली के साथ भारत की दोस्ती मजबूत होती रहेगी, जिससे हमारे लोगों को बहुत फायदा होगा!इससे पहले भी पीएम मोदी और मेलोनी की दोस्ती नजर आई है. दुबई में कॉप28 शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों की एक सेल्फी भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी, इस फोटो को पोस्ट करते हुए मेलोनी ने फोटो को कैप्शन दिया था 'कॉप28 में अच्छे दोस्त, क्ष्मेलोडी'. भारत में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान भी दोनों का तालमेल दिखा था।

अखिलेश यादव दो टूक- 'जिनको जाना है वो चले जाएं'.., इमरान मसूद की तरफ इशारा? इंडिया गठबंधन पर बड़ा बयान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में

विधानसभा चुनाव होने में भले ही अभी दो साल बाकी हैं. लेकिन राजनीतिक तैयारी में सभी दल जुट गए हैं. एक तरफ जहां भारतीय जनता पार्टी अपने प्रदेश अध्यक्ष को लेकर उहापोह में है तो वहीं दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी गठबंधन को लेकर चिंतित है और उसे मजबूत करने में जुटी हुई है. इसी कड़ी में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दो टूक के जरिए यह स्पष्ट कर दिया है कि इंडिया गठबंधन को वह ताकत देना चाहते हैं और किसी तरह से उसमें दरार नहीं आने देना चाहते हैं.समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि यूपी में 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए इंडिया गठबंधन पूरी तरह से तैयार है और जो लोग इसका हिस्सा नहीं बनना चाहते, वे चले जाएं. लगातार दूसरे दिन उन्होंने दोहराया कि सपा इंडिया गठबंधन के तहत ही विधानसभा चुनाव लड़ेगी. अखिलेश यादव का यह बयान कांग्रेस के सहारनपुर सांसद इमरान मसूद की पिछले महीने की टिप्पणियों पर मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने मुख्य रूप से इस बात पर नाराजगी व्यक्त की थी कि यूपी में इंडिया गठबंधन के भीतर पुरानी पार्टी को दूसरे नंबर पर रखा जा रहा है.कुछ दिन पहले इमरान ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस अब 2024 के लोकसभा चुनावों में सपा द्वारा लागू किए गए फॉर्मूले को स्वीकार नहीं करेगी और पार्टी यूपी में 200 सीटों पर 2027 के विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है. बता दें कि यूपी की कुल 80 संसदीय सीटों में से कांग्रेस ने 17 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जबकि सपा ने शेष 63 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे. मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब इमरान के पोस्ट पर टिप्पणी करने के लिए कहा गया, तो अखिलेश ने कहाः 'सोशल मीडिया पर किसी ने क्या पोस्ट किया है या किसी पत्रकार ने क्या ट्वीट किया है, इस पर मुझे कुछ नहीं कहना है.'

काम की आधुनिक बात-3000 रुपए में एक साल के लिए फास्टैग,निजी गाड़ियां 200 बार टोल क्रॉस कर सकेंगी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में इसकी जानकारी दी.पास लेना बहुत आसान होगा। एनएचएआई यानी, नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया और मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे जल्द ही हाईवे ट्रैवल ऐप और अपनी ऑफिशियल वेबसाइट्स पर एक अलग लिंक शुरू करेंगे। वहां से आप पास के लिए अप्लाई कर सकेंगे।कई लोग शिकायत करते थे कि अगर उनके घर के 60 किलोमीटर के दायरे में टोल प्लाजा है, तो बार-बार टोल देना पड़ता है। खासकर जो लोग डेली या हफ्ते में कई बार उसी रास्ते से गुजरते हैं। ये एनुअल पास

इस प्रॉब्लम को सॉल्व करेगा। अब हर बार टोल देने की जरूरत नहीं। ये पास देशभर के नेशनल हाईवे के टोल प्लाजा पर काम करेगा। आप दिल्ली से मुंबई जा रहे हो, या चेन्नई से बेंगलुरु, हर जगह ये फास्टटैग पास स्कैन होगा और पेमेंट हो जाएगा। लेकिन ध्यान दे, ये सिर्फ नेशनल हाईवे के टोल पर काम करेगा, स्टेट हाईवे या लोकल टोल पर नहीं। फास्टटैग से हर बार टोल क्रॉस करने पर पैसे कटते हैं। लेकिन इस वार्षिक पास के साथ आप एक फिक्स्ड अमाउंट (रु3,000) में सालभर या 200 ट्रिप्स तक टोल फ्री घूम सकते हैं। ये उन लोगों के लिए किफायती है, जो हाईवे पर बार-बार ट्रैवल करते हैं। साथ ही, ये पास टोल सिस्टम को और ऑर्गनाइज्ड बनाएगा, जिससे सबको फायदा होगा। सरकार और एनएचएआई का मकसद है टोल सिस्टम को और स्मूथ करना। वो चाहते हैं किः- टोल प्लाजा पर गाड़ियों की लाइन कम हो।लोग डिजिटल पेमेंट को और ज्यादा यूज करें। टोल वालों और ड्राइवर्स के बीच झगड़े खत्म हों। 60 किलोमीटर के दायरे में रहने वालों की प्रॉब्लम सॉल्व हो।ओवरऑल, हाईवे ट्रैवल तेज, आसान, और स्ट्रेस-फ्री हो। फास्टैग एक इलेक्ट्रॉनिक स्टिकर है। इसमें रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन चिप लगी होती है।

भारत में दिखी विनाश लाने वाली ओएआर मछली,जापान में सुनामी से पहले दिखी थी, मारे गए थे 19 हजार लोग

नयी दिल्ली। तमिलनाडु के तट

पर मछुआरों के जाल में फंसी एक रहस्यमयी और विशाल मछली ने पूरे इलाके में सनसनी मचा दी है, जिसका वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही है। इसे 'प्रलय की मछली' के नाम से भी जाना जाता है जिसकी लंबाई करीब 30 फीट तक हो सकती है। समुद्रों की गहराइयों में आज भी कई ऐसे रहस्यमयी जीव बसे हैं, जिनके बारे में इंसान बहुत कम जानता है। इन्हीं में से एक है ओअरफिश, जिसे दुनिया 'डूम्सडे फिश' यानी 'प्रलय की मछली' के नाम से भी जानती है। इसकी झलक बहुत दुर्लभ होती है, लेकिन जब भी ये सतह पर नजर आती है, तो डर और अटकलों का सैलाब साथ लाती है।हाल ही में तमिलनाडु के समुद्री तट पर मछुआरों ने इस अनोखी मछली को पकड़ा। इसकी चमचमाती सिलवरी बॉडी, लहराती हुई आकृति और सिर के पास की लाल कंगी जैसी फिन ने सभी को हैरत में डाल दिया। ओअरफिश की लंबाई 30 फीट तक जा सकती है और ये समुद्र की 200 से 1000 मीटर गहराई में रहती है। इसलिए इसका सतह पर आना न सिर्फ दुर्लभ है, बल्कि चौंकाने वाला भी।यह वीडियो एक्स हैंडर्ल ्हूहर््व्हर्ह् ने 31 मई को पोस्ट किया, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा - तमिलनाडु में मिली डूम्सडे फिश। वायरल क्लिप में देखा जा सकता है कि मछुआरे नाव में मौजूद हैं। वे मिलकर उस मछली को उठाते हैं, जिसे सात लोग संभालते हैं और उसके साथ वीडियो बनवाते हैं।ओअरफिश को लेकर वर्षों से एक मान्यता चली आ रही है कि इसके दिखने का मतलब होता है किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का आना। इसकी सबसे चर्चित घटना जापान में 2011 की है, जब भयानक भूकंप और सुनामी से पहले कई ओअरफिश समुद्र किनारे मरी हुई मिली थीं। इसके बाद से ये विश्वास और मजबूत हुआ कि इस मछली का जमीन के नीचे होने वाली हलचलों से कोई रहस्यमय रिश्ता हो सकता है। वहीं जापानी मान्यताओं के अनुसार, ओअरफिश की गहराई से सतह पर आमद इस बात का इशारा होती है कि समुद्र के नीचे कुछ बड़ी हलचल हो रही है। वहां इसे प्राकृतिक चेतावनी के रूप में देखा जाता है।केवल जापान ही नहीं, मेक्सिको में भी ओअरफिश के दिखने के कुछ समय बाद भूकंप आया था। यही वजह है कि इसे 'डूम्सडे फिश' का नाम मिला और अब जब ये भारत के तमिलनाडु में दिखी है, तो लोगों के मन में फिर वही डर और सवाल उठ रहे हैं - क्या ये किसी आपदा की आहट है?वैज्ञानिकों की मानें तो अभी तक ऐसा कोई ठोस सबूत नहीं मिला है जो यह साबित कर सके कि ओअरफिश आपदाओं की भविष्यवाणी करती है। उनके मुताबिक, इसके सतह पर आने के पीछे कारण पर्यावरणीय बदलाव या समुद्र की गहराइयों में किसी तरह की गड़बड़ी हो सकते हैं। लेकिन फिर भी सवाल तो बना हुआ है - जब भी ये मछली दिखती है, कुछ ना कुछ बड़ा क्यों होता है? क्या वाकई ये संयोग है या कोई अज्ञात संकेत? जवाब अभी किसी के पास नहीं हैष्ठ लेकिन रहस्य गहराता जा रहा है।

रेलवे ने सोलर एनर्जी से 1.6 करोड़ रुपए बचाएः42 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन, प्रयागराज मंडल को मिली बड़ी सफलता

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे

का प्रयागराज मंडल पर्यावरण संरक्षण और राजस्व बचत में नया मानक स्थापित कर रहा है। मंडल ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 42.19 लाख यूनिट सौर ऊर्जा का उत्पादन किया है। इससे 1.6 करोड़ रुपए से अधिक की बचत हुई है।वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर कुँवर सिंह यादव के नेतृत्व में विभिन्न स्टेशनों पर 4700 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल लगाए गए हैं। प्रयागराज क्षेत्र में 1906 किलोवाट क्षमता के पैनलों से 20.98 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ। इससे 65.55 लाख रुपए की बचत हुई।कानपुर क्षेत्र में 1200 किलोवाट क्षमता से 10.80 लाख यूनिट का उत्पादन हुआ। यहां 48.28 लाख रुपए की बचत दर्ज की गई। टूंडला क्षेत्र में 614 किलोवाट से 4.79 लाख यूनिट का उत्पादन और 23.46 लाख की बचत हुई। अलीगढ़ क्षेत्र में 236 किलोवाट से 2.39 लाख यूनिट उत्पादन से 8.01 लाख रुपए बचे।चुनार, मिर्जापुर, नैनी, इटावा, फफूंद और मानिकपुर स्टेशनों पर भी सौर ऊर्जा परियोजनाएं चल रही हैं। फरवरी 2025 में कानपुर के इलेक्ट्रिक लोको शेड समेत 5 भवनों को 'शून्य प्लस' ऊर्जा प्रमाणपत्र मिला है। यह प्रमाणपत्र विद्युत मंत्रालय के ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी ने दिया है।जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह के अनुसार मंडल सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण और रेलवे की आर्थिक स्थिति दोनों के लिए लाभदायक है।

संगम नोज पर 10 हजार लोग एक साथ करेंगे योग,चलती नाव पर अनूठे अंदाज में योग की तैयारी

प्रयागराज। 21 जून को 11वें

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी चल रही है। प्रयागराज में योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम संगम के तट पर आयोजित होगा। सुबह 5:30 बजे से कार्यक्रम की शुरूआत होगी। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य शामिल होंगे। यहां पर एक साथ 10 हजार से ज्यादा लोग योग करते नजर आएंगे। चलती नाव पर और गंगा, यमुना व सरस्वती की बहती धारा में खड़े होकर भी लोग योग करते नजर आएंगे। इस आयोजन के लिए मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह की ओर से मंगलवार को बैठक भी की गई। जिसमें उन्होंने सभी विभागों को जिम्मेदारी भी दी है। इसमें शिक्षकों के साथ अन्य विभागों के लोग पहुंचेंगे।क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. मनोज कुमार सिंह ने बताया, बड़ी संख्या में लोग योग करने पहुंचेंगे। इसको ध्यान में रखते हुए चार एंबुलेंस के साथ ही चिकित्सकीय टीम मौजूद रहेंगे। पीडब्लूडी को मंच, कारपेट, साउंड सिस्टम व एलईडी स्क्रीन की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी दी गई। जलकल विभाग एवं पराग डेयरी को पानी, ग्लास आदि की व्यवस्था करनी है। डीपीआरओ को सफाई व्यवस्था करनी है। पिछले वर्ष योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम ममफोर्डगंज स्थित स्काउट एंड गाइड के मैदान में हुआ था।

भगवान जगन्नाथ बीमार, डॉक्टर कर रहे इलाज,प्रयागराज में 15 दिन के लिए भगवान का एकांतवास

प्रयागराज। प्रयागराज में वर्षों पुरानी चली आ रही पौराणिक परंपराओं को आगे बढ़ाई जा रही है। भीषण गर्मी से भगवान जगन्नाथ बीमार हैं और उनका इलाज शुरू चल रहा है। सुबह शाम औषधि काढ़ा और दवा का भोग लगाया जा रहा है।रूटीन में उनके ब्लड प्रेशर आदि की जांच भी की जाती है। भगवान 25 जून तक के लिए एकांतवाश में चले गए। यह सब सुनने में जरा अजीब लगेगा लेकिन मान्यताओं के अनुसार, यहां के लोग इसका पालन करते हैं। उनकी देखभाल की जा रही है। राजेश केसरवानी बताते हैं, भीषण गर्मी में भगवान ज्वर से पीड़ित हो जाते हैं और फिर इलाज की प्रक्रिया शुरू होती है।दरअसल, भगवान जगन्नाथ को स्नान कराने वाले दिवस को देव पूर्णिमा स्नान दिवस के रूप में जाना जाता है। इस दिन जगन्नाथ पुरी धाम मंदिर में पूर्ण विधि के अनुसार भगवान जगन्नाथ, भ्राता बलभद्र एवं देवी सुभद्रा को स्नान करने के लिए मंदिर परिसर के अंदर स्थित कुएं से पानी लाया जाता है।जिसे स्वर्ण कुंआ के नाम से

जाना जाता है। यह मंदिर परिसर के उत्तरी प्रवेश द्वार के पास माता शीतला मंदिर के बगल में स्थित है।भगवान जगन्नाथ देवी सुभद्रा एवं बलभद्र को स्नान करने के लिए 108 घड़ों का प्रयोग किया जाता है और प्रत्येक खड़े के जाल में केसर, कपूर, चंदन का लेप, जड़ी बूटियां और और सुगंधित पदार्थ मिलाए जाते हैं। प्रत्येक खड़े को एक नए कपड़े में लपेटा जाता है और घड़े के मुंह को नारियल से ढंक दिया जाता है।स्नान के समय भगवान जगन्नाथ जी को 35 बलभद्र जी को 33, देवी सुभद्रा को 22 और भगवान जगन्नाथ जी के सुदर्शन चक्र पर 18 घड़ों से भरे हुए जल से स्नान कराया जाता है। स्नान के उपरांत भगवान जगन्नाथ जी जोर से पीड़ित होते हैं और 14 दिनों के लिए विश्रामगृह में चले जाते हैं जिसे हम विश्राम यात्रा के रूप में जानते हैं।यह यात्रा जगन्नाथ जी महोत्सव समिति ट्रस्ट के द्वारा आयोजित होती है।राजेश केसरवानी ने बताया कि 15 दिनों तक भगवान जगन्नाथ जी को स्वस्थ होने तक प्रतिदिन काढे प्रसाद का भोग लगता है। इसके अलावा प्रत्येक दिनों में अलग-अलग प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया जाता है। डॉक्टर बताते हैं कि भगवान को इस समय क्या खिलाना है या क्या भोग लगाया जाएगा। इसी क्रम में भगवान जगन्नाथ जी को 13 जून को मूंग की दाल, 14 जून को कढ़ी चावल, 15 जून को मूंग का चिल्ला, 16 जून को मूंग का हलवा, 17 जून को डॉक्टर के द्वारा चिकित्सीय परीक्षण एवं आयुर्वेदिक औषधि भोग लगाया गया।अब 18 जून को मिक्स पकौड़ी, 19 जून को दाल चावल रोटी सब्जी, 20 जून को कचौड़ी सब्जी, एवं जलजीरा 21 जून को मीठा चावल, 22 जून को आम का जूस तथा लस्सी, 23 जून को दही बड़ा 24 जून को मलाई रबड़ी एवं फुल्की 25 जून को डोसा और इटली, 26 जून को मेवे की खीर का भोग लगाया जाएगा।

सपा ऑफिस पर ताला जड़ा, झंडा उखाड़कर फेंका,पीलीभीत में जिलाध्यक्ष को धक्का दिया, पार्टी का नाम हटाया, 35 गिरफ्तार

पीलीभीत। पीलीभीत में सपा

कार्यालय पर नगर पालिका ने ताला लगा दिया। पेंट से सपा कार्यालय का नाम मिटवाया गया। पार्टी का झंडा उखाड़कर फेंक दिया। विरोध कर रहे सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा को पुलिस वालों ने धक्का दे दिया। सपा कार्यालय सरकारी जगह पर बना हुआ था, जिसे खाली करने के लिए प्रशासन ने 16 जून तक का समय दिया था।इसके बाद भी सपा नेताओं ने कार्यालय को खाली नहीं किया था। बुधवार सुबह 7 थानों की फोर्स (200 पुलिसकर्मियों से ज्यादा) मौके पर पहुंची। इस दौरान पुलिस और सपा कार्यकर्ताओं में नोकझोंक भी हुई। पुलिस ने विरोध कर रहे 35 सपा कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है।पीलीभीत में सपा कार्यालय नकटादाना चौराहा स्थित अधिशासी अधिकारी के आवासीय परिसर में सालों से चल रहा था। प्रशासन ने कार्रवाई से पहले सपा जिलाध्यक्ष को नोटिस दी थी। इसके बाद भी कार्यालय खाली न करने पर प्रशासन ने आज एक्शन लिया। इससे 8 दिन पहले भी 50 पुलिस अफसर, पांच थानों के 200 पुलिसकर्मी और एक कंपनी पीएसी कब्जा हटवाने सपा कार्यालय पहुंची थी। तब पार्टी कार्यकर्ताओं ने 6 महीने का समय मांगा था, जिसके बाद उन्हें 16 जून तक का समय दिया गया था।सिटी मजिस्ट्रेट विजयवर्धन तोमर ने बताया, सपा कार्यालय सालों से अवैध रूप से संचालित हो रहा था। यह भवन नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी आवास के रूप में दर्ज है। पहले ही नोटिस देकर इसका आवंटन रद्द किया जा चुका था। नोटिस का समय खत्म होने के बाद नगर पालिका ने नियमानुसार परिसर को अपने कब्जे में लिया है। जिला अध्यक्ष जगदेव सिंह 'जग्गा' ने बताया, आज इन्होंने सपा कार्यालय को खाली करवाया है। ये अत्याचारी सरकार है। हम लोगों का कार्यालय खाली करवाया है। इन लोगों के जिस तरह के कारनामे हैं। जिस तरह से इन लोगों ने जमीनें कब्जाई हैं, अपने बड़े-बड़े महल बनवाए हैं। उनकी रजिस्ट्रियों की जांच कराकर सपा भी इनके साथ ऐसा ही व्यवहार करेगी।नगर पालिका ने 2005 में अधिशासी अधिकारी (ईओ) आवास को सपा कार्यालय के लिए डेढ़ सौ रुपए मासिक किराए पर आवंटित किया था। इसके बाद 12 नवंबर 2020 को यह आवंटन रद्द कर दिया गया। इसके पीछे की वजह आवंटन का निर्धारित प्रक्रिया के तहत ना होना बताई गई। उस समय के सपा जिलाध्यक्ष आनंद सिंह यादव ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जिसे 1 दिसंबर 2020

को उन्होंने खुद ही वापस ले लिया। इसके बाद सपा ने 2021 में सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत में याचिका डाली, जो अब भी विचाराधीन है। सपा नेताओं का कहना है कि मामला विचाराधीन है। इसे लेकर अब तक कोई अंतरिम आदेश नहीं आया है, जिससे पालिका को कब्जा हटाने से रोका गया। तीन दिन पहले नगरपालिका ने कार्यालय के गेट पर नोटिस चस्पा किया था। 16 जून तक कार्यालय खाली करने को कहा था।

प्रयागराज में सड़क किनारे महिला का मिला शव,राजस्थानी वेशभूसा में थी, पुलिस आसपास सीसीटीवी तलाशने में जुटी

प्रयागराज। प्रयागराज के हंडिया थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक दुर्घटना सामने आई। जमशेदपुर गेट के पास सड़क किनारे एक अज्ञात महिला का शव मिला। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी।सैदाबाद चौकी प्रभारी गौरव तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज

दिया।स्थानीय लोगों के मुताबिक महिला की मौत किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वह मानसिक रूप से विक्षिप्त लगती थी। वह अक्सर इस क्षेत्र में भटकती हुई दिखाई देती थी।मृतका राजस्थानी पारंपरिक वेशभूषा में थी। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि वह राजस्थान से हो सकती है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है।अभी तक महिला की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अगर कोई महिला को पहचानता है तो सैदाबाद पुलिस से संपर्क करे।इस संबंध में चौकी इंचार्ज गौरव तिवारी से वार्ता हुई तो उन्होंने बताया कि महिला के शव का शिनाख्त नहीं हो सका है। शिनाख्त के लिए सोशल मीडिया जैसे तमाम प्लेटफार्म पर फोटो अपलोड कर वायरल कर दिया गया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

फायरिंग और बमबाजी के बाद मिली सुरक्षाःप्रयागराज में हमलावरों ने फिर दी जान से मारने की धमकी, पुलिस तलाश में जुटी

प्रयागराज। प्रयागराज के बैहराना रेलवे क्रासिंग के पास संत निरंकारी भवन के समीप एक युवक पर हुई फायरिंग और बमबाजी के बाद पुलिस हरकत में आई है। कीडगंज पुलिस ने पीड़ित के घर पर 24 घंटे के लिए दो पुलिसकर्मियों की तैनाती कर दी है। पीड़ित आकाश की मां ऊषा देवी के अनुसार, हमलावरों ने उनके घर आकर बेटे पर गोली चलाई। अगले दिन बमबाजी की गई। एक बम फटा, जबकि दूसरा नहीं फटा। हमलावर

मौके से फरार हो गए। घटना के बाद से परिवार भयभीत है। कोई कही जा रही पा रहा है। पुलिस सुरक्षा देने बावजूद परिवार के सदस्य घर से बाहर निकलने में डरे और सहमे हुए हैं। आरोपियों ने परिवार को जान से मारने की धमकी दी है। वह मुकदमा वापस लेने का लगातार दबाव बना रहे हैं। पुलिस छत पर रखे कबूतरों को हटाने का दबाव बना रही है, जबकि इस विवाद का कबूतरों से कोई संबंध नहीं है। आरोपी और उनका परिवार घर छोड़कर फरार हैं। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पीड़ित परिवार का कहना है कि आरोपियों के डर से घर में कब तक इस तरह से चीखे रहेंगे।

प्रयागराज में दो दिन से बारिश, तापमान में गिरावट,शुक्रवार से भारी बारिश की संभावना

प्रयागराज। शहर में बीते दो दिनों से हो रही रुक-रुक कर बारिश ने लोगों को गर्मी से बड़ी राहत दी है। आसमान में बादलों का डेरा और हल्की बूंदाबांदी ने जहां तापमान में गिरावट दर्ज कराई, वहीं मौसम भी बेहद सुहावना हो गया है। सुबह-शाम ठंडी फिजाएं और भीगी सड़कों ने लोगों को जून की झुलसा देने वाली गर्मी से कुछ सुकून पहुंचाया है।हालांकि, हवा न चलने की वजह से शहर में उमस का असर अब भी महसूस किया जा रहा है। खासकर दोपहर के समय

नमी और बढ़े हुए तापमान के कारण पसीना निकलने की समस्या लोगों को परेशान कर रही है। लेकिन फिर भी बीते सप्ताह के मुकाबले मौसम कहीं ज्यादा राहत देने वाला बन गया है।मौसम विभाग के अनुसार प्रयागराज में अभी यह राहत बनी रह सकती है। विभाग की मानें तो शुक्रवार से एक बार फिर भारी बारिश के आसार बन रहे हैं। बंगाल की खाड़ी से उठे नमी भरे बादल उत्तर भारत की ओर बढ़ रहे हैं, जिनका असर प्रयागराज सहित पूरे पूर्वांचल में दिखेगा। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, शुक्रवार से रविवार के बीच प्रयागराज में मध्यम से भारी बारिश की संभावना है।गर्मी से बेहाल लोगों के लिए यह राहत भरी खबर है। किसान वर्ग भी इस बारिश से खुश नजर आ रहे हैं क्योंकि जून के मध्य में अच्छी बारिश खरीफ की फसल की बुआई के लिए अनुकूल मानी जाती है। अजय नाथ गोस्वामी कहते हैं, 'बीते दो दिनों से बारिश ने चैन की सांस दी है। बच्चों को पार्क ले जाना आसान हो गया है और घर में पंखे की जरूरत कम हो गई है।'वहीं गृहिणी पूजा गुप्ता का कहना है, 'उमस जरूर है लेकिन बारिश ने पूरे माहौल को ठंडा कर दिया है। अब तो बादलों की आवाजाही भी सुकून देती है।'किसानों की माने तो जून की बारिश से खरीफ की फसलों को काफी फायदा होता है। किसानों को सिंचाई के लिए परेशानी नहीं उठानी पड़ती।

चाइनीज मांझे से परिंदों की जान को खतराःप्रयागराज में कबूतर घायल, प्रशासन ने प्रतिबंधित मांझे के खिलाफ शुरू की कार्रवाई

प्रयागराज। सूरज की सुनहरी किरणों में उड़ान भरते कबूतरों के झुंड में वो भी शामिल था। सफेद-भूरा एक जंगली कबूतर, जिसे उड़ना सबसे ज़्यादा पसंद था। संगम के आसमान को अपना घर मानता था वो। लेकिन उस दिन उसकी किस्मत में उड़ान नहीं, दर्द लिखा था।प्रयागराज के सिविल लाइंस स्थित संगम पैलेस के पास तेज़ हवा में लहराती पतंगों के बीच वो भी उड़ रहा था, तभी अचानक एक पतली सी चमचमाती डोर ने उसकी आज़ादी छीन ली। पलक झपकते ही मांझा उसके पंखों में उलझ गया। काफी देर तक परिंदा उस डोर में फंसा तड़पता, फड़फड़ाता, चीखता रहा। परिंदों की दुनिया में कोई एम्बुलेंस नहीं आती, कोई डॉक्टर नहीं होता बस दर्द होता है और इंतज़ार या तो मदद का, या मौत का।वो मदद मिली, देर से ही सही। आसपास मौजूद लोगों ने उसे मांझे से छुड़ाया, लेकिन उसके पंखों में गहरे कट लग चुके थे। खून रिस रहा था, और उसकी आंखों में... एक डर था, जैसे वो जान चुका हो कि अब वो शायद कभी उड़ न सके।

एक परिंदा, जिसकी पहचान ही उसकी उड़ान थी, अब ज़मीन पर बैठा था जैसे सज़ा मिली हो उसे आसमान छूने की।चाइनीज मांझा एक धागा नहीं, एक चलती फिरती मौत है। इंसानों की जिद, शौक और प्रतियोगिता की भूख ने इस मांझे को बाजारों में ज़िंदा रखा है, जबकि कानून ने इसे सात साल पहले ही बैन कर दिया था। ना सिर्फ परिंदे, बल्कि बच्चे, बाइक सवार, बुजुर्ग इस खूनी धागे के आगे हर कोई बेबस है। पूरे देश में कोई न कोई इसका शिकार होता रहता है।लेकिन अब प्रशासन ने कमर कस ली है। प्रयागराज के डीएम रवींद्र कुमार ने चाइनीज मांझे के खिलाफ विशेष मुहिम शुरू की है। दुकानों पर छापेमारी हो रही है, गोदामों की जांच की जा रही है और जहां भी यह मौत की डोर मिल रही है, वहीं से उसकी कहानी खत्म की जा रही है। डीएम की अपील है'उड़ान का उत्सव मनाइए, लेकिन किसी की ज़िंदगी की कीमत पर नहीं।

कौशांबी रेप केस में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री का आरोप,पीड़िता के परिवार को जेल में डाला, यही है योगी सरकार का न्याय

प्रयागराज। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और राष्ट्रीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष महादेव जानकर ने कौशांबी रेप केस में न्याय की मांग की है। वे प्रयागराज में एडवोकेट विवेक पाल के धरने में शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि यह गड़रिया-पाल समाज की अस्मिता का सवाल है।उन्होंने योगी सरकार पर सवाल उठाए। कहा कि पीड़िता के साथ रेप हुआ और उसके माता-पिता को जेल में डाल दिया गया। राष्ट्रीय समाज पार्टी ने इस मुद्दे को लखनऊ से लेकर महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश तक उठाया है।उन्होंने डिप्टी सीएम बृजेश पाठक पर जातिगत राजनीति का आरोप लगाया। उन्होंने मामले में आईजी, डीआईजी और चीफ सेक्रेटरी तक की जवाबदेही तय करने की मांग की। साथ ही एसआईटी में निष्पक्ष अधिकारियों की नियुक्ति पर भी सवाल उठाए।पूर्व मंत्री ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि अखिलेश ने गड़रिया समाज के खिलाफ ट्वीट किया। जानकर ने घोषणा की कि वे पीड़िता के परिवार से मिलेंगे और इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाएंगे। उन्होंने बीजेपी को चेतावनी दी कि ओबीसी समाज की उपेक्षा करने से अगली बार सत्ता में वापसी मुश्किल होगी।

प्रयागराज में गर्भवती के इलाज में लापरवाही पर अस्पताल हुआ सील,जांच के लिए अधिकारी आए तो फरार हो गया था संचालक

प्रयागराज। प्रयागराज के कपसा फूलपुर में स्थित आरसी पॉलीक्लिनिक को मंगलवार को सील कर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी बहरिया थाने की पुलिस के साथ छापेमारी करने पहुंची थी लेकिन अस्पताल संचालक फरार हो गया। दरअसल, लाल बाबू केसरवानी की शिकायत पर सीएमओ आफिस की टीम आरसी पॉली क्लीनिक का निरीक्षण करने पहुंची थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उनकी पत्नी रीनू केसरवानी जो 4 महीने की गर्भवती थी। उसके पेट में सामान्य दर्द होने पर आरसी पाली क्लीनिक पर ले जाया गया। डॉ. रामचंद्र यादव को दिखाया गया। उनके इलाज के बाद मरीज की हालत और बिगड़ गई। इसके बाद महिला को दोनइया चौराहा स्थित पटेल हास्पिटल ले जाया गया और यहां से आराम न होने पर उसे सिविल लाइंस स्थित शकुंतला हास्पिटल में भर्ती कराया गया है। यहां उसकी मौत हो गई।इसी शिकायत पर एसीएमओ डॉ. आरसी पांडेय के नेतृत्व में टीम निरीक्षण के लिए पहुंची थी।

लेकिन अस्पताल संचालक फरार हो गया। इसके बाद अस्पताल को सील कर दिया गया।इसी क्रम में टीम सैदाबाद स्थित आदर्श डायग्नोस्टिक सेंटर पहुंची। यहां डॉ. वंदना अग्रवाल की बिना सहमति के उनकी डिग्री आदर्श डायग्नोस्टिक सेंटर में लगी थी।

प्रयागराज के दो लोगों की ग्रेटर नोएडा में मौत,देर रात बाइक से जा रहे थे घर

प्रयागराज। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के चार मूर्ति गोलचक्कर पर सोमवार देर रात एक बाइक दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों में प्रयागराज के मेजा रोड सोनाई की 25 वर्षीय कशिश और झूंसी क्षेत्र निवासी अंकुर सिंह शामिल हैं। कशिश

पिछले डेढ़ वर्ष से ग्रेटर नोएडा वेस्ट की 14 जी एवेन्यू में रह रही थी। वह एक कंपनी में नौकरी करती थी। दुर्घटना से कुछ घंटे पहले ही उसने अपने परिवार से फोन पर बात की थी। उसने घर जल्द आने का वादा किया था।कशिश के पिता हरिशंकर गौतम मेजा रोड पर बीज की दुकान चलाते हैं। उनकी तीन बेटियां हैं। उनके एकमात्र बेटे की 2010 में मृत्यु हो गई थी। हरिशंकर ने बताया कि वह कशिश को ग्रेटर नोएडा जाने से मना कर रहे थे। लेकिन कशिश ने कैरियर बनाने की बात कही, तो उन्होंने उसे जाने की अनुमति दे दी। दुर्घटना की सूचना मिलते ही परिवार के सदस्य ग्रेटर नोएडा पहुंचे। कशिश अपने परिवार की होनहार बेटी थी। वह आगे बढ़ना चाहती थी और अपने काम से खुश थी।

एम्स रायबरेली की टीम ने किया टीबी जागरूकता व शोध सर्वेक्षण

रायबरेली। भारत सरकार के ड्रीम समझने का प्रमुख कारण यह भी रहा

प्रोजेक्ट राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमावा क्षेत्र में टीबी रोग के प्रति जन-जागरूकता का अभियान निरंतर जारी है। इसी कड़ी में ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़ (एम्स) रायबरेली की टीम ने क्षेत्र के विभिन्न गांवों - सोथी, बावन बल्ला बुजुर्ग, हरदासपुर, बुधनपुर, बंदीपुर, सिधौना आदि गांव में जाकर टीबी जागरूकता और अनुसंधान सर्वेक्षण किया। टीम की प्रमुख शोधकर्ता डॉ. हिमांशी शर्मा, तथा उनके साथ डॉ. आदर्श पांडेय (इंटर्न) और डॉ. अभिनव कटारिया (इंटर्न) ने ग्रामीणों को टीबी प्रिवेंटिव थेरेपी की जानकारी दी और इसके महत्व को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि यह दवा उन व्यक्तियों को दी जाती है जो टीबी मरीजों के संपर्क में रहते हैं, जिससे संक्रमण को रोका जा सके। है आम जनमानस में जागरूकता बढ़ और इस बीमारी से लोगों को बचाया जा सके। इस अभियान को सफल बनाने में वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक करुणा शंकर मिश्र ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने गांव-गांव भ्रमण कर टीम का मार्गदर्शन किया और टीबी मरीजों के संपर्क में रह रहे लोगों को जागरूक करने में सराहनीय योगदान दिया। वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक करुणा शंकर मिश्रा ने ग्रामीणों को समय पर जांच कराने, लक्षणों को नजरअंदाज न करने और सरकार द्वारा दी जा रही मुफ्त जांच व इलाज की सुविधाओं का लाभ उठाने की सलाह दी। ग्रामीणों ने भी इस अभियान का स्वागत किया और कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस मौके पर कम्युनिटी हेल्थ अफसर हर्षित जैन, अनीता, अंजली वर्मा दिव्यांशु वर्मा रामबली आदि मौजूद रहे।

जियारत करने गए प्रयागराज के 90 लोग ईरान में फंसे,परिवार के लोग बोले- पैसे खत्म हो गए, नेटवर्क न होने से बात भी नहीं हो पा रहा

प्रयागराज। इजराइल-ईरान में युद्ध जैसे हालात हैं। प्रयागराज के

90 लोग ईरान में फंसे हैं। नेटवर्क सही न होने के कारण उन लोगों से बात भी नहीं कर पा रही है। इससे प्रयागराज में मौजूद परिवार के लोग परेशान हैं। उनको समझ नहीं आ रहा है कि वह क्या करें। ईरान के हालात खराब होने से घर वापसी की चाह में वहां फंसे ज्यादातर परिवारों की महिलाएं हैं, जो जियारत करने के लिए गई थीं।रहने और खाने का इंतजाम करना भी लोगों के लिए मुश्किल हो गया है। ऐसे में लोग लगातार भारत सरकार से अपील कर रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार ने रूस और यूक्रेन युद्ध के समय फंसे नागरिकों को वापस लाए थे, वैसे ही हम लोगों को भी यहां से निकाला जाए।प्रयागराज के दरियाबाद के रहने वाले एमएस खान ने बताया- उनकी पत्नी, सास, चच्ची और कई रिश्तेदार जत्थे के साथ जियारत करने के लिए 19 मई को दिल्ली से ईरान के लिए रवाना हुए थे।ईरान के बाद सभी तेहरान गए थे। वहां से 14 जून को लौटना था। इसी बीच इजराइल और ईरान के बीच युद्ध जैसे हालात बन गए। ऐसे में सभी लोग उस समय बीच रास्ते में फंस गए, जब वह एयरपोर्ट के लिए निकल चुके थे।बीच रास्ते में फंसने के कारण वापस होटल लौटने की सोचा तो वहां से भी इनकार कर दिया गया। ऐसे में उनको बीच रास्ते में अलग-अलग ग्रुप में रहना पड़ रहा है।परिवार के ही कई सदस्य इस प्रकार की मुसीबत झेल रहे हैं। परिवार के लोगों की चिंता बढ़ गई है। सिया बाहुल्य इलाके से गए 90 लोगों के ग्रुप में सबसे अधिक महिलाएं हैं।दरियाबाद के ही रहने वाले रौनक शफीपुरी बताते हैं कि उनकी 75 साल की मौसी सुल्ताना बेगम भी ग्रुप के साथ गई हैं। जिस दिन उन लोगों को लौटना था। बस कुछ घंटे में फ्लाइट पकड़नी है। होटल से निकलने से पहले उन्होंने घर-परिवार के लोगों के लिए शापिंग कर ली, लेकिन उनको नहीं पता था कि कुछ घंटों का एयरपोर्ट का सफर कई दिनों की मुसीबत बन जाएगा।ऐसे में पूरे रुपए शॉपिंग में खत्म होने से उन लोगों के पास रहने और खाने तक के लिए पैसे नहीं बचे। जिन एजेंट के साथ वह ईरान की यात्रा पर गई थीं, वह भी किसी तरह बंदोबस्त करने में जुटे हैं, लेकिन घर वालों की चिंता लगातार बनी हुई है।मोहम्मद इसरार की बेटी कुलसुम रिजवी का रो-रो कर इस समय बुरा हाल है। दैनिक भास्कर से बातचीत में कुलसुम ने बताया कि उनकी अम्मी और परिवार के लोग तेहरान में फंसे हुए हैं। अम्मी से बात नहीं हो पा रही है।

प्रयागराज का जारी बस स्टैंड पर लगा कूड़े का अम्बार,26 लाख से तैयार स्टैंड बना आवारा पशुओं का अड्डा

प्रयागराज। प्रयागराज-रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित जारी बस स्टैंड की स्थिति चिंताजनक हो गई है। 26 लाख रुपए की लागत से बने इस बस स्टैंड का दुर्भाग्यपूर्ण हाल है। स्टैंड के आस-पास कूड़े का अंबार लगा रहता है।सोलह वर्ष पहले यहां सरकारी रोडवेज बसें रुकती थीं। अब यह स्थान आवारा पशुओं का अड्डा बन गया है। बसें सड़क पर ही रुकती हैं, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्टैंड परिसर में निजी वाहन खड़े किए जाते हैं।स्वच्छ भारत मिशन के तहत पूरे प्रदेश में

स्वच्छता अभियान चल रहा है। सरकार लोगों को जागरूक करने के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर रही है। लेकिन बस स्टैंड की दुर्दशा इस अभियान पर सवाल खड़े करती है। आसपास के ग्रामीण यहां कूड़ा फेंक रहे हैं।बस स्टैंड की देखरेख के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है। विभागीय अधिकारियों ने भी इस ओर ध्यान नहीं दिया है। स्थानीय लोगों को इस सुविधा का कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। कूड़े के ढेर से फैली गंदगी से संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

चाचा ने भतीजे के सिर पर कुल्हाड़ी से किए कई वार,मौत

चित्रकूट। पहाड़ी थाना क्षेत्र के ओरा गांव में बुधवार की सुबह करीब 10 बजे हैंडपंप में पहले भैंस नहलाने को लेकर हुए विवाद में चाचा ने नाबालिग भतीजे के सिर में कुल्हाड़ी से कई वार किए। जिससे उसकी इलाज के लिए प्रयागराज ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर घायल चाचा को गिरफ्तार कर लिया है।ओरा निवासी 17 वर्षीय रामचंद्र पुत्र गोरेलाल यादव घर के पास लगे हैंडपंप में भैंस को नहला रहा था। तभी उसका चाचा 45 वर्षीय घनश्याम यादव भी भैंस लेकर पहुंच गया। उसने रामचंद्र से भैंस को हैंडपंप से हटाने के लिए कहा। उसने मना कर दिया। चाचा ने उसको डांटा तो रामचंद्र ने भी गाली दे दी। जिस पर दोनों में आपस में तकरार होने लगी। जो इतनी बढ़ी कि रामचंद्र लाठी और घनश्याम कुल्हाड़ी लेकर आए गया। एक दूसरों को मारने पीटने के दौरान घनश्याम ने रामचंद्र के सिर पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ कई वार कर दिए। जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। चीखपुकार के बीच घनश्याम की पुत्री राधा ने डायल 112 में घटना की सूचना दी।थानाध्यक्ष पहाड़ी पंकज तिवारी फोर्स के साथ पहुंचे और घायल रामचंद्र व घनश्याम को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहाड़ी लाए। डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद रामचंद्र को रेफर कर दिया। उसको जिला चिकित्सालय से भी स्वरूपरानी चिकित्सालय प्रयागराज भेज दिया गया। लेकिन प्रयागराज ले जाते समय जसरा में मौत हो गई। थानाध्यक्ष पंकज तिवारी ने बताया कि मारपीट की घटना के बाद रामचंद्र की मां गूदा देवी ने जानलेवा हमला का मुकदमा दर्ज कराया था। अब किशोर की मौत हो गई है तो उसमें हत्या की धारा को बढ़ा दिया जाएगा। घनश्याम भी घायल है जिसका पुलिस के देखरेख में इलाज चल रहा है। थानाध्यक्ष पहाड़ी पंकज तिवारी फोर्स के साथ पहुंचे और घायल रामचंद्र व घनश्याम को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहाड़ी लाए। डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद रामचंद्र को रेफर कर दिया। उसको जिला चिकित्सालय से भी स्वरूपरानी चिकित्सालय प्रयागराज भेज दिया गया। लेकिन प्रयागराज ले जाते समय जसरा में मौत हो गई।

चोर घर में 5 घंटे रुके, ड्राई फ्रूट्स-चिप्स खाए,लखनऊ में पेट्रोल पंप मालिक के घर से 1 करोड़ के पुश्तैनी जेवर-नकदी ले गए

लखनऊ। लखनऊ के जानकीपुरम थाना क्षेत्र में पेट्रोल पंप मालिक के घर में चोर 5 घंटे रुके।

आराम से ड्राई फ्रूट्स-चिप्स खाए। इसके बाद 1 करोड़ रुपए कीमत के पुश्तैनी गहने और नकदी चुरा ले गए। घटना के वक्त पूरा परिवार बेंगलुरु गया था। मंगलवार देर रात लौटने पर घर के सारे ताले टूटे मिले। अंदर जाकर देखा तो हर कमरे में सामान बिखरा पड़ा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ऐसा ही कुछ दो दिन पहले हुआ था। दो चोरों ने चोरी करने से पहले मैगी पार्टी की थी। उसके बाद सभी ने घर का एसी चलाकर आराम किया। आराम के बाद घर का सामान समेटा और चले गए। इस घटना का वीडियो सामने आया था। एक साल पहले इंदिरा नगर में ही चोर एसी चलाकर सो गया था। ज्यादा नशे में होने की वजह से वह सोता ही रहा। सुबह मकान मालिक ने ही उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया था।खरगपुर जागीर निवासी दुर्गेश कुमार मिश्रा का सीतापुर रोड पर मिश्रा ब्रदर्स नाम से पेट्रोल पंप हैं। दुर्गेश 28 मई को अपने परिवार के साथ बहन सरिता के घर बेंगलुरु गए थे। मंगलवार को वहां देर रात करीब 1 बजे अपने घर पहुंचे। मेन दरवाजा की कुंडी टूटी मिली।

हालांकि लॉक सही था। इसके बाद लॉक खोलकर अंदर गए तो कमरे का लॉक टूटा मिला और सारा सामान बिखरा था। तभी पीछे के दरवाजे पर नजर पड़ी तो उसकी कुंडी टूटी थी। घर से जेवर, नकदी और महंगी साड़ियां गायब थीं। उन्होंने इसकी पुलिस को सूचना दी।दुर्गेश कुमार ने बताया कि घर में उनका और भाई राम मनोहर मिश्रा का परिवार रहता है। घर में करीब एक करोड़ के पुस्तैनी और नए जेवर रखे थे। करीब 3 लाख रुपए नकद रखा था, जो चोरी हुआ है। चोरों ने पूरे घर को अच्छे से खंगाला है।अलमारी में रखी कीमती साड़ी और कमरे में रखा स्पीकर भी ले गए। किचन में रखा चिप्स और फ्रीज में रखे ड्राई फ्रूट्स भी खाए। मामले में पुलिस का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी की मदद से तलाश की जा रही है।लखनऊ में चोर अजीबोगरीब हरकतें करते हैं। गाजीपुर थाना क्षेत्र के इंदिरानगर सी-ब्लॉक में चोरों ने एक रिटायर्ड बैंककर्मी के घर में चोरी की थी। चोरी से पहले सबने मैगी बनाई। काफी देर तक मैगी पार्टी चली। उसके बाद सभी ने घर का एसी चलाकर आराम किया। आराम के

बाद घर का सामान समेटा और चले गए। इस घटना का वीडियो सामने आया थाइंदिरानगर में जिस रिटायर्ड बैंककर्मी के घर में चोरी हो हुई थी, वह परिवार सहित सेना में तैनात बेटे के पास दिल्ली में इलाज के लिए गए थे। इस दौरान चोरों ने घर में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम दिया था। घटना के दौरान चोरों में घर में मैगी बनाई और सारा सामान खंगाला फिर चोरी करके निकल गए थे।लखनऊ के इंदिरा नगर सेक्टर-20 में डॉ. सुनील पांडे का आवास है। वह बलरामपुर अस्पताल में काम कर चुके हैं। मौजूदा समय में वाराणसी में तैनात हैं। उनके घर में चोर चोरी करने के बाद एसी की ठंडक में सो गया था। पड़ोसियों ने बताया कि सुबह जब उनकी नींद खुली तो पड़ोसी डॉ. सुनील पांडेय के घर का दरवाजा खुला दिखाई दिया। पड़ोसियों को शक हो गया तो उन्होंने रॉव पदाधिकारियों को बुलाया। इसके बाद कुछ लोग जब अंदर पहुंचे, तो देखा कि घर का सारा सामान अस्त-व्यस्त है। अलमारियां टूटी हुई हैं। नकदी-कैश सब कुछ निकाल लिया गया है। चोर ने वॉश बेसिन, गैस सिलेंडर और टुल्लू पंप तक निकाल लिया था। लोग कुछ और आगे बढ़े तो देखा कि एक व्यक्ति नशे में धुत वहीं सो रहा था।

'आप' की महिला नेताओं को घसीटकर ले गई पुलिस, लखनऊ में बिजली कटौती को लेकर प्रदर्शन

लखनऊ। लखनऊ में आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बिजली कटौती को लेकर जोरदार प्रदर्शन

किया। उनकी पुलिस से करीब 1 घंटे तक धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को घसीटकर गाड़ी में बैठाया और ईको गार्डन ले गई। पुलिस महिला कार्यकर्ताओं को भी घसीटकर ले गई।इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने 'घर में अंधेरा बाहर है लू , जनता बोले थू... थू.. थू...' का नारा लगाया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर कपड़े फाड़ने और अभद्रता करने का आरोप लगाया। 'आप' की जिलाध्यक्ष इरम रिजवी, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता वंशराज दुबे समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बिजली कटौती और बढ़ते दामों को लेकर जमकर हंगामा किया। इस दौरान पहुंचे पुलिसकर्मियों से उनकी करीब 1 घंटे तक धक्का-मुक्की हुई। पुलिसकर्मियों ने जिलाध्यक्ष इरम रिजवी समेत अन्य प्रदर्शनकारियों को घसीटकर गाड़ी में बैठाया। उन्हें ईको गार्डन ले जाकर छोड़ा।आम आदमी पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता वंश राज दुबे ने बिजली व्यवस्था पर नाराजगी जताई।

कुंभ भगदड़ पर 'आप' ने बीजेपी सरकार को घेरा,सांसद बोले- भगदड़ में 82 मौत हुईं

प्रयागराज। अखिलेश यादव ने महाकुंभ भगदड़ पर सवाल उठाए। इसके बाद अब आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा- एक मीडिया संस्थान ने महाकुंभ में मारे गए 82 परिवारों के घर जाकर इंटरव्यू किया, इसमें परिजनों ने भगदड़ में अपने परिजन की मौत की बात कही।उन्होंने बताया कि सरकार ने उनका मुंह बंद कराने के लिए 5 लाख रुपए दिए और कहा कि वे यह न कहें कि महाकुंभ भगदड़ में उनके परिजनों की मौत हुई है। संजय सिंह ने यह भी सवाल उठाया कि सरकार यह पैसा कहां से और किस मद से दे रही है? सरकार मौत के आंकड़े क्यों छिपा रही है? पश्चिम बंगाल, बिहार और राजस्थान जैसे राज्यों के मृतकों के घर 5 लाख रुपए नकद भेजे जा रहे हैं।भाजपा के वरिष्ठ नेता और पार्टी के 'चाणक्य' कहे जाने वाले के. गोविंदाचार्य के सगे भाई वासुदेवाचार्य की भी कुंभ भगदड़ में मौत हो गई। उनकी डेड बॉडी को लावारिस घोषित कर दिया गया। इससे बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण बात क्या हो सकती है कि बीजेपी के इतने बड़े नेता के परिजन को भी यूपी पुलिस लावारिस घोषित कर रही है?संजय सिंह ने कहा- सरकार ने हाल ही में 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' खोला है, जिसमें कबाड़ एम्बुलेंस खड़ी है और चारों ओर गंदगी का अंबार है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता वहां जाकर सफाई कर रहे हैं। सरकार सिर्फ नाम बदलने की राजनीति कर रही है। नाम बदलने से कुछ नहीं होगा, धरातल पर काम करने से ही चीजें बदलेंगी।ने कहा- कोल जाति को जनजाति का दर्जा दिलाने के लिए 21 जुलाई को संसद सत्र में मुद्दा उठाया जाएगा। जब मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और बिहार में कोल जाति को जनजाति का दर्जा मिल सकता है, तो उत्तर प्रदेश में क्यों नहीं?उन्होंने कहा कि 45 लाख जनजातियों को हक दिलाने की लड़ाई आम आदमी पार्टी सड़क से संसद तक लड़ेगी। इसी मांग को लेकर आज प्रयागराज में 'अपना मंच डेमोक्रेटिक' के राष्ट्रीय अध्यक्ष रंजन कोल के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है, जिसमें मैं भी शामिल हुआ था।संजय सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जो बेरोजगार युवा शांतिपूर्वक अपनी मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन करते हैं, उन्हें पुलिस बलपूर्वक लाठीचार्ज कर भगा देती है। यह सब यूपी सरकार के इशारे पर हो रहा है। उन्होंने कहा कि जब उत्तर प्रदेश में शिक्षकों के दो लाख पद खाली हैं, तो उन्हें भरा क्यों नहीं जा रहा? सात साल से कोई नई भर्ती नहीं हुई है। योगी सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। संजय सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में बिजली की दरों में बढ़ोतरी के खिलाफ आज प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर आम आदमी पार्टी द्वारा धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है।2026 में प्रस्तावित उत्तर प्रदेश पंचायत चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने किसी भी दल के साथ गठबंधन से इनकार किया है। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि पार्टी पंचायत चुनाव अकेले लड़ेगी और किसी के साथ साझेदारी नहीं की जाएगी।

लखनऊ में सदर-कैंट में झमाझम बारिश:50 की स्पीड से चली हवा, प्री मानसून शावर से तापमान में 8 डिग्री की गिरावट

लखनऊ। दोपहर बाद सदर और कैंट इलाके में झमाझम बारिश हुई। 50 की स्पीड से तेज हवा चली। इससे तापमान में 8 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। लखनऊ में मानसून के पहुंचने की औसत तारीख 23 जून है। हालांकि प्री मानसून बारिश से तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की गई है। लोगों को गर्मी से राहत मिली है।अगले कुछ दिनों में अधिकतम पारा 32 डिग्री तक दर्ज किया जाएगा। मंगलवार को शहर का अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री रहा। यह सामान्य तापमान से 0.4 डिग्री कम था। न्यूनतम तापमान 27.2 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य तापमान से 0.2 डिग्री अधिक रहा। दिन में बादल छाए रहने के साथ कई स्थानों पर बारिश भी हुई।मौसम विभाग ने आज यूपी के कई जिलों में तेज बारिश के आसार जताए हैं। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी बादलों की गरज चमक के साथ बारिश की संभावना बनी हुई हैं। उन्होंने बताया- 18 जून से लेकर 22 जून तक लगातार लखनऊ समेत आसपास के इलाकों में बारिश की संभावना बनी हुई है। इस बीच हल्की भारी बारिश दर्ज की जाएगी। 19 जून तक पूर्वी उत्तर प्रदेश में बिहार से सटे जिलों के जरिए मानसून प्रदेश में दस्तक देगा। दक्षिण-पश्चिम मानसून की स्थिति लगातार अनुकूल बनी हुई है। गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के बाद मानसून यूपी में पहुंचेगा।दक्षिण-पश्चिम बांग्लादेश और गंगा नदी क्षेत्रीय पश्चिम बंगाल के ऊपर निम्न दाब क्षेत्र बना हुआ है। इसके साथ ऊपरी हवाओं में चक्रवाती परिसंचरण 7.6 किमी की ऊंचाई तक है, जो दक्षिण की ओर झुका हुआ है।यह अगले 24 घंटों में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में धीरे-धीरे गंगा नदी क्षेत्रीय पश्चिम बंगाल की ओर बढ़ेगा और अधिक प्रभावी हो सकता है। वहीं, 19 से 23 जून के बीच उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश का अलर्ट मौसम विभाग की तरफ से जारी किया गया है।

मां-दो बेटों को सांप ने काटा, बाबा पढ़ता रहा मंत्र:आगरा में मां को ले गए अस्पताल, बच्चों को सोता समझ छोड़ गए, दोनों की मौत

आगरा। आगरा में सो रहे मां और 2 बच्चों को सांप ने काट लिया।

इस दौरान महिला जग गई। उसने देखा कि उसके पैर पर सांप काटकर जा रहा है। शोर मचाने पर घरवाले भी जाग गए। घरवाले दोनों बच्चों को सोता समझ कर महिला को अस्पताल ले गए। वहां महिला का इलाज किया गया। थोड़ी देर बाद बाद डॉक्टरों ने उसे डिस्चार्ज भी कर दिया। घर आने पर महिला ने बच्चों को जगाया, लेकिन वो नहीं उठे। बाद में पता चला कि बच्चों को भी सांप ने काट लिया है। पैर पर काटे के निशान दिखे। इस पर घर वालों ने एक सपेरे को बुलाया। उसने बीन बजाकर सांप को तलाशा, तो वह घर के बाहर मिला। घंटों तक बाबा झाड़-फूंक करता रहा, लेकिन कोई बच्चों की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। इसके बाद घरवाले दोनों को डॉक्टर के पास लेकर पहुंचे। जहां दोनों बच्चों की मौत हो गई। मामला खेरागढ़ के मठ भवनई गांव का है।जगनेर के गांव मठ भवनई में सोमवार रात विमलेश मकान की छत पर अपने दो बेटों रामू (5) और कान्हा (8) के साथ सोई थी। उनके पति मानपाल गोस्वामी किसान हैं। मंगलवार तड़के करीब 3.30 बजे महिला और दोनों बच्चों को सांप ने काट लिया।महिला ने सांप के काटे जाने का आभास होने पर घरवालों को यह बात बताई। इसके

बाद पति मानपाल पत्नी को जगनेर सीएचसी ले गए। वहां से उन्हें एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करा दिया गया। इलाज के बाद विमलेश की हालत सुधर गई।विमलेश और परिजन घर लौटे, लेकिन तब तक बच्चे नहीं जागे। इस पर घरवालों को अटपटा लगा। विमलेश और

घरवालों ने छत पर पहुंचकर बच्चों को जगाने की कोशिश की, लेकिन दोनों शांत पड़े रहे।इसके बाद परिवार वालों को लगा कि दोनों बेटों को भी सांप ने काट लिया है। यह पता चलते ही पिता मानपाल गांव से एक बाबा को घर बुला आए। बाबा ने दोनों बच्चों की नब्ज चेक की। कहा कि मैं दोनों को सही कर दूंगा। लेकिन, वो सांप मुझे मिल पाए।इसके बाद बाबा ने बीन बजाई। इस दौरान घर के बाहर से एक सांप मिला। बाबा ने उसे पकड़ लिया। फिर काफी देर तक बाबा मोर के पंख से झाड़-फूंक करता रहा। लाश के बगल में बैठकर मंत्र पढ़े। लेकिन, बच्चों के शरीर में कोई हरकत नहीं हुई। इस पर घरवाले बच्चों को लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

आगरा में पालतू डॉग का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य:अब तक सिर्फ 377 कुत्तों का रजिस्ट्रेशन; जानिए क्या है नियम

आगरा। पालतू कुत्ते का यदि रजिस्ट्रेशन नहीं कराया तो नगर निगम की टीम उसे घर से ले जाएगी। आगरा नगर निगम ने पालतू कुत्तों का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया है। इसके बावजूद लोग रजिस्ट्रेशन नहीं करा रहे हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक सिर्फ 377 कुत्तों का ही रजिस्ट्रेशन हुआ है।शहर में पालतू कुत्तों का रजिस्ट्रेशन करवाने को लेकर लोग गंभीर नहीं हैं। नगर निगम के मुताबिक शहर में लगभग 5000 से ज्यादा पालतू कुत्ते हैं। इसके मुकाबले रजिस्ट्रेशन की संख्या काफी कम है।मगर, अब नगर निगम इस लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की तैयारी में है। बिना रजिस्ट्रेशन पाए जाने पर कुत्तों को जब्त किया जाएगा मालिक पर 2500 रुपए तक जुर्माना लगाया जाएगा। ट्रांसपोर्ट व खाने-पीने का खर्च भी अलग से लिया जाएगा।नगर निगम ने देसी नस्ल के लिए 100 रुपए प्रति वर्ष एवं विदेशी नस्ल के लिए 500 रुपए प्रति वर्ष रजिस्ट्रेशन शुल्क रखा है ।'मेरा आगरा' ऐप से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है या सीधे नगर निगम कार्यालय जाकर ऑफलाइन पंजीकरण भी करवा सकते हैं।नगर निगम का ये अभियान सिर्फ कागजी कार्रवाई नहीं है। रजिस्ट्रेशन से पालतू कुत्तों का रिकॉर्ड बनेगा, जिससे रेबीज़ जैसी बीमारियों की रोकथाम, टीकाकरण और आपात स्थिति में पहचान जैसे काम आसान हो जाएंगे।पशु कल्याण अधिकारी डा. अजय कुमार सिंह ने बताया-हम चाहते हैं कि आगरा न सिर्फ साफ-सुथरा और स्मार्ट बने, बल्कि रेबीज़-फ्री और पेट-फ्रेंडली सिटी के रूप में भी पहचाना जाए। लेकिन जब तक पालतू कुत्तों का रजिस्ट्रेशन नहीं होगा, तब तक कोई योजना आगे नहीं बढ़ सकती।नगर निगम आगे चलकर शहर में पेट-फ्रेंडली पार्क, डॉग वॉकिंग एरिया और बेहतर पशु चिकित्सा सुविधाएं विकसित करने की योजना बना रहा है। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि ये पता हो कि शहर में कितने पालतू जानवर हैंऔर ये तभी संभव है जब सभी का रजिस्ट्रेशन हो।नगर निगम अब पूरे शहर में विशेष जांच अभियान चलाने जा रहा है। टीम अलग-अलग इलाकों में जाकर देखेगी कि किन पालतू कुत्तों का रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है। नियम तोड़ने वालों पर सीधे कार्रवाई होगी।

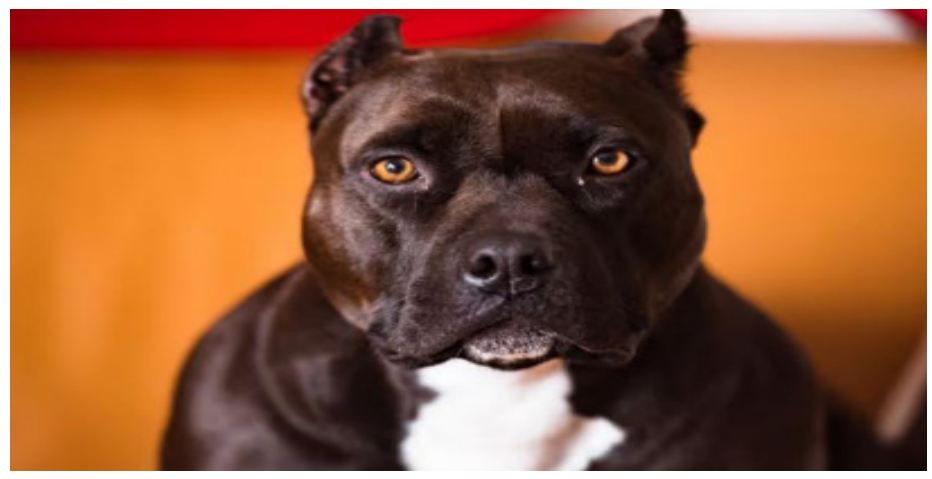

आगरा में पति ने पत्नी की हाथ की नस काटी,फिर खुद भी किया सुसाइड का प्रयास, पीआरवी ने दरवाजा तोड़ दोनों को निकाला

आगरा। मंगलवार को अपने दो बच्चों के साथ रहते

ब्लैकमेल कर शिक्षक छात्रा से करता रहा रेप,वीडियो और फोटो वायरल करने की धमकी देकर ले गया था होटल

कानपूर। शिक्षक और छात्रा

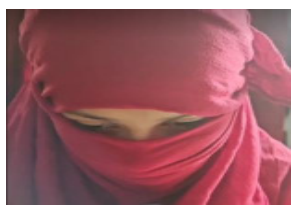

के रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना हुई। एक शिक्षक ने 9वीं की छात्रा को कोचिंग पढ़ाने आता था। इसी दौरान उसने लड़की से हंसी मजाक में अश्लील हरकत की और धोखे से उसका वीडियो भी बना लिया। इसके बाद उसने उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ कई बार रेप भी किया। लड़की ने जब परिजनों को बताया तो बाबूपुरवा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने शिक्षक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। आरोपी शिक्षक अपने परिवार के साथ भूमिगत हो गया है। बाबूपुरवा क्षेत्र में रहने वाला छात्रा का परिवार गरीब है। पिता बेटी (18) को किसी तरह से पैसा कमाकर स्कूल में पढ़ा रहे हैं। वर्तमान में वो 9वीं क्लास में पढ़ रही है। पिता के मुताबिक घर के बगल में तीन साल पहले युसुफ नाम का व्यक्ति अपने परिवार के साथ रहने के लिए आया। वो बिल्डिंग के छोटे छोटे बच्चों को पढ़ाता था। बेटी गणित में थोड़ा कमजोर थी। लगभग एक साल पहले युसुफ ने बेटी को झांसे में लिया और कहा कि वो पढ़ा देगा। इसके बाद बेटी उसके यहां पढ़ने के लिए जाने लगी। इसी दौरान उसने बेटी के साथ गलत हरकत करके उसका वीडियो और फोटो बना लिया।छात्रा की मां के मुताबिक वो प्रतिदिन जब बेटी पढ़ती थी तो उसके साथ बैठती थी। जिस दिन पहली बार रेप की घटना हुई, उस दिन कोई घर पर नहीं था। युसुफ के परिवार वाले भी कहीं गए हुए थे।

पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया। मामला इतना बढ़ा कि पति ने गुस्से में पत्नी की हाथ की नस काट ली। इसके बाद अपने को बाथरूम में बंद कर खुद की भी नस काट ली। बच्चों ने पुलिस को सूचना दी। पीआरवी मौके पर पहुंची। गेट तोड़कर लहूलुहान पति-पत्नी को बाहर निकाला। दोनों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया। समय पर उपचार मिलने पर दोनों की जान बच गई। मामला थाना न्यू आगरा क्षेत्र के सूर्य नगर का है। यहां के एक अपार्टमेंट में दंपती हैं। बताया गया है कि मंगलवार रात को पति-पत्नी के बीच में मायके जाने को लेकर विवाद हो गया था। अर्चना ने पुलिस को बताया कि उनकी मां मीरा देवी ननिहाल गई थी। मंगलवार रात 10 बजे वापस लौटे तो गुस्साए पिता ललित कुमार 45 ने बेहरमी से मारपीट शुरू कर दी। बुधवार सुबह उठकर मां के सोते समय हाथों की नस काट दी। चीखने पर बाथरूम में घुस कर दरवाजा बंद कर लिया। फिर हाथ और पैर के नस काटकर सुसाइड का प्रयास किया। 112 पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पीआरबी 6511 के कमांडर नरेश कुमार व चालक बेताल सिंह ने दरवाजा तोड़ा। एम्बुलेंस बुलाकर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। इससे वह भी खून में लथपथ हो गए। दोनों को तत्काल एंबुलेंस बुलाकर अस्पताल भेजा गया। समय पर दोनों को इलाज मिला। अभी दोनों का उपचार चल रहा है। पुलिस कर्मियों की गंभीरता और तत्परता से दोनों की जान बच गई।

इंटरनेशनल फ्लाइट की वाराणसी में इमरजेंसी लैंडिंग:इंडोनेशिया से दिल्ली जा रहा था एयर इंडिया का विमान, खराब मौसम की वजह से एटीसी ने लिया फैसला

वाराणसी। इंडोनेशिया के डेनपसार से दिल्ली की ओर आ रहे एयर इंडिया के एक अंतरराष्ट्रीय विमान को मंगलवार शाम वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान में तीन बच्चों समेत कुल 187 यात्री सवार थे।जानकारी के अनुसार, दिल्ली में अचानक मौसम खराब हो गया, जिसके चलते दृश्यता बेहद कम हो गई। मौसम की इस स्थिति के कारण विमान को दिल्ली एयरस्पेस में कई बार चक्कर लगाने पड़े। काफी देर तक हवा में मंडराने के बाद विमान का ईंधन कम होने लगा। इस स्थिति को देखते हुए पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क कर वैकल्पिक लैंडिंग की अनुमति मांगी। एटीसी से अनुमति मिलने के बाद विमान को शाम 4 बजकर 20 मिनट पर वाराणसी एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया। लैंडिंग पूरी तरह सफल और सुरक्षित रही। हालांकि, सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए यात्रियों को विमान से बाहर नहीं निकाला गया। सभी यात्री दो घंटे से अधिक समय तक विमान के भीतर ही बैठे रहे।करीब दो घंटे बाद, जब दिल्ली में मौसम में सुधार आया और दृश्यता बेहतर हुई, तब विमान को फिर से उड़ान भरने की अनुमति दी गई। शाम 7 बजे विमान ने एक बार फिर दिल्ली के लिए उड़ान भरी। वाराणसी एयरपोर्ट प्रशासन ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए सभी प्रोटोकॉल का पालन किया गया।

उप्र इंजीनियर्स एसोसिएशन जिलाधिकारी आजमगढ़ द्वारा अभियंता के साथ हिंसा दुर्व्यवहार के विरोध में विशाल धरना प्रदर्शन

अभियन्ता इं0 अरूण सचदेव को अपने आवास पर बुलाकर गाली-गलौज की गई तथा जान से मारने की नियत से डंडे से मारा गया।

सोनभद्र। रविन्द्र कुमार (द्वितीय) जिलाधिकारी, आजमगढ़ द्वारा अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई विभाग के साथ बदसलूकी व जानलेवा हमला को लेकर किये जाने के कारण जिलाधिकारी आजमगढ़ के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने की माँग। प्रदेश के अभियन्ताओं द्वारा पूर्ण लगन, निष्ठा के साथ विकास कार्यों को संपादित कराते हुए प्रदेश की जनता को, जनहित के कार्यों का लाभ पहुंचाया जा रहा है, परन्तु प्रदेश के कुछ जिलाधिकारियों द्वारा अभियन्ताओं के उत्पीड़न व उनके पद की गरिमा को ठेस पहुंचाए जाने की घटनाओं में निरन्तर वृद्धि हो रही है। दिनाक 13 जून को रविन्द्र कुमार (द्वितीय), जिलाधिकारी आजमगढ़ द्वारा जनपद में तैनात सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियन्ता इं0 अरूण सचदेव को अपने आवास पर बुलाकर गाली-गलौज की गई तथा जान से मारने की नियत से डंडे से मारा गया। उक्त घटना से देश, प्रदेश के अभियंताओं में आक्रोश व्याप्त है। उक्त घटना के सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश इंजीनियर्स एसोसिएशन द्वारा रविन्द्र कुमार (द्वितीय) के विरूद्ध निम्नानुसार कार्यवाही किये जाने की मांग की जाती है।1-रवीन्द्र कुमार (द्वितीय) जिलाधिकारी, आजमगढ़ को अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियमावली 1968 के नियम-3 में निहित प्रावधानों के विपरीत उपरोक्त गंभीर दुराचरण अपनायें जाने के कारण अखिल भारतीय सेवा से बर्खास्त किया जाए।2- जिलाधिकारी आजमगढ़ के विरूद्ध सुसंगत घराओं में मुकदमा दर्ज कराते हुए विधिक कार्यवाही की जाए।3- रवीन्द्र कुमार (द्वितीय) वर्तमान जिलाधिकारी आजमगढ़ इससे पूर्व जहाँ-जहाँ कार्यरत रहे हैं, वहाँ इनके अधीनस्थ अधिकारियों/कर्मचारियों के प्रति इनके व्यवहार एवं आचरण की एक उच्च स्तरीय समिति गठित करके तथ्यात्मक जाँच कराई जाए एवं इनके विरूद्ध अखिल भारतीय सेवाएं (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-1969 के अधीन अनुशासनात्मक जौं संस्थित की जाए। इसके अतिरिक्त विकास कार्यों की प्रभावी प्रगति के लिए एसोसिएशन द्वारा यह भी मांग की जाती है कि शासन द्वारा निर्धारित बैठकों में ही अभियन्ताओं को बुलाया जाए तथा बैठक की वीडियोग्राफी भी कराई जाए। इस मौके पर शैलेश कुमार ठाकुर, ई0 अभय यादव,ई0 पीके आर्या,ई0 हरिवंश ,ई उत्कर्ष सिंह,ई0 ओम तिवारी,अधिशासी अभियन्ता प्रान्ती खण्ड,अधिशासी अभियन्ता पीएमजेवाई ,अधिशासी अभियंता निर्माण खण्ड समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

दोषी अंकित सिंह को 7 वर्ष की कठोर कैद,10 हजार रूपये अर्थदंड, न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी, अर्थदंड की धनराशि में से 8 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी, करीब साढ़े 6 वर्ष पूर्व नाबालिग छात्रा के अपहरण का मामला।।

सोनभद्र। करीब साढ़े 6 वर्ष पूर्व नाबालिग छात्रा के अपहरण के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट अमित वीर सिंह की अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी अंकित सिंह को 7 वर्ष की कठोर कैद एवं 10 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड अदा न करने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 8 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक शाहगंज थाना क्षेत्र स्थित एक गांव निवासी पीड़िता के पिता ने शाहगंज थाने में 25 सितंबर 2018 को दी तहरीर में आरोप लगाया था कि उसकी 16 वर्षीय नाबालिग बेटी जो कक्षा 11 की छात्रा है। 20 सितंबर 2018 को सुबह 8-9 बजे रोज की तरह स्कूल गई थी, लेकिन वह घर वापस नहीं लौटी। अपने स्तर से बेटी को रिश्तेदारी से लेकर हर संभव जगह तलाश किया, लेकिन कहीं पता नहीं चला। 21 सितंबर को बेटी ने फोन किया और बताया कि सागर मध्यप्रदेश स्थित बहेलिया थाने में हैं जल्दी आ जाइए। जब अपने भांजे को साथ लेकर सागर मध्यप्रदेश पहुंचा तो बेटी के साथ ही अभियुक्त अंकित सिंह भी मिला। जब वापस आने लगे और चोपन रेलवे स्टेशन आया तो अंकित सिंह वहां से फरार हो गया। जब घर आया तो बेटी ने बताया कि जब वह स्कूल जा रही थी तभी स्कूल के पास अंकित सिंह पुत्र रामसूरत सिंह निवासी सहुआर, थाना शाहगंज, जिला सोनभद्र मिला और कहा कि चलो तुम्हारी सहेली पूनम सिंह ने बुलाया है। उसकी बातों पर विश्वास करके उसके साथ मोटरसाइकिल पर बैठकर चल दी। जब रॉबर्ट्सगंज आ गई तो बेटी ने पूछा कि कहां ले जा रहे हो तो अंकित सिंह ने कहा कि चुपचाप बैठी रहो नहीं तो गला दबा दूंगा। डर की वजह से बेटी कुछ नहीं बोल पायी और उसे चोपन रेलवे स्टेशन ले गया जहां से ट्रेन से सागर मध्यप्रदेश ले गया। बेटी के साथ छेड़छाड़ भी किया है। सूचना दे रहा हूं। आवश्यक कर्रवाई करें। इस तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दिया और पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में अंकित सिंह के विरूद्ध चार्जशीट विवेचक ने दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर अपहरण के दोषी अंकित सिंह को 7 वर्ष की कठोर कैद एवं 10 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वही अर्थदंड की धनराशि में से 8 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि, सत्यप्रकाश त्रिपाठी और नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

प्रमुख योग गुरुओं द्वारा कराया गया प्रोटोकॉल के तहत पूर्वाभ्यास:रवि योगी

मौसम परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए 21 जून को कचहरी परिसर स्थित सोनभद्र बार एसोसिएशन सभागार में होगा कार्यक्रम,11 वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस को ध्यान में रखते हुए मारवाड़ी धर्मशाला राजस्थान भवन में कराया गया योगाभ्यास

सोनभद्र। पतंजलि योग परिवार अंतराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

सोनभद्र द्वारा आयोजित 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को ध्यान में रखते हुए मारवाड़ी धर्मशाला राजस्थान भवन में बुधवार को प्रातःकाल कमेटी अध्यक्ष सुनील कुमार चोबे के नेतृत्व में प्रमुख योग गुरुओं द्वारा योग प्रेमियों को प्रोटोकॉल के तहत पूर्वाभ्यास कराया गया।दयानंद मौर्य द्वारा बहुत ही सुंदर योग गीत प्रस्तुत की गई, युवा योगी जगदीश द्वारा शीर्षासान करके दिखाया गया। पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी रवि प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि 21 जून को 11 वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस को ध्यान में रखते हुए प्रमुख योग गुरुओं द्वारा योग का पूर्वाभ्यास कराया गया। उन्होंने यह भी बताया कि अचानक हुए मौसम परिवर्तन व योग साधकों के सुख सुविधा को ध्यान में रखकर 21 जून को होने वाले का स्थान मंडी योग समिति से बदल कर रॉबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित सोनभद्र बार एसोसिएशन सभागार में रखा गया है। जिसमे 21 जून को प्रातःकाल 4:30 बजे सभी योग प्रेमियों को सफेद कुर्ता, पायजामा अथवा योग टीशर्ट पहनकर पहुंचना अनिवार्य है। योग के दौरान बातचीत नहीं करना है और मोबाइल भी स्विच ऑफ रखना होगा। योगाभ्यास कार्यक्रम में प्रमुख योग शिक्षक ओम प्रकाश यादव ,सुनील कुमार श्रीवास्तव, विमल कुमार सिंह, पन्नालाल सोनी, हरिप्रसाद यादव, गोपाल दास केसरी, बलदाऊ श्रीवास्तव,संरक्षक शेषमणी तिवारी, विनोद कुमार मिश्रा, कमेटी महामंत्री एस0पी0 मेहता, कोषाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह समेत सभी पदाधिकारी एवं योग साधक मौजूद रहे।

चोरों ने दो घरों के अल्टीनेटर पर किया हाथ साफ,सदर कोतवाली क्षेत्र के मझिगवां चौबे गांव का मामला

सोनभद्र। सदर कोतवाली क्षेत्र के मझिगवां चौबे गांव में बीती रात मंगलवार की सुबह पानी भरने के लिए जनरेटर चलाने गए तो

अज्ञात चोरों द्वारा दो घरों के जनरेटर के साथ लगे अल्टीनेटर पर किया गया हाथ साफ पीड़ित परिजनों द्वारा थाने पर एप्लीकेशन देकर लगाई गई गुहार। पीड़ित अनुज चौबे व उनके पड़ोसी धर्मेंद्र चौबे ने बताया कि सोमवार सुबह जनरेटर अल्टीनेटर के साथ जुड़ा हुआ था अल्टीनेटर नहीं दिखा वहीं जब आसपास में पूछताछ किया तो पास के घर में भी अल्टीनेटर की चोरी हुई थी जिस पर भयभीत पीढ़ी द्वारा थाने में एप्लीकेशन देकर मामले में मामला पंजीकृत करते हुए संबंधित आज्ञा चोरों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की गुहार लगाइ।

सोनभद्र में तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर, 2 की मौत, 1 जिला अस्पताल में भर्ती

सोनभद्र। एक सड़क हादसे में जुटी है।जानकारी के मुताबिक का कुछ लोगों से विवाद था, और रॉबर्ट्सगंज जा रही एक बाइक

दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की पहचान चंदन तिवारी और राजेश के रूप में हुई है। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया और दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के परासी पांडेय गांव के पास मंगलवार देर रात हुए सड़क हादसे में पन्नूगंज थाना क्षेत्र के पचोखर गांव निवासी चंदन तिवारी और उनके साथी राजेश की मौत हो गई, जबकि चंदन पांडेय गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। चंदन की बहन सुमन ने इसे साजिशन हत्या करार देते हुए दावा किया कि चंदन 30 मई को उसका अपहरण कर पिटाई की गई थी, जिसके बाद तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ था। सुमन का आरोप है कि उसी विवाद के चलते यह हादसा साजिश के तहत हुआ। पुलिस ने परिजनों की तहरीर के आधार पर जांच शुरू की है और सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है।इस संबंध में एएसपी अनिल कुमार ने बताया कि यह हादसा तब हुआ जब शाहगंज से को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। प्रारंभिक जांच में इसे दुर्घटना माना जा रहा है, लेकिन पुलिस गहन जांच कर रही है और तथ्यों के आधार पर कानूनी कदम उठाएगी। वहीं, मृतकों के परिजनों का दावा है कि यह जानबूझकर किया गया हमला था। पुलिस ने उनकी तहरीर के आधार पर आगे की जांच शुरू करने का आश्वासन दिया है। इस मामले में सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

सोनभद्र में बिजली गिरने से 2 की मौत, दो पुलिसकर्मी समेत तीन लोग झुलसे, हालत स्थिर

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में बारिश के दौरान बिजली गिरने से बड़ा हादसा हुआ। ईश्वर गोंड विंढमगंज के धूमा गांव में आम के पेड़ के नीचे थे, जबकि फुलवंती कोन थाना क्षेत्र के निगाई

इस हादसे में दो लोगों की जान चली गई और तीन लोग घायल हो गए। मृतकों में विंढमगंज के ईश्वर गोंड और कोन थाना क्षेत्र की फुलवंती शामिल हैं। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में बिजली का कहर देखने को मिला है। जहां बारिश के दौरान बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में तीन लोग घायल भी हो गए। मृतकों की पहचान विंढमगंज थाना क्षेत्र के धूमा गांव के एक पुरुष और कोन थाना क्षेत्र के निगाई गांव की एक महिला के रूप में हुई। जबकि विंढमगंज की एक महिला भी बिजली की चपेट में आकर बेहोश हो गईं और उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती किया गया। वहीं रायपुर थाने के वायरलेस टावर पर बिजली गिरने से दो पुलिसकर्मी झुलस गए। दोनों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर है। जिले में सोमवार को बारिश के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों बिजली गिरने से दो लोगों, ईश्वर गोंड (63) और फुलवंती (40) की मौत हो गई। गांव में पेड़ के नीचे बारिश से बच रही थीं। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। विंढमगंज की मीना देवी (32) भी बिजली की चपेट में आकर बेहोश हो गईं और उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती किया गया।वहीं रायपुर थाने के वायरलेस टावर पर बिजली गिरने से दो पुलिसकर्मी, मुख्य आरक्षी राजीव कुमार और आरक्षी संदीप यादव झुलस गए। बिजली गिरने से वायरलेस सेट और कंप्यूटर भी क्षतिग्रस्त हो गए। दोनों घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर है। घटनाओं की सूचना स्थानीय पुलिस व लेखपाल को दे दी गई है। क्षेत्राधिकारी सदर रणधीर मिश्रा ने बताया कि थाना रायपुर में वाई-फाई टॉवर पर आकाशीय बिजली गिरने से वायरलेस सेट और कंप्यूटर भी क्षतिग्रस्त हो गए। दो पुलिस कर्मियों को सामान्य चोटें आई है। दोनों घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर है।

बभनी में दुकान लगाने को लेकर विवाद:साप्ताहिक बाजार में दो युवकों पर नुकीले हथियार से हमला, दोनों घायल

सोनभद्र। बभनी थाना क्षेत्र के पर पहुंचे। अमरनाथ का पुत्र

डूभा गांव में साप्ताहिक बाजार में दुकान लगाने को लेकर हिंसक घटना सामने आई है। बुधवार को बाजार में दुकान लगाने के विवाद में दो युवकों को नुकीले हथियार से घायल कर दिया गया। घटना में दिग्विजय और अमरनाथ के बीच दुकान लगाने को लेकर विवाद शुरू हुआ।बृजेश कुमार ने बीच-बचाव की कोशिश की। इस पर अमरनाथ और उसके पुत्र ने बृजेश का कॉलर पकड़ लिया। विवाद बढ़ने पर अशोक कुमार और पवन कुमार मौके रामगोपाल बोलेरो से उतरा और नुकीले हथियार से दोनों युवकों पर हमला कर दिया।अशोक कुमार के दाढ़ी के नीचे दोनों तरफ और पवन कुमार के गर्दन पर चोट लगी। पीआरबी और पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनी पहुंचाया। हमलावर मौके से फरार हो गए हैं। प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल के अनुसार पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश जारी है।

भैंसवार में चकबंदी के विरोध में 29वें दिन भी धरना:किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दी जिला मुख्यालय पर चक्का जाम की चेतावनी

सोनभद्र। घोरावल मास्टर श्यौराज सिंह भाटी

ब्लॉक स्थित भैंसवार गांव में चकबंदी के विरोध में किसानों का धरना-प्रदर्शन बुधवार को 29वें दिन भी जारी रहा। यह धरना सिमरिया टोला बछनार बिरबाबा देवस्थान पर चल रहा है। भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति सोनभद्र के जिला सचिव संजय कुमार यादव धरना का नेतृत्व कर रहे हैं। यादव ने हरिद्वार शिविर चिंतन में राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि भैंसवार गांव में कई वर्षों से चल रही चकबंदी में भारी अनियमितता और घोटाला हुआ है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यादव से पत्रक लेकर आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वह इस पत्रक को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंचाएंगे। भाटी ने चेतावनी दी कि अगर समय सीमा में समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वह सोनभद्र जिला मुख्यालय पर किसानों के साथ चक्का जाम करेंगे। धरना-प्रदर्शन में जिला सचिव संजय कुमार यादव, लल्लन कोल, राम श्रृंगार, सुनील विश्वकर्मा, ग्राम इकाई अध्यक्ष रामपाल पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण किसान मौजूद रहे।

सोनभद्र के रास्ते मानसून की एंट्री:चार साल बाद तय डेट पर आया; लखनऊ में तेज बारिश शुरू

सोनभद्र। यूपी में दक्षिण- हो जाएगा। यहां भारी बारिश

पश्चिम मानसून ने आज, 18 जून को ललितपुर और सोनभद्र के रास्ते एंट्री ले ली है। चार साल बाद मानसून अपने तय समय पर आया है। ललितपुर के आसपास जिलों में बादल छाए हैं। ठंडी हवाएं चल रही हैं। सोनभद्र में बारिश शुरू हो गई है। बुधवार सुबह बलिया, वाराणसी, बस्ती, जौनपुर में बारिश हुई थी। अब आसमान में काले बादल छाए हैं। बदायूं, मैनपुरी और सहारनपुर में भी बारिश हुई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया, सोनभद्र के चोपन और रेणुकूट समेत कई इलाकों में मानसून का प्रवेश हो गया है। 19 जून को प्रदेश के 30 से अधिक जिलों में मानसून सक्रिय की संभावना है। मानसून के कुछ बादल पश्चिमी-उत्तर की दिशा में बिहार के तरफ से भी यूपी की तरफ बढ़ रहे हैं। यह देर रात तक गोरखपुर को टच कर सकता है। कानपुर के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने कहा- सोनभद्र और ललितपुर में मानसून की एंट्री हो चुकी है। अगले 2 से 3 दिनों में पूरे यूपी को कवर कर लेगा। 19 से 22 जून के बीच कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी है। मौसम विभाग ने आज 13 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा 22 जिलों में बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। पिछले 48 घंटों में आंधी और बारिश से अब तक 45 लोगों की मौत हो चुकी है।

सोनभद्र में बाइक सवार दो युवकों की मौत:परिजनों का आरोप- पहले अपहरण, फिर जानबूझकर कार से कुचला

सोनभद्र। शाहगंज थाना

क्षेत्र में एक कार की टक्कर से दो बाइक सवार युवकों की मौत हो गई। मृतक चंदन त्रिपाठी के परिजन जिला अस्पताल परिसर में धरने पर बैठ गए हैं। परिजनों का आरोप है कि यह दुर्घटना नहीं, जानबूझकर की गई हत्या है। मृतक के भाई कुंदन त्रिपाठी ने बताया कि 30 तारीख को बजरंगी रेस्टोरेंट से तीन लोगों ने चंदन का अपहरण किया। मारपीट कर शव फेंक दिया था। इस मामले में 1 तारीख को शिकायत दर्ज कराई गई थी।पुलिस ने मामले में कोई कार्रवाई नहीं की। आरोपियों का लोकेशन देने के बावजूद 17 दिनों तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई। परिजनों का कहना है कि इसी का नतीजा है कि कल रात कार से टक्कर मारकर चंदन की हत्या कर दी गई।घटना की जड़ में एक बारात में हुई तू-तू, मैं-मैं बताई जा रही है। हालांकि माफी मांगने के बाद मामला सुलझ गया था। दुर्घटना में तीन युवक शामिल थे। जिनमें से दो की मौत हो गई और एक घायल है। मृतक के परिजन पोस्टमार्टम के बाद से धरने पर बैठे हैं। प्रशासन मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहा है। परिवार आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहा है।

डब्लूडब्लूई में ग्रेट खली ही नहीं ये 3 भारतीय रेसलर भी कर चुके हैं कमाल, एक ने तो 1981 में ही मचा दिया था तहलका

नयी दिल्ली। भारत और रेसलिंग का बहुत पुराना नाता रहा है। भारतीय रेसलिंग का नाम सुनते हैं फैंस को द ग्रेट खली की याद आने लगती है, लेकिन ग्रेट खली के अलावा भी कुछ रेसलर्स ने डब्लूडब्लूई में भारत का प्रतिनिधित्व कि है। भारत में रेसलिंग के प्रति प्रेम बहुत गहरा है। यह सदियों से चली आ रही रेसलिंग की परंपरा का हिस्सा है। डब्लूडब्लूई की दुनिया में कुछ भारतीय पहलवानों ने अपनी ताकत से बड़ा नाम कमाया है। उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया और दुनिया को दिखाया कि एक रेसलर कैसा होता है।

हालांकि द ग्रेट खली ने उन सभी रेसलर्स के मुकाबले सबसे ज्यादा नाम कमाया, लेकिन क्या आप जानते हैं कि द ग्रेट खली के अलावा कुछ रेसलर्स ऐसे भी रहे हैं जिन्होंने डब्लूडब्लूई में काफी नाम कमाया है। आज हम ऐसे ही तीन रेसलर्स के बारे में आपको बताने जा रहे हैं।1.1981 में गामा सिंह ने डब्लूडब्लूई में कदम रखा। वे भारतीय रेसलिंग को दुनिया में पहचान दिलाने वाले पहले रेसलर्स में से एक थे। उस समय डब्लूडब्लूई इतना बड़ा नहीं था। गामा सिंह ने 1970 के दशक में रेसलिंग शुरू की और 80 के दशक में डब्लूडब्लूएफ (जो बाद में डब्लूडब्लूई बना) से जुड़ गए। उन्होंने विंस मैकमोहन के शुरुआती दौर में डब्लूडब्लूई के विदेशी दौरों में हिस्सा लिया। गामा सिंह डब्लूडब्लूई में बहुत बड़े स्टार तो नहीं बने, लेकिन उन्होंने भारतीय रेसलिंग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में मदद की। एक मजेदार बात यह है कि वे जिंदर महल के चाचा भी हैं।जिंदर महल 29 अप्रैल 2011 को स्मैकडाउन में आए। वे कनाडा में पैदा हुए, लेकिन उन्हें अपनी पंजाबी जड़ों पर गर्व है। उनका शुरुआती सफर आसान नहीं था। 3एमबी नाम की एक टीम में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। लेकिन 2017 में उन्होंने डब्लूडब्लूई चैंपियनशिप जीतकर सबको चौंका दिया। वे यह खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय मूल के पहलवान बने। उन्होंने रैंडी ऑर्टन और सेठ रॉलिंस जैसे बड़े पहलवानों के साथ मुकाबला किया। महल रेसलमेनिया 30 में भी दिखाई दिए और उन्होंने कुछ समय के लिए यूनाइटेड स्टेट्स चैंपियनशिप भी जीती।डब्लूडब्लूई के 5 स्टार रेसलर जिन्होंने छोटी सी उम्र में गंवाई जान, एक तो बीच रिंग में कह गया दुनिया को अलविदा सौरव गुर्जर, जिन्हें रिंग में सांगा के नाम से जाना जाता है, 2019 में वर्ल्ड्स कोलाइड बैटल में आए। वे डब्लूडब्लूई के एनएक्सटी ब्रांड में अपनी ताकत दिखा चुके हैं। 2023 में उन्होंने में भी कदम रखा। वे पहले टीवी एक्टर थे और महाभारत में भी काम कर चुके हैं। 2018 में उन्होंने डब्लूडब्लूई के साथ करार किया और जल्द ही अपनी पहचान बना ली। वीर महान के साथ मिलकर सांगा ने रॉ में टैग टीम मैच में डेब्यू किया। उन्होंने एनएक्सटी चैंपियनशिप और नॉर्थ अमेरिकन चैंपियनशिप में भी अपना नाम बनाया है। सांगा में बॉलीवुड का चार्म और ताकत दोनों हैं।

श्रीलंका और बांग्लादेश का मैच कैसे देखें, यहां मिलेगी लाइव स्ट्रीमिंग की जानकारी

नयी दिल्ली। श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच बेहद रोमांचक टेस्ट मैच गॉल पर खेला जा रहा है। इस मैच का दूसरा दिन आज है।श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट के पहले दिन बांग्लादेश ने शानदार प्रदर्शन किया। नजमुल हुसैन शान्तो और मुशफिकुर रहीम की अटूट साझेदारी ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। शुरुआती झटकों के बाद बांग्लादेश ने दिन का खेल खत्म होने तक 3 विकेट पर 292 रन बना लिए। शान्तो 136 और मुशफिकुर 105 रन बनाकर नाबाद रहे। बल्लेबाजी करने आए तो उन्होंने

डब्लूटीसी 2025-27 में बांग्लादेश ने अच्छी शुरुआत की है। गॉल में खेले जा रहे टेस्ट मैच में श्रीलंका ने पहले घंटे में ही 3 विकेट लेकर अच्छी शुरुआत की थी। गॉल की पिच स्पिन गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती है, लेकिन इस बार बल्लेबाजों को भी मदद मिल रही है। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। शुरुआत में टीम को झटके लगे और तीन विकेट जल्दी गिर गए। शान्तो जब कुछ ही गेंदें खेली थीं। मुशफिकुर के क्रीज पर आने के बाद उन्होंने तेजी से रन बनाना शुरू किया। अपनी छठी गेंद पर ही उन्होंने डेब्यू कर रहे थारिंदु रत्नायके की गेंद पर शानदार शॉट लगाया और टीम का मोमेंटम बदल दिया। इसके बाद उन्होंने धैर्य और साझेदारी का बेहतरीन प्रदर्शन किया।दिन का खेल खत्म होने तक शान्तो 136 रन बनाकर नाबाद रहे। अनुभवी खिलाड़ी मुशफिकुर रहीम ने भी 105 रनों की शानदार पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर श्रीलंकाई गेंदबाजों को खूब परेशान किया। श्रीलंकाई गेंदबाज दिन के अंत तक बेअसर दिखे। दोनों ने समझदारी से बल्लेबाजी की और तेजी से रन बनाए। पहले दिन के खेल के बाद बांग्लादेश की टीम मजबूत स्थिति में है। टीम ने अच्छी नींव रख दी है और उनके पास अभी भी कई बल्लेबाज बाकी हैं। बांग्लादेश की टीम चाहेगी कि वे इस मोमेंटम को बनाए रखें और दूसरे दिन श्रीलंका पर दबाव डालें। दूसरी ओर, श्रीलंका को मैच में वापसी करने के लिए दूसरे दिन जल्दी विकेट लेने होंगे।श्रीलंका बनाम बांग्लादेश पहला टेस्ट मैच भारत में सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर लाइव दिखाया जाएगा।श्रीलंका बनाम बांग्लादेश पहले टेस्ट मैच का दूसरा दिन 17 जून, 2025 को भारतीय समयअनुसार सुबह 10:00 बजे पर शुरू होगा। फैंस एसएल बनाम बांग्लादेश पहले टेस्ट मैच की लाइव स्ट्रीमिंग सोनी लिव ऐप और वेबसाइट पर देख सकते हैं। इसके लिए आपके पास वैलिड सब्सक्रिप्शन होना जरूरी है।

आरिना सबालेंका ने सरेआम मांगी माफी, फ्रेंच ओपन में कोको गॉफ पर की थी गलत टिप्पणी

नयी दिल्ली। फ्रेंच ओपन में आरिना सबालेंका ने एक मैच के दौरान कोको गॉफ पर गलत टिप्पणी की थी। जिसके बाद उन्हें अब पत्र लिखकर कोको गॉफ से माफी मांगनी पड़ी है।आरिना सबालेंका ने कहा कि उन्होंने कोको गॉफ को पत्र लिखकर फ्रेंच ओपन के फाइनल में अपनी अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी से हारने के बाद की गई 'गैर पेशेवर' टिप्पणियों के लिए माफी मांगी है। वर्ल्ड नंबर-1 सबालेंका ने कहा कि इस महीने रोलां गैरो पर उनके खिलाफ गॉफ की 6-7, 6-2, 6-4 की जीत के बाद उनकी टिप्पणी एक गलती थी।पेरिस में मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सबालेंका ने कहा था कि यह परिणाम गॉफ के प्रदर्शन की तुलना में उनकी अपनी गलतियों के कारण अधिक था। सबालेंका ने अब कहा है, 'यह मेरे लिए पूरी तरह से गैर पेशेवर था। मैंने अपनी भावनाओं को खुद पर हावी होने दिया। उस समय मैंने जो कुछ भी कहा उसके लिए

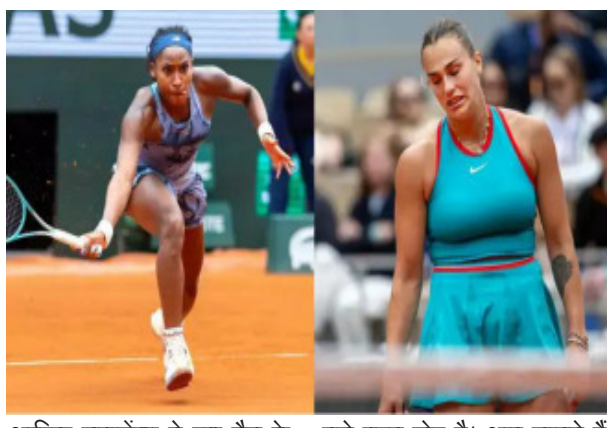

मुझे बहुत खेद है। आप जानते हैं कि हम सभी गलतियां करते हैं। मैं भी एक इंसान हू जो अब भी जीवन में सीख रहा है।'सबालेंका ने 37 विनर्स लगाए थे, लेकिन गॉफ की 30 सहज गलतियों की तुलना में 70 सहज गलतियां की। ब्रिटिश वाइल्ड कार्ड एंट्री डैन इवांस ने दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांसिस टियाफो को 7-5, 6-2 से हराकर 2021 के बाद से क्वींस क्लब टेनिस टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। विश्व में 199वें नंबर के खिलाड़ी इवांस ने कहा, 'मुझे विश्वास है कि मैं अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूं। लेकिन इस पर विश्वास करना और ऐसा होना दोनों अलग चीज हैं।'पहले राउंड में जीत दर्ज करने वाले अन्य खिलाड़ियों में चौथी वरीयता प्राप्त होल्गर रूणे और आठवीं वरीयता प्राप्त याकुब मेंसिक शामिल थे।

टीम में होना चाहिए था ये खिलाड़ी... सीरीज से पहले सामने आई बड़ी कमी, खिलाड़ियों को चुनने में हुई गलती?

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में भिड़ने वाली है। इस सीरीज से पहले टीम इंडिया में खिलाड़ियों के चयन को लेकर कुछ सवाल उठ रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में भिड़ने वाली है। इस सीरीज के लिए जब टीम इंडिया का ऐलान हुआ तो कुछ खिलाड़ियों के बाहर होने से हर कोई हैरान था। खासकर श्रेयस अय्यर के बाहर होने से हर कोई सवाल पूछ रहा था। इसी बीच इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज निक नाइट का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के युग के बाद भारतीय टीम का बदलाव और भी आसान हो सकता था, अगर श्रेयस अय्यर इंग्लैंड दौरे के लिए टेस्ट टीम का हिस्सा होते।इंग्लैंड के पूर्व ओपनिंग बल्लेबाज निक नाइट, अय्यर को एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी मानते हैं, जिन पर भारत इस पुनर्निर्माण के दौर में भरोसा कर सकता था। अय्यर पिछले सीजन में सभी फॉर्मेट में शानदार फॉर्म में थे, लेकिन पिछले साल की शुरुआत से ही वे टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं रहे हैं। कोहली और रोहित जैसे दो दिग्गज बल्लेबाजों के पिछले महीने रेड-बॉल फॉर्मेट से हटने के बाद, भारत का टॉप ऑर्डर अब अनुभव से ज्यादा संभावनाओं से भरा है। नाइट ने इस बात पर जोर दिया कि यह समय नई भारतीय बल्लेबाजी इकाई के लिए कितना महत्वपूर्ण है। उन्होंने

सीरीज में भिड़ने वाली है। इस सीरीज से पहले टीम इंडिया में खिलाड़ियों के चयन को लेकर कुछ सवाल उठ रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में भिड़ने वाली है। इस सीरीज के लिए जब टीम इंडिया का ऐलान हुआ तो कुछ खिलाड़ियों के बाहर होने से हर कोई हैरान था। खासकर श्रेयस अय्यर के बाहर होने से हर कोई सवाल पूछ रहा था। इसी बीच इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज निक नाइट का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के युग के बाद भारतीय टीम का बदलाव कोहली और रोहित की अनुपस्थिति को स्वीकार करते हुए कहा कि युवाओं के लिए आगे बढ़ने का यह सही समय है।निक नाइट का कहना है कि अगर श्रेयस अय्यर इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट टीम में होते तो भारत को विराट कोहली और रोहित शर्मा के बाद टीम को संभालने में और आसानी होती। उनके अनुसार, अय्यर एक ऐसे खिलाड़ी हैं जिन पर भारत भरोसा कर सकता था। हालांकि, अय्यर पिछले कुछ समय से टेस्ट टीम से बाहर हैं। कोहली और रोहित के हटने के बाद, टीम में युवा खिलाड़ियों को मौका मिल रहा है और यह उनके लिए अच्छा प्रदर्शन करने का सुनहरा अवसर है।निक नाइट ने पीटीआई से बात करते हुए कहा, 'अगर भारतीय क्रिकेट को रोहित और विराट के जाने से उबरने का कोई समय है, तो वह अब है। मैं यहां पूरी ईमानदारी से बात करने जा रहा हूं। श्रेयस अय्यर को यहां होना चाहिए था। इससे इस बदलाव में थोड़ी और मदद मिलती। लेकिन फिर भी वहां बहुत क्षमता है।'अनुभवी खिलाड़ियों की कमी के कारण, अब केएल राहुल और नए कप्तान शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों पर अधिक जिम्मेदारी होगी। करुण नायर, जो रेड-बॉल फॉर्मेट में शानदार फॉर्म में हैं, की वापसी से मध्यक्रम को स्थिरता मिलेगी। वहीं, साई सुदर्शन से उम्मीद है कि वे नंबर 3 पर बल्लेबाजी करेंगे। नाइट ने कहा, 'साई सुदर्शन, मेरे लिए, वह नंबर तीन पर आते हैं, शुभमन गिल नंबर चार पर, और फिर आप वहां से आगे बढ़ते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'साई एक बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। वह देर से खेलते हैं। आप इस सीरीज के दौरान यह बहुत सुनेंगे। ऐसे खिलाड़ी जो गेंद को अपनी आंख के नीचे, फ्रंट पैड से खेलते हैं, आपके सामने आउट नहीं होते हैं, गेंद का थोड़ा पीछा करते हैं।'

बुमराह बोले- कप्तान नहीं बनना मेरा फैसला था:इंग्लैंड में सभी 5 टेस्ट नहीं खेल सकता, वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते लीडरशिप रोल नहीं चुना

नयी दिल्ली। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा है कि उन्होंने खुद कप्तानी लेने से मना कर दिया था। इतना ही नहीं, बुमराह ने खुद को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए उपलब्ध बताया। 31 साल के पेसर ने स्काई स्पोर्ट्स पर दिनेश कार्तिक से बात की। कप्तानी के सवाल पर बुमराह ने कहा- 'मैंने कप्तानी के लिए बीसीसीआई और सिलेक्टर्स को मना किया था। इसमें कोई फैंसी कहानियां नहीं हैं, कोई विवाद नहीं है या कोई हेडलाइन वाला बयान नहीं है कि मुझे बर्खास्त कर दिया गया था या मेरी तरफ नहीं देखा गया।' रोहित शर्मा के संन्यास के बाद कई पूर्व क्रिकेटर्स ने बुमराह को कप्तान बनाने का समर्थन किया था।भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर हैं। टीम को वहां 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी हैं। पहला मुकाबला 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा।बुमराह ने

बताया, रोहित-कोहली के रिटायर होने से पहले मैंने बोर्ड से बात की थी। मैंने अपने वर्कलोड की जानकारी दी। पीठ दर्द के ट्रीटमेंट के बाद मैंने सर्जन से भी बात की। काम का बोझ था इसलिए हम इस नतीजे पर पहुंचे कि मुझे थोड़ा और स्मार्ट बनना होगा। जिसके बाद मैंने बोर्ड से कहा, 'मैं नहीं चाहता कि मुझे नेतृत्व के तौर पर देखा जाए।'बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए खुद को उपलब्ध बताया। उन्होंने अपनी फिटनेस पर बात करते हुए कहा- 'मैं कम से कम तीन मैच खेलना चाहता हूं। फिलहाल, यही प्लान है। अभी कोई नंबर तय नहीं किया है। लेकिन, पहले मैच के लिए तैयार हूं। हमें आगे देखना होगा कि चीजें कैसे गुजरती हैं।'

कबूतरों की बीट जानलेवा:सांस की बीमारी से लेकर लंग ट्रांसप्लांट तक का खतरा,बचाव के 6 तरीके

नयी दिल्ली। शहरों की चहल-पहल में कबूतरों की मौजूदगी आम बात है। ये शांत और मासूम लगने वाले पक्षी अक्सर हमारी बालकनियों, छतों और छज्जों पर नजर आते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कबूतरों की सूखी बीट (मल) हमारे स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। नवंबर 2023 में एक 53 वर्षीय महिला को कबूतरों की सूखी बीट के संपर्क में आने से फेफड़ों की गंभीर बीमारी हाइपरसेंसिटिविटी न्यूमोनाइटिस हो गई। यह बीमारी इतनी गंभीर थी कि उसे लंग ट्रांसप्लांट तक कराना पड़ा। इससे पहले, जनवरी 2019 में स्कॉटलैंड के ग्लासगो में दो मरीजों की मौत हुई थी, जिनमें कबूतरों की बीट से फैले फंगस क्रिप्टोकोकस के कारण इन्फेक्शन पाया गया था। अमेरिका की सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन और विश्व स्वास्थ्य संगठन भी पक्षियों से फैलने वाली इन बीमारियों को गंभीर खतरा मानते हैं। कोविड-19 जैसी महामारी से हमें यह भी सीख मिली है कि पक्षियों से इंसानों में फैलने वाली बीमारियों को नजरअंदाज करना कितना खतरनाक हो सकता है। बात करेंगे कि कबूतरों की सूखी बीट इतनी खतरनाक क्यों है? एक्सपर्ट: डॉ. अंकित बंसल - कबूतरों का सूखा मल यानी बीट दिखने में तो सामान्य लगती है, लेकिन इसमें कई खतरनाक बैक्टीरिया और फंगस हो सकते हैं। इनमें क्रिप्टोकोकस, स्टोप्लास्मोसिस और क्लैमाइडिया सिटासी जैसे जीव शामिल हैं। जब ये सूखी बीट हवा में उड़ती है तो इसके साथ मौजूद छोटे-छोटे फंगल स्पोर्स सांस के जरिए हमारे शरीर में जा सकते हैं। इससे सांस लेने में दिक्कत हो सकती है।कबूतरों की बीट में कई हानिकारक बैक्टीरिया और वायरस होते हैं। जब यह सूखकर धूल या पानी की बूंदों के साथ मिलती है और सांस के जरिए शरीर में जाती है तो इससे फेफड़ों में सूजन , दिमाग की झिल्ली में सूजन या सिटाकोसिस नामक बीमारी हो सकती है। सिटाकोसिस फ्लू जैसी बीमारी होती है, जिसमें तेज बुखार, सिरदर्द और सांस लेने में परेशानी होती है। इसके अलावा कबूतर की बीट में साल्मोनेला बैक्टीरिया भी हो सकता है, जो दस्त और पेट से जुड़ी समस्याओं का कारण बन सकता है। सबसे ज्यादा खतरा उन लोगों को होता है, जिनकी इम्यूनिटी कमजोर है। इनमें बुजुर्ग, छोटे बच्चे, अस्थमा या फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित लोग शामिल हैं।जर्नल ऑफ ऑक्यूपेशनल हेल्थ, 2021 की एक रिसर्च में पाया गया कि जो लोग लंबे समय तक कबूतरों की बीट या पंखों के संपर्क में रहते हैं, जैसे सफाईकर्मी या पक्षियों की देखभाल करने वाले, उन्हें सांस संबंधी बीमारियों का खतरा आम लोगों से 3 से 5 गुना ज्यादा होता है।अगर आप नहीं चाहते कि कबूतर आपकी बालकनी या खिड़की पर घोंसला बनाएं तो इसके लिए कुछ आसान और असरदार उपाय अपनाए जा सकते हैं। सबसे जरूरी है कि उस जगह को साफ-सुथरा और सूखा रखा जाए क्योंकि कबूतर आमतौर पर गंदगी और नमी वाली जगहों को पसंद करते हैं। इसके अलावा कुछ विशेष चीजें इस्तेमाल करके आप उन्हें वहां घोंसला बनाने से रोक सकते हैं। कबूतरों की सूखी बीट में ऐसे सूक्ष्म कण होते हैं, जो सांस के रास्ते हमारे शरीर में जा सकते हैं और फेफड़ों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए बीट की सफाई करते वक्त कुछ सावधानियां जरूर रखनी चाहिए। जैसेकि-मास्क पहनें ताकि सूखी धूल सांस में न जाए।दस्ताने पहनें ताकि हाथ सीधे बीट से न लगें।फुल आस्तीन वाले कपड़े पहनें ताकि हाथ और हाथ की स्किन भी सुरक्षित रहे।सफाई के बाद अच्छे से हाथ धोएं और सैनिटाइज करें।सूखी बीट को झाड़ने के बजाय गीले कपड़े या डिसइन्फेक्टेंट स्प्रे से साफ करें, ताकि धूल न उड़ें।साफ की गई गंदगी को ठीक से निपटाएं, खुले में न फेंके।कबूतरों की बीट से जो बीमारियां होती हैं, उनका इलाज बीमारी की प्रकार और गंभीरता पर निर्भर करता है। आमतौर पर डॉक्टर सबसे पहले बीमारी की सही पहचान करते हैं। इसके बाद इलाज में एंटीबायोटिक्स या एंटीफंगल दवाइयां दी जाती हैं, जो बैक्टीरिया या फंगस को खत्म करती हैं।अगर फेफड़ों में सूजन या सांस की परेशानी हो तो सांस लेने में मदद के लिए दवाएं दी जाती हैं। कुछ मामलों में मरीज को आराम और पूरी देखभाल की जरूरत होती है।

डब्लूडब्लूई के 5 स्टार रेसलर जिन्होंने छोटी सी उम्र में गंवाई जान, एक तो बीच रिंग में कह गया दुनिया को अलविदा

नयी दिल्ली। डब्लूडब्लूई के कई स्टार रेसलर ऐसे रहे जिनकी जिंदगी बहुत छोटी रही। इन पहलवानों ने अपनी प्रतिभा, लगन और दमदार व्यक्तित्व से दर्शकों को अपना दीवाना बना लिया, लेकिन इनकी जिंदगी बेहद छोटी रही।डब्लूडब्लूई की दुनिया में कई सितारे चमके और बहुत जल्दी ही हमसे दूर चले गए। इन पहलवानों ने अपनी प्रतिभा, लगन और दमदार व्यक्तित्व से दर्शकों को अपना दीवाना बना लिया। दुख की बात है कि उनकी जिंदगी बहुत छोटी रही। उन्होंने अपने फैंस और पूरे कुश्ती समुदाय पर गहरी छाप छोड़ी। मौत जीवन का एक हिस्सा है। यह सुनने में दुखद लग सकता है, लेकिन यह जीवन की सच्चाई है कि हर किसी को आखिरकार मरना है। कई पहलवान कम उम्र में ही चल बसे। डब्लूडब्लूई के ऐसे ही कुछ रेसलर्स की बात हम आगे करने वाले हैं।एडी गुरेरो अपनी करिश्माई पर्सनालिटी और शानदार इन-रिंग कौशल के लिए जाने जाते थे। वे दर्शकों का मनोरंजन करने में माहिर थे। 13 नवंबर, 2005 को एडी अपने होटल के कमरे में बेसुध पाए गए। 38 साल की उम्र में उनकी मौत हो गई। उनकी मौत का कारण एक्यूट हार्ट फेलियर था। यह कई सालों तक कड़ी मेहनत और कुश्ती के कारण उनके शरीर पर पड़े असर का नतीजा था। उनके निधन से कुश्ती जगत में शोक की लहर दौड़ गई। एडी को आज भी हर कुश्ती प्रशंसक बहुत याद करता है।ओवेन हार्ट, महान हार्ट परिवार के सदस्य थे। वे अपनी असाधारण प्रतिभा और आक्रामक व्यक्तित्व के लिए

जाने जाते थे। ओवेन हार्ट अपने समय के लोकप्रिय और सबसे अद्भुत पहलवानों में से एक थे। 23 मई, 1999 को एक कुश्ती मैच के दौरान, ओवेन एक स्टंट कर रहे थे। इस स्टंट में उन्हें रस्सियों के सहारे छत से नीचे रिंग में उतरना था। दुर्भाग्य से, हार्नेस में खराबी आ गई। ओवेन बहुत ऊंचाई से गिर गए और उन्हें जानलेवा चोटें आईं। ओवेन हार्ट की 34 साल की उम्र में मौत हो गई। उनके परिवार को गहरा सदमा लगा। उनकी विरासत को आज भी सम्मान के साथ याद किया जाता है।फतू, जिन्हें उमागा के नाम से जाना जाता था, डब्लूडब्लूई में एक निडर पहलवान थे। उमागा एक विनाशकारी सामोन योद्धा थे। वह अपने तीव्र मैचों और शारीरिक शैली के लिए जाने जाते थे। 4 दिसंबर, 2009 को उमागा को दिल का दौरा पड़ा। वे दर्द निवारक और मांसपेशियों को आराम देने वाली दवाओं के मिश्रण के साथ बेहोश पाए गए। 36 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। उनकी मौत का कारण दूसरा दिल का दौरा था। यह दौरा ड्रग्स के इस्तेमाल और बढ़े हुए दिल के कारण पड़ा था। उमागा की बहुत कम उम्र में मौत हो गई। उनकी मौत पहलवानों के लिए एक चेतावनी थी कि वे अपना ख्याल रखें और अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें।बेनोइट डब्लूडब्लूई के सबसे सम्मानित तकनीकी पहलवानों में से एक थे। वे कुश्ती में अपनी कड़ी मेहनत और लगन के लिए जाने जाते थे। क्रिस अपने समय में दर्शकों के पसंदीदा पहलवान थे। वे रिंग में अपनी शक्तिशाली एक्शन से भरपूर परफॉर्मेंस के लिए जाने जाते थे। लेकिन उनका करियर एक त्रासदी में समाप्त हो गया। जून 2007 में, बेनोइट ने अपनी पत्नी और बेटे की हत्या कर दी। इसके बाद उन्होंने खुद भी आत्महत्या कर ली। क्रिस बेनोइट की मौत के समय 40 साल की उम्र थी।

रवि शास्त्री ने चुनी इंग्लैंड टेस्ट के लिए भारतीय प्लेइंग-11:साई सुदर्शन को डेब्यू का मौका, जायसवाल-राहुल की ओपनिंग जोड़ी

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले में शुरू होने वाले पहले

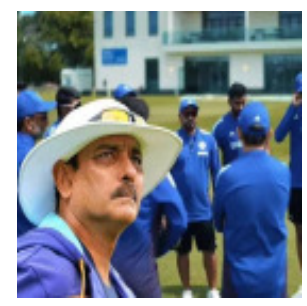

टेस्ट मैच के लिए अपनी पसंदीदा भारतीय प्लेइंग-11 बताई है।उन्होंने मंगलवार को आईसीसी रिव्यू में कहा है कि साई सुदर्शन को डेब्यू करवाना चाहिए और उन्होंने पहले मैच में साई को तीसरे नंबर पर उतारने का भी सुझाव दिया है। वहीं, उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार लगाने वाले करुण नायर को पांचवें नंबर पर खिलाने की वकालत की है।पांच मैच की सीरीज का पहला मैच शुक्रवार से शुरू होगा जो भारतीय कप्तान के रूप में शुभमन गिल की पहली सीरीज होगी। शास्त्री ने सलामी जोड़ी के लिए यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल को चुना। उन्होंने कहा, 'राहुल का अनुभव और इंग्लैंड में उनका पहले का शानदार प्रदर्शन उन्हें सलामी बल्लेबाज के लिए सही विकल्प बनाता है।' नंबर तीन पर उन्होंने युवा साई सुदर्शन को मौका देने की बात कही, जो हाल में शानदार फॉर्म में हैं।

हम लोग का खाटी टिफिन और अब का न्यूट्रीशियन

'असीम मित्रा' (आधुनिक समाचार नेटवर्क)

'असीम मित्रा' (आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। अस्सी नब्बे के दशक के दिन याद है होंगे उन दिनों कि सिपह सलारो को इतिहास गवाह है उनसे अधिक जीवन को जानने वाले ज़ि-ज़ेन उनके क़द तक नहीं पहुंच सकें. उस दशक के लोगो ने ज़मीन को छुवा, मिट्टी कि महक को पहचाना और आज जहां भी है अच्छे हैं.. उनके रक्त/नाड़ी/मज्जा मे शार्ट कट नहीं रहा खाटी लोगो कि यही विशेषता उनको ज़ी-ज़ेन से आगे ले जाती। बाबू जी कि बेरहम पिटाई और नैतिक शास्त्र जो अब गायब हो चूका ने बहुत कुछ सिखाया। पुस्तक कला ने सवालम्बी बनना सिखाया। 60 वाट के बल्ब जो कि उखड़े प्लास्टर और झरोखे से गुसल खाने और बाथरूम मे रौशनी देता था उसने ब्लैक एंड वाइट सिखाया,, मकड़ी जो आये दिन अपने पैर बड़े करती जाती वो छिपकली के साथ सामंजस्य बैठा के दरवाजे के पीछे साथ रह के सामंजस्य का अर्थ समझाया... वो बचपन कि टिफिन जिसमे पराठे और आलू भुजिया से न सिर्फ न्यूट्रीशियन पूरा हो जाता था बल्कि कभी सरसो के तेल के साथ नमक मिर्च और अचार से भी भूक मिट जाती थी..नाज़ुक नीम के पत्तों को हलके तेल मे फ्राई करके चावल के साथ लपेट जाने मात्र से हीं कितनी बीमारियां दूर भाग जाती थी उसके विपरीत अब हैजिनक्ली लंच भी बच्चो कि सेहत डगमगा दें रहें। टिफिन मे आलू भुजिया नहीं दें सकतें,,, स्टैण्डर्ड भी मेंटेन रखना हैं,, मैग्गी/ चाउमीन जैसी चीज़े भी नहीं दें सकतें फ़ूट बच्चे खाते नहीं तो विकल्प क्या हैं? विकल्प है बाहर के खाने का चस्का न लगे बच्चो को। जब ये चस्का नहीं लगेगा तो वो स्वतः घर का भोजन चाव से ग्रहण करेंगे।

चीन की जनसंख्या के साथ ही उत्पादकता भी घट रही है

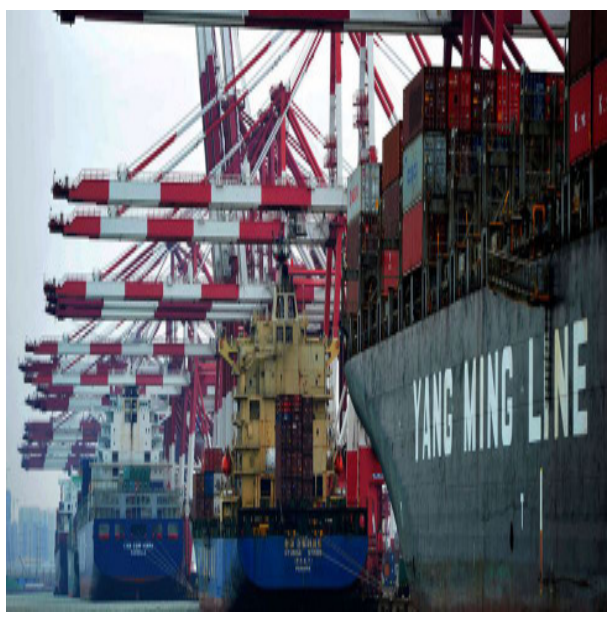

चीन के बारे में सबसे बड़ा अर्द्धसत्य यह है कि उसकी अर्थव्यवस्था बहुत कम उपभोग करती है और बहुत ज्यादा निवेश करती है। ज्यादा निवेश भले समस्या हो, लेकिन कम खपत नहीं है। इसलिए ज्यादा उपभोक्ता-खर्च को प्रोत्साहित करके पुनर्संतुलन कायम करने के लिए बढ़ते आह्वान गुमराह करने वाले हैं।चीन ने 1980 के दशक में एक मैन्युफैक्चरिंग ताकत बनने की शुरुआत की थी और तब से उपभोक्ताओं द्वारा किए जाने वाले खर्च को दबा दिया था, ताकि वह अपनी बचतों को बंदरगाहों और कारखानों के निर्माण में लगा सके। लेकिन दबा हुआ उपभोक्ता एक मिथक है।इस सदी में अब तक चीन में निजी उपभोक्ता खर्च सालाना 8फीसदी से ज्यादा बढ़ा है, जो किसी भी अर्थव्यवस्था से तेज है। पिछले कुछ वर्षों में ज्यादातर देशों में उपभोक्ता-खर्च की वृद्धि धीमी हुई है, जिसका कारण आबादी की बढ़ती उम्र और घटती वास्तविक आय है। चीन में भी यह गिरकर 5फीसदी पर आ गई है। यह मिथक चीन की जीडीपी में खपत के हिस्से पर आधारित है, जो वैश्विक मानकों से काफी कम यानी सिर्फ 40फीसदी है। लेकिन इस विसंगति का कारण यह नहीं है कि खपत में धीमी वृद्धि हुई है, बल्कि यह है कि जीडीपी का दूसरा बड़ा घटक निवेश-बुनियादी ढांचे, रियल एस्टेट, निर्यात उद्योगों में- इस सदी में औसतन 10फीसदी प्रति वर्ष की दर से और भी तेजी से बढ़ा है। यह गति भी किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तुलना में तेज है। अति-निवेश के इस दीर्घकालिक पैटर्न को ठीक किया जाए, तो चीन की जीडीपी में खपत का हिस्सा लगभग 55फीसदी होगा, जो सामान्य के करीब है। जापान और दक्षिण कोरिया से लेकर इंडोनेशिया और मलेशिया तक, स्थापित और नई एशियाई मैन्युफैक्चरिंग ताकतों की तुलना में चीन में उपभोक्ता-खर्च भी बहुत तेजी से बढ़ा है। फिर भी, चीनी उपभोक्ताओं को मुक्त करने की मांग उनके खर्च में लगातार वृद्धि के बढ़ते सबूतों के साथ जारी है। शंघाई से पेरिस तक लग्जरी स्टोर्स में चीनी खरीदारों के बीच इस प्रकार के लक्षणों को पहचानना मुश्किल है कि उन्हें खर्च में गहराई से झांकें तो उनमें वृद्धि मुख्य रूप से सेवाओं के लिए कमजोर दिखती है, न कि वस्तुओं के लिए। यदि हम चीन की सरकार द्वारा कम या बिना किसी शुल्क के प्रदान की जाने वाली सेवाओं को ध्यान में रखें- जिनमें स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा शामिल हैं- तो जीडीपी के हिस्से के रूप में उपभोग में उल्लेखनीय वृद्धि दिखती है। दूसरी ओर, निवेश स्पष्ट रूप से जीडीपी के 40फीसदी हिस्से के रूप में ब?हुत अधिक है और खपत के लगभग बराबर है। किसी भी परिपक्व अर्थव्यवस्था में निवेश जीडीपी के एक हिस्से के रूप में खपत से कम होता है, लेकिन आर्थिक चक्र के लिए अधिक महत्वपूर्ण होता है। मंदी के समय उपभोक्ता अपनी जरूरतों पर खर्च करना बंद नहीं कर सकते, लेकिन व्यवसाय जरूर निवेश करना बंद कर सकते हैं, कम से कम कुछ समय के लिए। लगातार बना हुआ अत्यधिक निवेश व्यापार-भागीदारों के साथ तनाव बढ़ा रहा है, क्योंकि चीन अपने अतिरिक्त उत्पादन का बहुत सारा हिस्सा निर्यात कर देता है, जिससे उसके यहां अव्यवस्थाएं जन्म लेती हैं। समय के साथ, इस तरह की लत पूंजी को रियल एस्टेट जैसे कम उत्पादक लक्ष्यों की ओर मोड़ देती है। अब आप समझ सकते हैं कि आज चीन का संपत्ति बाजार कर्ज से क्यों लदा है। चीन का उपभोक्ता-खर्च दुनिया भर में तेजी से बढ़ रहा है और इसमें तेजी लाने की बहुत गुंजाइश नहीं है, खासकर तब जब कई परिवार कर्ज में डूबे हुए हैं। पिछले 15 वर्षों में यह ऋण तीन गुना बढ़कर जीडीपी के 60फीसदी से अधिक हो गया है, जो उभरते बाजारों में सबसे अधिक है। व?हां की सरकार अपने बढ़े हुए विकास-लक्ष्यों को प्राप्त करने के नाम पर बहुत समय से अत्यधिक निवेश कर रही है। उपभोग को बढ़ाना इसका हल नहीं है। यह स्वीकार करना होगा कि चीन घटती जनसंख्या, घटती उत्पादकता और भारी कर्ज के बोझ से दबा हुआ है। इसकी वास्तविक संभावित विकास दर 5फीसदी के बजाय 2.5फीसदी के करीब है। जैसे-जैसे विकास धीमा होगा, उपभोग बढ़ेगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं) 'रुचिर शर्मा '

'भ्रष्टाचार में आसानी' से 'व्यापार में आसानी' तक का सफर

पिछले एक दशक में भारत ने एक परिवर्तनकारी यात्रा की है। संरचनात्मक सुधारों, व्यापक वेलफेयर कार्यक्रमों और मुखर लोकतांत्रिक दृष्टिकोण से स्थिरता और विकास का संतुलन बनाया है। सोशल मीडिया, स्वतंत्र न्यायपालिका और मुखर विपक्ष के साथ भारत एक जीवंत लोकतंत्र बना हुआ है।जहां लोकतंत्र में आलोचना महत्वपूर्ण है, वहीं राष्ट्रीय प्रगति के मानकों को पहचानने में भूल नहीं की जानी चाहिए। आज भारतीय लोकतंत्र परिपक्व हो गया है। एनडीए को लगातार मिलते चुनावी जनादेश एक ऐसे दृष्टिकोण में जनता के भरोसे को दर्शाते हैं, जो विकास को राष्ट्रीय एकता के साथ जोड़ता है। यह लेख विश्लेषण करता है कि क्या पिछले 11 वर्षों में भारत सभी के लिए बेहतर, निष्पक्ष और मजबूत बन पाया है?सबसे पहले बेहतरी की बात करें। जीडीपी आंकड़ों की तुलना वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के संदर्भ में की जानी चाहिए। तमाम चुनौतियों के बावजूद भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में उभरा है।महामारी के वर्षों को छोड़कर भारत ने वित्त वर्ष 2014 से वित्त वर्ष 2025 तक औसतन 7.1फीसदी जीडीपी वृद्धि की है, जबकि 2004 से 2014 के दौरान यह 6.7फीसदी थी। 2014 में 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने से भारत अब 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है।आईएमएफ के आंकड़े पुष्टि करते हैं कि पिछले एक दशक में भारत ने शीर्ष 10 वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक वृद्धि देखी। वित्त वर्ष 2014 से प्रति व्यक्ति जीडीपी 2.6 गुना बढ़ी है। तब से अब तक मुद्रास्फीति भी औसतन 4.6फीसदी रही है, जो यूपीए काल के 7.5फीसदी के आंकड़े से काफी बेहतर है।जीडीपी के हिस्से के रूप में पूंजीगत व्यय 2004-14 के दौरान 2फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 3.1फीसदी हो गया। उच्च विकास, मध्यम मुद्रास्फीति और सशक्त निवेश एक ऐसी अर्थव्यवस्था की ओर इशारा करते हैं, जो तेजी से मजबूती से बढ़ रही है।जहां तक निष्पक्षता का प्रश्न है तो भारत ने समानता और न्याय पर भी ध्यान केंद्रित किया है। मूल आयकर छूट 2014 में 2.5 लाख से बढ़कर 2025 में 12 लाख रुपए हो गई। संपत्ति कर के उन्मूलन और जीएसटी के कार्यान्वयन जैसे सुधारों ने कराधान को सरल बनाया है और औपचारिक अर्थव्यवस्था को व्यापक बनाया है।वित्त वर्ष 2025 तक जीएसटी संग्रह 16.75 लाख करोड़ रु. से अधिक हो गया। बुनियादी ढांचे में उछाल ने इस वृद्धि का समर्थन किया। राष्ट्रीय राजमार्ग 2014 में 91,287 किलोमीटर से बढ़कर 2025 में 1,46,204 किलोमीटर हो गए।अटल सुरंग और चिनाब पुल जैसी ऐतिहासिक परियोजनाएं पूरी हुईं। रेल पटरियों की संख्या दोगुनी से भी अधिक हो गई (2014-25 में 31,000 किमी बनाम पिछले दशक में 14,000 किमी) और पटरियों का विद्युतीकरण 21,000 किमी (2004-14) से बढ़कर 41,000 किमी (2014-25) हो गया।विश्व बैंक के अनुसार, भारत में 2011-12 में अत्यधिक गरीबी 27.1फीसदी से घटकर 2022-23 में 5.3फीसदी हो गई, जिससे 26.9 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकल पाए। 2014 से 2024 तक भारत में 17.19 करोड़ नौकरियां पैदा हुईं- जो उससे पिछले दशक की 2.9 करोड़ से कहीं ज्यादा हैं। बेरोजगारी दर 2017-18 में 6फीसदी से घटकर 2023-24 में 3.2फीसदी हो गई।अंत में मजबूती की बात करें तो आतंकवाद के प्रति भारत का जीरो-टॉलरेंस वाला दृष्टिकोण 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 के बालाकोट हवाई हमलों और 2025 के ऑपरेशन सिंदूर जैसी निर्णायक कार्रवाइयों में स्पष्ट था।भारत की वैश्विक छवि में उल्लेखनीय सुधार हुआ। 2023 में इसकी जी20 अध्यक्षता को व्यापक रूप से सराहा गया। सीमा पर बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी आई। पिछले पांच वर्षों में एलएसी पर उससे पूर्व के 25 वर्षों की तुलना में अधिक सड़कें और पुल बनाए गए, जिससे सुरक्षा और रणनीतिक गतिशीलता बढ़ी। भारत ने लंबा सफर तय किया है- 'भ्रष्टाचार में आसानी' से 'व्यापार में आसानी' तक। 'प्रो. गौरव वल्लभ' (ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारत को पाक से जोड़ना हमारा अपमान है

किसी खोटे सिक्के या अवांछित चीज की तरह 'हाइफन' शब्द यानी हमें पाकिस्तान से जोड़ने वाला विराम-चिह्न फिर से उभर आया है। इसकी वापसी इसलिए भयानक है क्योंकि तीन दशकों से हमारी यहां की सरकारें भारत और पाकिस्तान को एक ही तराजू से तौलने की बड़ी ताकतों (अमेरिका) की कोशिशों का प्रतिकार करती रही हैं। इससे तीन बातें उभरती हैं। पहली बात को हम 'जीरो-सम गेम' कह सकते हैं यानी वह खेल जिसमें एक को जितना लाभ होता है, दूसरे को उतनी ही हानि होती है। अमेरिका अगर उपमहादेश को इस रूप में देखता है तो उसे रिश्ते में संतुलन बनाकर चलना होगा। लेकिन भारत इस तुलना को नापसंद करता है। उसका मानना है कि भारत को पाकिस्तान से जोड़ना उसका अपमान है। दूसरी बात है 'हैसियत से इनकार'। भारत की 'व्यापक राष्ट्रीय शक्ति' (सीएनपी) में जिस तरह वृद्धि हो रही है, उसके कारण उसे यह मंजूर नहीं है कि अमेरिका इस क्षेत्र को भारत-पाकिस्तान के चश्मे से देखे। यह दोहरी परेशानी का कारण है क्योंकि चीन भारत की अहमियत को खारिज करने में जी-जान लगाकर जुटा हुआ है। भारत तो अमेरिका से यही उम्मीद करेगा कि इस होड़ में वह उसका साथ दे। इसलिए अमेरिका अगर पाकिस्तान के लिए अच्छी-अच्छी बातें कह रहा है तो यह उसके लिए कष्टदायक है। तब फिर, 'क्वाड' का क्या मतलब है? हम तो यह मान कर चल रहे थे कि चीन को घेरने की योजना में हम दोनों साझीदार हैं। और तीसरी बात है- मध्यस्थता की वापसी। भारतीय जनमत मानता है कि ट्रम्प ने हमारी तीन दशकों की मेहनत पर यह कहकर पानी फेर दिया है कि भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष-विराम उन्होंने ही करवाया है। हमें पता चल गया है कि उनकी दिलचस्पी मध्यस्थता में नहीं खुद श्रेय लेने में है। पाकिस्तान ऐसी बातों को लपक लेता है तो आप उसे दोष नहीं दे सकते। उसका मानना है कि इस क्षेत्र में ट्रम्प की नई दिलचस्पी परमाणु युद्ध के खतरे के कारण जगी है। इसलिए, वो सोचता है कि उसने दुनिया का ध्यान फिर से एटमी खतरे की ओर मोड़ दिया है, जबकि भारत आतंकवाद के खिलाफ ग्लोबल जंग के नाम पर साझेदारी बनाने की दशकों से कोशिश करता रहा है।

इस जादुई जोश के साकार रूप हैं बिलावल भुट्टो, जिन्होंने अपने अथक बड़बोलेपन में यह बयान दे दिया कि जरूरत पड़ी तो अमेरिका भारत को कान पकड़कर भी बातचीत की मेज तक खींच लाएगा। पाकिस्तानी सत्तातंत्र अमेरिका के साथ कमजोर हुए अपने रिश्ते को फिर से मजबूत करने के लिए जी-जान लगाकर जुटा हुआ है, यहां तक कि गुप्त बातें भी उजागर कर रहा है। लेकिन चुपके से ट्रम्प के करीब खिसक आने वाला हर शख्स अंत में यही गाना गुनगुनाने लगता है : 'इक बेवफा से प्यार कियाष्ठ हाय रे हमने ये क्या किया'। ये लेन-देन वाले ट्रम्प हैं, जो किसी के प्रति वफादार नहीं हैं। उनका पूरा ध्यान अपने घरेलू जनाधार पर है। अमेरिका का जो भी पार्टनर इसे कबूल नहीं करता उसे विश्वासघात और अपमान महसूस होगा। अच्छी बात यह है कि हमारे नीति-नियंता भावुकता के प्रदर्शन और चिंता की सार्वजनिक अभिव्यक्ति से बचते रहे हैं। वे फिलहाल जो महत्वपूर्ण है उस मसले को लेकर चुपचाप आगे बढ़ते रहे हैं। वह मसला है, भारत-अमेरिका व्यापार समझौता। अगर यह संपन्न हो जाता है तब काफी खलबली शांत हो जाएगी। वैसे भी, कोई नहीं कह रहा है कि भारत और पाकिस्तान को कश्मीर पर बात करनी चाहिए, या यह कि हम मध्यस्थता करने को तैयार हैं। मैं कह नहीं सकता कि ट्रम्प को इस तरह के किसी मसले की जानकारी है भी या नहीं। इसके अलावा, ट्रम्प पूरी दुनिया को इतिहास, तथ्यों और विचारधारा से मुक्त अपने नजरिए के अनुसार नया रूप दे रहे हैं। वे 'नाटो' को निरर्थक बना रहे हैं, पश्चिमी गठबंधन का मजाक बना रहे हैं, कनाडा के प्रधानमंत्रियों को लगातार अपमानित करते रहे हैं और नेतन्याहू के प्रति अधीरता का प्रदर्शन कर रहे हैं। वे जेलेंस्की को अपमानित करते हैं और पुतिन की प्रशंसा करते हैं। उनसे यह अपेक्षा हकीकत से परे होगी कि वे हमें पाकिस्तान से अलग माने जाने के हमारे आग्रह से अवगत भी होंगे या उसकी उन्हें परवाह भी होगी। मोदी सरकार ने सोशल मीडिया पर हो रहे शोर-शराबे के प्रति फिलहाल जो रवैया अपनाया है, वह बुद्धिमानी भरा है। अमेरिकी उप-विदेश मंत्री पद के लिए नामजद पॉल कपूर ने अपनी नियुक्ति के बारे में फैसला करने वाली कमेटी के सामने जो बयान दिया, भारत को उस पर कोई आपत्ति नहीं हुई। लेकिन उनके इस एक वाक्य ने भारत में कई लोगों को नाराज कर दिया कि जब भी अमेरिका के हित के लिए जरूरी होगा, वे पाकिस्तान के साथ मिलकर काम करेंगे। और, सेंटकॉम कमांडर जनरल माइकल कुरिल्ला ने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ जंग में बड़ा सहयोगी जो बताया, वह पेंटागन द्वारा किए गए भू-रणनीतिक विभाजन का परिणाम है, जिसके तहत सेंटकॉम पाकिस्तान और भारत को पैसिफिक कमांड के अंदर मानता है। आप किसी भी क्राइम रिपोर्टर से पूछ लीजिए, वह यही बताएगा कि पुलिस के किसी थाने के एसएचओ की पहली चिंता यही होती है कि उसके इलाके में अपराध न हों, चाहे इसके लिए बदमाशों से सौदा ही क्यों न करना पड़े। लेकिन पैसिफिक कमांड के प्रमुख से आपको अलग जवाब मिल सकता है। इससे भी बढ़कर, हमारे टीवी समाचार चैनलों की अफवाह फैक्ट्री ने अपनी एक कहानी गढ़ डाली कि पाकिस्तान के नवनियुक्त फील्ड मार्शल को अमेरिकी आर्मी डे परेड के लिए आमंत्रित किया गया था। गनीमत है कि हमें व्हाइट हाउस के इस बयान पर जनता की प्रतिक्रिया का सामना नहीं करना पड़ा कि अमेरिका ऐसे किसी मेहमान को न्योता नहीं भेज रहा है। भारतीय जनमत पर इस तरह की तुनकमिजाजी हावी रहती है, जो 'हमें यह अकेले करना है' वाले जुनून को पसंद करती है। अमेरिका इस क्षेत्र को भारत- पाक चश्मे से नहीं देखे... भारत इस तुलना को नापसंद करता है। उसका मानना है कि भारत को पाकिस्तान से जोड़ना उसका अपमान है। भारत की राष्ट्रीय शक्ति में जिस तरह से लगातार बढ़ोतरी हो रही है, उसके कारण उसे यह मंजूर नहीं है कि अमेरिका इस क्षेत्र को भारत-पाकिस्तान के चश्मे से देखे। (ये लेखक के अपने विचार हैं) 'शेखर गुप्ता'

हाल ही में मेरे एक दोस्त ने अपने काम से 10 महीने का ब्रेक लिया, कुछ वेतन के साथ और कुछ बिना वेतन के, क्योंकि वो अपने पांच साल के बेटे को कोचिंग दे रहा है और उसे 'रेडशर्टिंग' के लिए प्रोत्साहित किया है। बच्चे की मां ने भी उसके जन्म के समय एक साल की छुट्टी ली थी और अब उसके पांच वर्ष के होने पर पिता ने ली है, क्योंकि उसे लगता है बेटा औपचारिक शिक्षा के जगत में अब दूसरा जन्म लेने जा रहा है।विकसित देशों में कुछ माता-पिता औपचारिक स्कूलिंग शुरू होने से पहले बेटियों को नहीं, बेटों को 'रेडशर्टिंग' कराते हैं। चलिए, 'रेडशर्टिंग' समझने से पहले जानते हैं कि माता-पिता ऐसा क्यों करते हैं? वहां हुए शोध में बताया कि लड़कियों की तुलना में लड़के अकादमिक-व्यवहारिक तौर पर कम तैयारी के साथ किंडरगार्टन (केजी) की शुरुआत करते हैं।ये उनके दीर्घकालीन प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। क्या आपको वो खबरें याद आ रही हैं जिनमें लिखा होता है, 'लड़कियों ने लड़कों को मात दी?' जी हां, आप सही सोच रहे हैं। इसलिए इन विकसित देशों में बेटे व बेटियों के बीच इस अंतर को पाटने के लिए माता-पिता ने बेटों की 'रेडशर्टिंग' शुरू की। इसका मतलब है कि बेटे, बेटियों की तुलना में एक साल बाद स्कूल शुरू करते हैं। अब मैं आपको ये कहते सुन सकता हूं कि 'ओके, एक साल देरी से शुरू करना समझ आता है, पर ये 'रेडशर्टिंग' है क्या?धैर्य रखिए, 'रेडशर्टिंग' शब्द स्पोर्ट्स इंडस्ट्री में अधिक लोकप्रिय है। कॉलेज खेलों में 'रेडशर्टिंग' का अर्थ है कि एथलीट छात्र आधिकारिक खेलों में अपनी भागीदारी एक सीजन टालता है, ताकि उसे अपने कौशल में विकास व अकादमिक स्थिति में सुधार के लिए अतिरिक्त समय मिल सके, फिर भी पूरे 4 वर्ष तक खेलने की पात्रता बरकरार रहे।मैल्कम ग्लेडविल ने 2008 की पुस्तक 'आउटलायर्स' में इस शब्द को लोकप्रिय किया, जिसमें लिखा गया कि पेशेवर एथलीट अक्सर कॉलेज में अपनी कक्षा के लिहाज से उम्र में बड़े होते थे। फिर 2022 में रिचर्ड वी रीव्स ने पुस्तक 'ऑफ बॉय एंड मैनः व्हाय द मॉडर्न मेल इज स्ट्रगलिंग' में इस विषय का जिक्र किया।इसने युवा पैरेन्ट्स के बीच लोकप्रियता पाई, क्योंकि शिक्षा में भी बदलाव आ रहे थे। माता-पिता ने पहले प्रतिस्पर्धी होना शुरू किया कि बच्चे ने कितने अंक पाए, बजाय इसके कि कितना ज्ञान सीखा। दूसरा, स्कूलों ने बच्चों को परीक्षा के लिए तैयार करने पर अधिक समय देना शुरू किया और खेल के जरिए सीखने व अन्य बातों पर कम समय देने लगे। आखिरकार, वे परिपक्व दिमाग चाहते थे।सभी जानते हैं कि लड़के थोड़ा देर से मैच्योर होते हैं। लड़कों की तुलना में लड़कियां करीब 18 महीने पहले यौवन में कदम रखती हैं, जिससे उनमें समय प्रबंधन-आत्मनियंत्रण जैसे कार्यकारी कौशल लड़कों से पहले आ जाते हैं। केजी में देखा गया ये कथित अंतर हाई स्कूल तक जारी रहता है, इसीलिए दुनिभाभर में लड़कों की कॉलेज जाने की दर कम है।इसी से अमेरिका जैसे देशों में 'रेडशर्टिंग' का आइडिया आया। अमेरिका में 40 हजार विद्यार्थियों पर हुए शोध में सामने आया कि वे जितने युवा थे, उनमें ध्यान संबंधी विकार उतना ही अधिक था। ब्रिटेन में 10 लाख बच्चों पर किए अध्ययन में भी यही पैटर्न दिखा, तब उन्होंने कहा कि जब बच्चा औपचारिक शिक्षा में प्रवेश कर रहा हो तो 'आयु मायने रखती है।'उन्हें ये भी महसूस हुआ कि स्कूल में प्रवेश में देरी का ये मतलब नहीं कि लड़का समय बर्बाद करेगा। यदि आप बेटे को 'रेडशर्टिंग' कराने की योजना बना रहे हैं तो एक चेतावनी है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यदि 'रेडशर्टिंग' का अतिरिक्त वर्ष कम समृद्ध वातावरण में बिताया तो उसके संभावित लाभ नहीं मिल सकते। मतलब बच्चे को समाज के विभिन्न पहलुओं से रूबरू कराने की जरूरत है, जिससे उनकी सोचने-समझने की क्षमता मजबूत हो सके। यही बिल्कुल वैसा है, जैसा न्यूज़ीलैंड का मेरा मित्र कर रहा है।फंडा यह है कि यदि आपको लगता है कि आपका बेटा औपचारिक शिक्षा में अंक लाने की रेस में शामिल होने को तैयार नहीं है, तो क्या आप उसे 'रेडशर्टिंग' करने के लिए मानसिक तौर पर तैयार होंगे? इस विचार पर आपका क्या कहना है, मेरे साथ साझा करें।

'यूज-एंड-थ्रो' की संस्कृति से कचरा और बढ़ता जा रहा है

बीते करीब 50 सालों में दुनिया ने दीर्घजीवी और कभी ना नष्ट होने वाली ऐसी चीजों की भयावह समस्या के बारे में जाना है, जो कभी चमत्कारिक मानी जाती थीं। डीडीटी को ही ले लीजिए, जो पर्यावरण में इतने लंबे समय तक बना रहता है कि वह मनुष्य के रक्त और पक्षियों के अंडों तक में भी इकट्ठा होने लगता है। या फिर क्लोराफ्यूरोकार्बन जैसे रसायन, जिन्होंने सच में ही ओजोन पर्त में छेद कर दिया है।इनसे भी बदतर कार्बन डाइ ऑक्साइड है, जो 150 से 200 वर्षों तक पर्यावरण में बनी रहती है और जलवायु परिवर्तन के तौर पर इसके विनाशकारी परिणाम सामने आ रहे हैं। प्लास्टिक को भी इसी श्रेणी में रखा जाना चाहिए।यह हमारे रोजमर्रा के जीवन का अनिवार्य अंग बन गया है, लेकिन अब वह हमारे पर्यावरण के लिए एक बड़ी मुसीबत बन चुका है। प्लास्टिक-कचरा समुद्रों को प्रदूषित कर रहा है और मछलियों के जरिए खाद्य शृंखला में भी प्रवेश कर गया है।भारत में पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने सिंगल यूज प्लास्टिक के तौर पर चिह्नित 19 वस्तुओं को प्रतिबंधित किया है। पैकेजिंग मैटेरियल समेत अन्य प्लास्टिक कचरे को एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पांसिबिलिटी (ईपीआर) नियमों के अधीन लाया गया है, जिसके तहत कंपनियों को उनके द्वारा नि?र्मित प्लास्टिक कचरे की एक नियत मात्रा को वापस लेना होता है। हर कंपनी इसे या तो री-प्रोसेस करती है या इसे सुरक्षित तरीके से नष्ट करती है। इसके जरिए यह आशा की जाती है कि हमारी नदियों, सड़कों पर भर रहे इस प्लास्टिक का प्रबंधन बेहतर हो पाएगा।लेकिन नियम-कायदे उस तरह से कारगर नहीं हो रहे, जैसे उनको होना चाहिए। सिंगल यूज प्लास्टिक अब भी उपलब्ध है। प्रतिबंधित कैरी-बैग्स की मोटाई को लेकर भारी असमंजस है। अधिकतर सिंगल यूज प्लास्टिक आइटम छोटे और अनौपचारिक क्षेत्र में तैयार हो रहे हैं, ऐसे में इन पर प्रतिबंधों को अमल में लाना चुनौती भरा है। पारदर्शिता और अनुपालन के अभाव में ईपीआर व्यवस्था कमजोर हो गई है।यहां अच्छी खबर भी है। कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने प्लास्टिक कैरी-बैग्स के उपयोग पर रोक लगाई है। कई शहरों में गीले-सूखे कचरे को अलग-अलग संग्रहीत करना शुरू किया गया है, ताकि प्लास्टिक समेत अन्य सूखे कचरे को री-प्रोसेस्ड किया जा सके।ये निकाय या तो मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) बना रहे हैं, जहां री-साइकल हो सकने वाले प्लास्टिक को छांटकर कचरे से अलग किया जा सके। या वे कचरे से इस 'मूल्यवान' हिस्से को निकालने के लिए सीधे अनौपचारिक क्षेत्र के साथ काम कर रहे हैं। री-साइकल नहीं हो सकने वाले प्लास्टिक कचरे को सीमेंट प्लांट की भट्टियों में थर्मल ट्रीटमेंट के लिए भेज दिया जाता है या सड़क निर्माण में इसे काम में ले लिया जाता है।लेकिन अब भी बहुत चुनौतियां हैं। सब जानते हैं कि जिसे इकट्ठा करना ही मुश्किल है, उसे रीसाइकल करने के लिए नहीं भेजा जा सकता। इसीलिए 2016 के प्लास्टिक प्रबंधन नियमों में अनिवार्य किया गया कि गुटखा और चिप्स की पैकिंग में काम आने वाले प्लास्टिक समेत सभी प्रकार के बहुस्तरीय प्लास्टिक को 2018 तक चरणबद्ध तरीके से उपयोग से बाहर किया जाए।लेकिन बाद में नियमों में संशोधन कर कह दिया गया कि ऐसा तभी किया जाएगा, जब बहुस्तरीय प्लास्टिक रीसाइकल करने और फिर से ऊर्जा प्राप्त करने योग्य नहीं होगा। जबकि कचरे और लैंडफिल्स में मिलने वाले इस प्लास्टिक का कोई मोल नहीं और इसे एकत्र करना और री-प्रोसेस करना मुश्किल है।हमें यह भी समझना होगा कि आज यदि हम प्लास्टिक कचरा प्रबंधन कर पा रहे हैं तो यह अनौपचारिक क्षेत्र के उन लाखों मजदूरों की बदौलत है, जो हमारी फेंकी चीजों में से भी अपने लिए मूल्य निकाल पा रहे हैं। हमें हमारे कचरे के प्रति जिम्मेदार होना पड़ेगा। यूज-एंड-थ्रो के बजाय, जिम्मेदारी से उपयोग करें। प्लास्टिक का उपयोग कम से कम हो, कचरे को अलग-अलग संग्रहीत किया जाए और रीसाइकलर्स को सहयोग किया जाए। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

ऐसी सफलता अर्जित करो जो कुसंग से मुक्त हो

जश्न और भीड़ का पुराना नाता है। फिर भीड़ बेकाबू हो जाती है। दरअसल, भीड़ बेकाबू हो नहीं जाती, भीड़ बेकाबू ही होती है। इससे दुर्घटनाएं होती हैं। पिछले दिनों हमारे देश ने ऐसी ही एक दुर्घटना में युवा वर्ग को बड़ी संख्या में खो दिया। जैसे विचारों की भीड़ एकाग्रता की शक्ति को खत्म करती है, ऐसे ही लोगों की भीड़ जीवन की शांति को भंग करती है। अगर हम अपने बच्चों की बात करें तो उन्हें स्वतंत्रता तो दें, पर भीड़ का हिस्सा न बनाएं। उन्हें मानसिक स्वास्थ्य के लिए जागरूक करें, क्योंकि वो अकेलेपन और कुसंग के शिकार हैं। देश के 70फीसदी युवा सोशल मीडिया पर समय बिता रहे हैं। जो समय बचता है, उसमें वो या तो कुसंग करते हैं, या भीड़ का हिस्सा बन जाते हैं।हमें बच्चों को बताना पड़ेगा कि भीड़ अब सुरक्षित नहीं रही। लोगों की वृत्ति में आक्रामकता आ गई है। धक्का देकर, रौंदकर आगे बढ़ने की तासीर हो गई है लोगों की। ऐसे में ऐसी दुर्घटनाएं होंगी। तो हम अपने बच्चों की रुचि से ज्यादा उनकी योग्यता पर काम करें। उनको आभास कराएं कि जीवन में ऐसी सफलता अर्जित करो, जो कुसंग से मुक्त हो।'पं. विजयशंकर मेहता'

ट्रंप के साथ पाक फील्ड मार्शल असीम मुनीर करेंगे लंच, कांग्रेस ने जमकर साधा निशाना

नयी दिल्ली। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने भी पाक जनरल की अमेरिका यात्रा का जिक्र करते हुए कहा, 'फील्ड मार्शल असीम मुनीर, यह वही शख्स है जिसकी भड़काऊ, और उत्तेजक टिप्पणी सीधे 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमलों से जुड़ी हुई थी, आज व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप के साथ लंच कर रहा है.पाकिस्तानी सेना के प्रमुख आसिम मुनीर का अमेरिका दौरा भारत में लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है. मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस मुनीर के यूएस दौरे और वहां पर ट्रंप प्रशासन की ओर से उन्हें सम्मान दिए जाने को लेकर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर हमलावर है. राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से आज बुधवार को जनरल मुनीर को लंच पर बुलाए जाने पर कांग्रेस ने कहा कि अब यह खबर सच हो गई है, पहले इस बारे में झूठी खबर फैलाई गई थी. जयराम रमेश ने भी इस लंच को लेकर निशाना साधा है.कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप और जनरल मुनीर के बीच लंच को लेकर टिप्पणी करते हुए कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप जनरल असीम मुनीर को लंच के लिए आमंत्रित कर रहे हैं. यह न केवल भक्त ब्रिगेड, एक धोखेबाज सत्ता के दलाल, जिसके इतिहास का ज्ञान उस माचिस के डिब्बे के पीछे लिखा जा सकता है जिसका उपयोग वह गांजा पीने के लिए करता है. बल्कि कई एंकरों ने भी मेरे पार्टी के सहयोगियों को ट्रोल किया था, और उन पर जनरल असीम मुनीर के अमेरिका में होने के बारे में झूठी खबर फैलाने का आरोप लगाया था.'कांग्रेस पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने भी पाकिस्तानी जनरल आसिम मुनीर की अमेरिका यात्रा का जिक्र करते हुए कहा, 'फील्ड मार्शल असीम मुनीर, यह वही शख्स है जिसकी भड़काऊ, और उत्तेजक टिप्पणी सीधे 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमलों से जुड़ी हुई थी, आज व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप के साथ लंच कर रहा है. क्या यही वजह है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने एक दिन पहले ही जी7 शिखर सम्मेलन छोड़ दिया और पीएम नरेंद्र मोदी को गले लगाने से मना कर दिया?'इससे पहले कल भी जयराम रमेश ने कहा था, 'प्रधानमंत्री के लिए ढोल पीटने वाले और बीजेपी की ट्रोल आर्मी के लिए अब इसे नकारना संभव नहीं रह गया है. जिस व्यक्ति के भड़काऊ, उकसावे भरे, और आपत्तिजनक बयानों का सीधा संबंध पहलगाम आतंकी हमलों से था, वह अब आधिकारिक रूप से वॉशिंगटन डीसी में मौजूद है.' उन्होंने इस मसले पर सवाल भी किया, 'फिर से वही सवाल दोहराया जा रहा है, जो हमने पहले भी उठाया था, आखिर अमेरिका क्या करना चाह रहा है, जो जनरल आसिम मुनीर को इस तरह से अपने यहां बुला रहा है? पीएम (मोदी) और विदेश मंत्री (जयशंकर) पाकिस्तान को लेकर अमेरिका के बेहद आपत्तिजनक रवैए पर अब तक चुप क्यों हैं?'

बीती रात ईरान ने अपने झोले से निकाली ये सबसे खतरनाक मिसाइल, इजराइल के खात्मे का ऐलान

नयी दिल्ली। ईरान ने इजराइल पर फतेह हाइपरसोनिक मिसाइलों से हमला कर इजराइली एयर डिफेंस को भेदने का दावा किया है. इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने इस ऑपरेशन को टर्निंग पॉइंट बताया है. फतेह मिसाइल को 2023 में ईरान की सेना में शामिल किया गया था. इसकी रेंज 1400 किमी है.इजराइल के खिलाफ जंग में ईरान ने बुधवार को अपने पिटारे से फतेह मिसाइल निकाली. इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने घोषणा की है कि ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 3 में फतेह हाइपरसोनिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया. आईआरजीसी ने कहा कि मिसाइल ने इजराइल एयर डिफेंस को सफलतापूर्वक भेद दिया और उसके समर्थकों को संदेश दिया.आईआरजीसी ने ऑपरेशन को टर्निंग प्वाइंट बताते हुए कहा कि फतेह मिसाइल की तैनाती ने इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम के अंत की शुरुआत कर दी है. आईआरजीसी ने आगे कहा कि शक्तिशाली और अत्यधिक गतिशील फतेह मिसाइलों ने इजराइल के ठिकानों को हिला दिया, जिससे तेल अवीव के सहयोगियों को ईरान की ताकत का स्पष्ट संदेश गया.बयान में इस बात पर जोर दिया गया कि मिसाइल हमले से यह साबित हो गया है कि ईरान अब कब्जे वाले क्षेत्रों के आसमान पर पूर्ण प्रभुत्व रखता है और इजराइल के लोग ईरान के सटीक हमलों के सामने पूरी तरह से असहाय हैं.फतेह का अर्थ है खोलने वाला है. ये वो मिसाइल है जिसकी सीमा 1400 किमी है. इसे जून 2023 में ईरान की सेना में शामिल किया गया था.आईआरजीसी के पूर्व एयरोस्पेस कमांडर ब्रिगेडियर जनरल आमिर अली हाजीजादेह ने 2023 में इसके अनावरण समारोह में मिसाइल को एक बड़ी छलांग बताया था. ईरान से पहले सिर्फ तीन देशों ने ऑपरेशनल हाइपरसोनिक मिसाइल बनाने की तकनीक में महारत हासिल की थी.

इसमें रूस, चीन और भारत शामिल है. उनके मॉडल लॉन्च प्लैटफ़ॉर्म, रेंज, पेलोड और हाइपरसोनिक तकनीक में अलग-अलग हैं. न्यू यॉर्क टाइम्स के मुताबिक, ईरान ने 1 अक्टूबर, 2024 को भी इजराइल पर हमले में इस मिसाइल का इस्तेमाल किया था. ये हाइपरसॉनिक मिडियम रेंज बैलिस्टिक मिसाइल है. इसका वजन 350 किलोग्राम से 450 किलोग्राम के बीच है. 12 मीटर लंबी मिसाइल 200 किलोग्राम विस्फोटक तक ले जा सकती है.इजराइल और ईरान के बीच जंग तेज होती जा रही है. इजराइल ने दावा किया कि उसने ईरान के एक शीर्ष जनरल को मार गिराया है. वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान के नागरिकों को शहर खाली करने की चेतावनी दी और ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग की. ट्रंप ने कहा, मैं युद्ध विराम की उम्मीद नहीं कर रहा हूं. हम युद्ध विराम से बेहतर की उम्मीद कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि अमेरिका संघर्ष का वास्तविक अंत देखना चाहता है जिसमें ईरान का 'पूरी तरह से आत्मसमर्पण' शामिल हो सकता है. उन्होंने आगे कहा, मैं बातचीत करने के मूड में नहीं हूं. इस बीच, इजराइल ने ईरान के एक और शीर्ष सैन्य अधिकारी जनरल अली शादमानी को मार गिराने का दावा किया है. इससे पहले भी एक वरिष्ठ जनरल, गुलाम अली राशिद, इजराइली हमले में मारे जा चुके हैं.

अब रेयर अर्थ मेटल भी होगा मेड-इन-इंडिया! माइनिंग से रिसर्च तक बनेगा स्वदेशी सिस्टम

नयी दिल्ली। रेयर अर्थ मटेरियल पर चीन की दादागिरी अब भारत के लिए एक चेतावनी नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बनने का अवसर बन चुकी है. जिस चाल से चीन दुनिया की टेक्नोलॉजी और रक्षा सप्लाई चेन को अपने नियंत्रण में लेने की कोशिश कर रहा है, उसी का जवाब भारत ने आक्रामक और रणनीतिक योजना से दिया है.जिस जाल में चीन दुनिया को फंसाना चाहता है, उसी जाल को भारत ने अब अपनी ताकत और रणनीति से तोड़ने की ठान ली है चीन जहां दुनिया की टेक्नोलॉजी और रक्षा सप्लाई चेन पर शिकंजा कसना चाहता है, वहीं भारत ने झुकने की बजाय सीधा मुकाबला करने का रास्ता चुना है वो भी पूरी तैयारी और आत्मनिर्भरता के संकल्प के साथ. दरअसल, रेयर अर्थ मटेरियल पर चीन की दादागिरी अब भारत के लिए एक चेतावनी नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बनने का अवसर बन चुकी है. जिस चाल से चीन दुनिया की टेक्नोलॉजी और रक्षा सप्लाई चेन को अपने नियंत्रण में लेने की कोशिश कर रहा है, उसी का जवाब भारत ने आक्रामक और रणनीतिक योजना से दिया है.मंगलवार को केंद्र सरकार ने इस मुद्दे पर एक उच्चस्तरीय अंतर-मंत्रालयीय बैठक की. इस बैठक में भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी और कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी मौजूद रहे. दोनों मंत्रियों ने बताया कि भारत अब सिर्फ खनन ही नहीं, बल्कि रिसर्च से लेकर प्रोसेसिंग और उपयोग तक की पूरी वैल्यू चेन खुद देश में खड़ी करेगा.बैठक में भारी उद्योग, इस्पात, खान, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के साथ-साथ परमाणु ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे. इस समन्वित प्रयास का मकसद है भारत को इलेक्ट्रिक वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा निर्माण के लिए आवश्यक रियर अर्थ एलिमेंट्स (आरईईएस) में पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाना.बैठक में नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन को लागू करने पर खास ज़ोर दिया गया. यह मिशन भारत को रणनीतिक खनिजों के मामले में वैश्विक मंच पर आत्मनिर्भर बनाएगा. मंत्रियों ने कहा कि सरकार अब मल्टी-मिनिस्ट्री कोऑर्डिनेशन के ज़रिए माइनिंग से लेकर फाइनल प्रोडक्ट तक हर कड़ी को मजबूत करने में जुटी है.खनन मंत्री किशन रेड्डी ने कहा कि भारत सरकार अब माइनिंग, रिफाइनिंग, मैग्नेट निर्माण और अंतिम उपयोग तक की पूरी सप्लाई चेन देश में ही खड़ी करेगी. यह कदम भारत को चीन के विकल्प के रूप में स्थापित कर सकता है, खासतौर पर तब, जब वैश्विक स्तर पर चीन की भूमिका को लेकर संशय बढ़ रहा है.इस बीच खबर है कि चीन भारत की ऑटोमोटिव इंडस्ट्री के साथ रेयर अर्थ पर होने वाली बातचीत को जानबूझकर टाल रहा है. पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय प्रतिनिधिमंडल के करीब 50 सदस्यों को चीन ने वीजा तो दे दिया है, लेकिन बैठक की तारीख अब तक तय नहीं की गई है. यह चीन की रणनीति को दर्शाता है, जो भारत की ग्रोथ को धीमा करना चाहता है.रेयर अर्थ का कहां होता है इस्तेमाल- ईवी मोटर्स और बैटरियों में पावर स्टीयरिंग सिस्टम डिफेंस और सैटेलाइट टेक्नोलॉजी में, विंड टर्बाइंस और सोलर पैनल में विशेष रूप से Neodymium-Iron-Boron मैग्नेट्स का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों की मोटर और अन्य ऑटोमोटिव उपकरणों में होता है. इनकी मांग लगातार बढ़ रही है, और यही कारण है कि भारत अब इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए पूरी ताकत झोंक रहा है. रेयर अर्थ मटेरियल पर भारत का यह नया आत्मनिर्भरता अभियान न केवल चीन की दबाव नीति का जवाब है, बल्कि यह नई तकनीकी क्रांति में भारत की निर्णायक भागीदारी का संकेत भी है. आने वाले समय में भारत सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि रेयर अर्थ मटेरियल का निर्माता और निर्यातक बन सकता है।

खामेनेई बोले- जंग शुरू, ट्रम्प ने कहा हमें पता सुप्रीम लीडर कहा छिपा, क्या अब बंकर बम गिराएगा अमेरिका

नयी दिल्ली। अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प 37 समिट बीच में ही छोड़कर कनाडा से अमेरिका पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा, 'मैं सीजफायर के लिए नहीं लौट रहा। बात उससे कहीं बड़ी है। ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते।' ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने कहा कि हैदर के नाम पर जंग शुरू। ट्रम्प बोले- हमें पता सुप्रीम लीडर कहां छिपा। इधर इजराइली झ्ह नेतन्याहू ने कहा कि खामेनेई की हत्या से जंग खत्म होगी।राष्ट्रपति ट्रम्प 37 की बैठक से अचानक अमेरिका क्यों लौट गए?इस बारे में कोई औपचारिक बयान और घोषणा तो नहीं की गई है, लेकिन जिस तरह ट्रम्प ने सोमवार को ईरान के लोगों से तेहरान खाली करने और इससे कुछ घंटे पहले इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई को मारने से जुड़ा बयान दिया, एक्सपर्ट्स का मानना है कि इजराइल अमेरिका के साथ मिलकर कुछ बड़ा करने जा रहा है। ऐसा होने की 3 संभावनाएं हैं- ईरान की नतांज परमाणु लैबोरेटरी पर एमओपीबी यानी मैसिव ऑर्डनेंस पेनिट्रेटर बम के जरिए बड़ा हमला करना। एमओपीबी को बोलचाल की भाषा में 'बंकर बस्टर बम' कहा जाता है। ईरान की फोर्दो परमाणु लैबोरेटरी को इसी एमओपीबी से तबाह करना। ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई के बंकर पर हमला कर उनकी सत्ता खत्म करना, ताकि सत्ता में बदलाव के जरिए ईरान के परमाणु प्रोग्राम को रोका जा सके।हालांकि ट्रम्प ने मंगलवार रात अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर 3 पोस्ट किए। इसमें उन्होंने लिखा, 'अब ईरान के आसमान पर हमारा पूरा कंट्रोल है। हम अच्छे से जानते हैं कि सुप्रीम लीडर कहां छिपा है। उस तक पहुंचना बहुत आसान है, लेकिन हम उसे मारेंगे नहीं। कम से कम अभी तो नहीं।'

केंद्रीय कर्मचारियों को इलाज मिलना और आसान हुआ,(सीजीएचएस) सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम में 5 बड़े बदलाव,लाइन में लगने की जरूरत नहीं

नयी दिल्ली। अगर आप या आपके परिवार में कोई सीजीएचएस (सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम) का लाभार्थी है, तो अब योजना के तहत इलाज करना और आसान हो गया है। केंद्र सरकार ने सीजीएचएस को पूरी तरह डिजिटल और ज्यादा सुविधाजनक बनाने के लिए 2025 में 5 बड़े बदलाव किए हैं। नए बदलावों के बाद इलाज के लिए लाइन में लगने, पेमेंट स्लिप ले जाने या बार-बार डॉक्यूमेंट दिखाने की जरूरत नहीं होगी।स्वास्थ्य मंत्रालय ने नया एचएमआईएस पोर्टल (www.cghs.mohfw.gov.in) और 'माय सीजीएचएस' मोबाइल एप लॉन्च किया है। इससे आप घर बैठे अपॉइंटमेंट बुकिंग, ई-कार्ड डाउनलोड, मेडिकल रिपोर्ट्स देखना जैसी सुविधा का लाभ अपने मोबाइल पर ले सकते हैं।अब लाभार्थी को पैन कार्ड से लिंक्ड यूनिक सीजीएचएस आईडी मिलेगी, जिससे धोखाधड़ी की संभावना खत्म होगी और परिवार के सभी रिकॉर्ड एक जगह मिलेंगे। पहले हर बार कार्ड रिन्यू के लिए पुराने डॉक्यूमेंट दिखाने पड़ते थे, नई आईडी बार-बार डॉक्यूमेंट दिखाने की जरूरत नहीं होगी। अब सीजीएचएस की फीस या रिन्यूअल सिर्फ नए एचएमआईएस पोर्टल पर ही होगी। पुराना Bharatkosh पोर्टल बंद कर दिया गया है। इससे पेमेंट के तुरंत बाद वेरिफिकेशन होगा। पेमेंट के बाद सीजीएचएस ऑफिस में स्लिप ले जाने की जरूरत नहीं होगी।नए बदलावों में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, सीपीएपी, बीआईपीएपि जैसी जरूरी मशीनों के लिए ऑनलाइन आवेदन और मंजूरी की सुविधा शुरू हुई है। पहले इसकी मंजूरी के लिए वेलनेस सेंटर जाकर कई बार आवेदन देना पड़ता था। अब 20 दिन की जगह 5 दिन में मंजूरी मिल सकती है।अब सीजीएचएस से जुड़ा कोई भी काम हो चाहे आवेदन किया हो, मंजूरी मिली हो या पेमेंट वेरिफाई हुई हो हर स्टेप की जानकारी आपको एसएमएस और ईमेल से मिल जाएगी। इसके बाद आपको बार-बार कॉल या सीजीएचएस दफ्तर जाकर पूछने की जरूरत नहीं।नए एचएमआईएस पोर्टल पर लॉगिन करें और पैन लिंक करें। मोबाइल ऐप डाउनलोड करें। एसएमएस/ईमेल अलर्ट ऑन करें। जरूरत हो तो मेडिकल डिवाइस के लिए ऑनलाइन आवेदन करें।

आप भी हैं छिपकलियों से परेशान? इन 5 कारणों से घर में आती हैं छिपकलियां, भगाने के लिए अपनाएं 10 उपाय

नयी दिल्ली। हमारे घर-परिवार में कई लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें छिपकली से डर लगता है। इस डर को हर्पेटोफोबिया कहा जाता है। हर्पेटोफोबिया में लोगों को छिपकली और सांप जैसे रेप्टाइल्स से डर लगता है। हर्पेटोफोबिया से पीड़ित लोगों को छिपकली देखने पर डर, चिंता और घबराहट महसूस होती है। कई लोगों को छिपकली देखकर घिन आती है। हालांकि, छिपकली हर रोज ही हमें घर की दीवारों और छत पर रेंगती हुई दिख जाती है। छिपकली देखते ही हम कई बार डर के मारे चिल्लाने लगते हैं, कमरा छोड़कर भाग जाते हैं और घंटों अंदर नहीं आते हैं। हालांकि, क्या आपने कभी छिपकलियों से छुटकारा पाने के बारे में सोचा है?छोटे कीट-पतंगे, कॉकरोच और दूसरे छोटे कीड़े-मकोड़े छिपकलियों का भोजन होते हैं। ये कीड़े रोशनी देखकर घर में आ जाते हैं। इसलिए छिपकलियां इनकी तलाश में हमारे घर में आ जाती हैं। साथ ही कुछ अन्य कारण भी होते हैं। आइए इन्हें ग्राफिक के जरिए समझते हैं।छिपकलियां मच्छर, कॉकरोच, मक्खी, दीमक और छोटी मकड़ियों को खाकर घर में इनकी संख्या बढ़ने से रोकती हैं। यानी घर में नेचुरल तरीके से कीट कंट्रोल का काम करती हैं। घर में कीट-पतंगे आने से कई सारी समस्याएं हो सकती हैं। कुछ कीड़ों के स्किन पर चलने से स्किन पर घाव सा बन जाता है, जलन होने लगती है। वहीं कई कीड़े बीमारियों की वजह बनते हैं। ऐसे में छिपकलियां इन्हें खाकर आपके स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने में मदद करती हैं। जहां छिपकलियां होती हैं, वहां कीट-पतंगे कम दिखाई देते हैं। इससे केमिकल स्प्रे और कीटनाशकों के इस्तेमाल की जरूरत बहुत कम या नहीं पड़ती है। ऐसे में हम केमिकलयुक्त पेस्ट कंट्रोल के इस्तेमाल करने से बच जाते हैं, जो हेल्थ और पर्यावरण के लिए नुकसानदायक होते हैं।हालांकि छिपकलियों की संख्या बहुत अधिक हो जाए तो दीवारों और जमीन पर इनकी गंदगी की वजह से दाग-धब्बे दिखने लगते हैं। साथ ही जिन लोगों में इनसे फोबिया है वे घर में डरे हुए रह सकते हैं।कई बार इनकी संख्या ज्यादा होने पर ये लड़ती हुई दिखाई देती हैं और बिस्तर, टेबल पर गिर जाती हैं। ऐसे में इनकी संख्या को कंट्रोल करना जरूरी है।प्रजनन के लिए छिपकलियां अंडे देने के लिए या साथी की तलाश में घर में आ सकती हैं। वे प्रजनन के लिए घर को सुरक्षित स्थान समझती हैं। घर में उनके अंडे सांप जैसे जीव-जंतुओं से सुरक्षित होते हैं। छिपकलियों को घर से भगाना एक मुश्किल काम है। खासतौर से तब, जब आपको उनसे डर लगता हो। ऐसे में कुछ तरीके अपनाकर आप इन्हें घर से भगा सकते हैं।पुदीना और नींबू पुदीना और नींबू की तेज गंध छिपकलियों को पसंद नहीं होती है। ऐसे में पुदीने और नींबू का रस पानी में मिलाकर उन जगहों पर स्प्रे करें जहां छिपकलियां अक्सर दिखती हैं। जैसे दीवारों के कोने, खिड़की के फ्रेम या लाइट के पास। नियमित स्प्रे करने से छिपकलियां इन जगहों से दूर रहने लगती हैं। प्याज और लहसुन हममें से कई लोगों को प्याज और लहसुन की गंध पसंद नहीं होती है। यह गंध छिपकलियों को भी पसंद नहीं आती है। आप इसे कूंचकर या काटकर छिपकलियों के रहने वाली जगह पर रख सकते हैं। आप चाहें तो इसका रस भी स्प्रे कर सकते हैं। लेमनग्रास लेमनग्रास जिसे नींबू घास भी कहा जाता है, इसकी तेज गंध से छिपकलियां दूर भागती हैं। ऐसे में आप लेमनग्रास की पत्तियों को इकट्ठा करके, खिड़की या दरवाजे के पास रख सकते हैं। आप चाहें तो लेमनग्रास एसेंशियल ऑयल स्प्रे कर सकते हैं। लौंग और दालचीनी आप लौंग और दालचीनी के टुकड़े उन जगहों पर रखें जहां छिपकलियां छिपती हैं, जैसे अलमारी के पीछे, दीवारों की दरारों में या किसी फर्नीचर के नीचे। लाल मिर्च या काली मिर्च पाउडर लाल मिर्च पाउडर या काली मिर्च पाउडर को पानी में मिलाकर एक पतला घोल बना लें। इसे उन जगहों पर स्प्रे करें जहां छिपकलियां रहती हैं या आती-जाती हैं। इससे छिपकलियां उस जगह से दूर रहेंगी। इस बात का ध्यान रखें कि यह छिपकलियों की आंखों में न जाए। अंडे के छिलके अंडे के छिलकों की गंध से छिपकलियां दूर भागती हैं। ऐसे में इसे खिड़की, रोशनदान, दरवाजे के पास रखें। साथ ही समय-समय पर इसे बदलते रहें। तंबाकू तंबाकू की कुछ पत्तियां या पाउडर को कॉफी पाउडर के साथ मिलाकर छोटी-छोटी गोलियां बनाएं और उन जगहों पर रखें जहां छिपकलियां रहती हैं। डेटॉल डेटॉल की तेज गंध और एंटीसेप्टिक गुण छिपकलियों को दूर भगाने में मदद कर सकता है। डेटॉल को पानी मिलाकर एक स्प्रे बोतल में भर लें। इस घोल को छिपकलियों की रहने वाली जगह स्प्रे करें।घर के तापमान को कम रखें छिपकलियां गर्म और आरामदायक जगह पसंद करती हैं। आपने देखा होगा कि वे सर्दियों के समय नहीं दिखती हैं। ऐसे में जिस कमरे में आप सोते हैं, उसके टेम्परेचर को कम रखने की कोशिश करें। गंदगी भी छिपकलियों के आने की वजह छिपकलियां अक्सर कीड़े-मकोड़े खाने आती हैं। अगर आपके घर में मच्छर, मक्खी, कॉकरोच या चींटे ज्यादा होंगे तो छिपकलियां उन्हें खाने के लिए आएंगी।

एनपीआर क्या है और यह जनगणना से किस प्रकार भिन्न है? दोनों में अंतर समझना जरूरी है

नयी दिल्ली। नेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर और जनगणना दोनों अलग-अलग चीजें हैं। अक्सर लोग एनपीआर यानी राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर और जनगणना को एक ही समझ लेते हैं। लेकिन, इनमें बड़ा अंतर है। जनगणना देश की जनसंख्या के बारे में जानकारी देती है। वहीं, एनपीआर लोगों की पहचान करता है। इससे लोगों की निजता, नागरिकता और डिजिटल कामकाज पर असर पड़ता है। नेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर भारत में रहने वाले सभी लोगों का डेटाबेस होता है और इस तरह से जनसंख्या के आंकड़े जुटाने और एनपीआर के लिए यही काम करने के तरीके में भी अंतर होता है।एनपीआर को पहली बार 2010 में बनाया गया था। फिर 2015 में इसे अपडेट किया गया। भारत के महापंजीयक की वेबसाइट के अनुसार एनपीआर का मकसद देश में रहने वाले लोगों का एक डेटाबेस बनाना है। महापंजीयक ही इस रजिस्टर को बनाते और अपडेट करते हैं। एनपीआर का विचार 2003 में आया था। नागरिकता कानून में बदलाव करके इसे लाया गया। एनपीआर के साथ-साथ सरकार राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर भी बनाना चाहती थी। साथ ही,

सभी नागरिकों को पहचान पत्र देने की योजना थी। एनआरआई बनाने के लिए एनपीआर पहला कदम होता। लेकिन, एनपीआर सिर्फ नागरिकों के लिए नहीं है। इसमें भारत में रहने वाला कोई भी व्यक्ति शामिल हो सकता है। एनपीआर में नाम होने का मतलब यह नहीं है कि आपको नागरिकता मिल जाएगी। जैसा कि वेबसाइट पर लिखा है, एनपीआर का लक्ष्य देश में रहने वाले आम लोगों का एक विस्तृत डेटाबेस बनाना है।एनपीआर बनाने का तरीका जनगणना जैसा ही है। इसमें घर-घर जाकर लोगों से जानकारी ली जाती है। हर घर में रहने वाले लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जाती है। जैसे कि उनका नाम, परिवार के मुखिया से संबंध, लिंग, उम्र, जन्मतिथि, शिक्षा, पेशा, वैवाहिक स्थिति, माता-पिता का नाम और पति या पत्नी का नाम। यह भी पूछा जाता है कि व्यक्ति का जन्म कहां हुआ था, वह वर्तमान पते पर कब से रह रहा है और उसका स्थायी पता क्या है। फॉर्म में राष्ट्रीयता के बारे में भी सवाल होता है। लेकिन, यह जानकारी व्यक्ति के बताए अनुसार ही दर्ज की जाती है। किसी भी जानकारी के लिए कोई सबूत नहीं देना होता है।यह सच है कि जनगणना में भी यह सारी जानकारी मिलती है, बल्कि इससे भी ज्यादा। लेकिन, दोनों के मकसद अलग-अलग हैं। इसलिए, दोनों के लिए कानून भी अलग-अलग हैं। जनगणना का मकसद देश की जनसंख्या के बारे में जानकारी देना है। इससे सरकार को नीतियां बनाने में मदद मिलती है। जनगणना में व्यक्ति विशेष पर ध्यान नहीं दिया जाता है। इसलिए, जनगणना कानून, 1948, रिकॉर्ड को सुरक्षित रखता है।

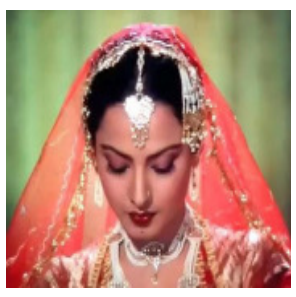

इन आंखों की मस्ती के मस्ताने हज़ारों हैंष्ठ उमराव जान में अगर रेखा न होती! जानें फिल्म की कुछ बड़ी बातें

नयी दिल्ली। नजाकत, मोहब्बत और एवरग्रीन म्यूजिक का नॉस्टेल्जिया फिर से... पीवीआर-आईनॉक्स ने रेखा और मुजफ्फर अली की उमराव जान की री-रिलीज की घोषणा करते हुए यही लिखा है. इस फिल्म को नेशनल हेरिजेट मिशन के तहत डिजिटली रिवाइव करके 27 जून को दोबारा रिलीज किया जा रहा है. इस उम्मीद के साथ कि इस अंजुमन में आपको

आना है बार बार...कहते हैं गुज़रा हुआ जमाना दोबारा नहीं आता लेकिन मुजफ्फर अली और रेखा की उमराव जान की री-रिलीज की सूचना से मानो नॉस्टेल्जिया लौट आया. गाने तो खूब देखे-सुने होंगे- इन आंखों की मस्ती के मस्ताने हज़ारों हैंष्ठ दिल चीज़ क्या है आप मेरी जान लीजिएष्ठ ये क्या जगह है दोस्तोष्ठ जुस्तजू जिसकी थीष्ठ ये सभी गाने शहरयार ने लिखे थे, संगीत दिया था खय्याम ने और गाया था- आशा भोंसले ने. और जब कैमरे पर रेखा ने अपनी उम्दा अदायगी में उस अल्फाज, मौसिकी और आवाज पर दिलकश पेशकश दी तो एक तारीकी क्लासिकी वजूद में आई. उस वजूद की हस्ती आज तक बरकरार है. ये गाने जब भी कानों में गूंजते हैं, रेखा की हर लकीर आंखों में खिंच जाती है. अवध की वो शान चमक उठती है, अदब की दुनिया में जिसकी अपनी-सी मिसाल है.फिल्मों के इतिहास में ऐसे मौके कभी-कभार ही आए हैं, जब सभी आर्ट फॉर्म एक-दूसरे से मुकम्मल तौर पर गूंथे दिखाई दिए. हर कलाकार ने अपना-अपना बेहतर दिया हैं. रेखा की उमराव जान फिल्म में ऐसा ही देखा. करीब चौवालीस साल के बाद एक बार फिर उमराव जान की वही अदाएं सिल्वर स्क्रीन पर दिखने वाली हैं. पीवीआर आईनॉक्स 27 जून शुक्रवार को इसे री-रिलीज करने जा रहा है. इस दिन एक खास जलसा भी रखा गया है. री-रिलीज करने के लिए फिल्म के प्रिंट को डिजिटली समृद्ध किया गया है. इसे 4के क्वालिटी में री-रिलीज किया जा रहा है ताकि आज की पीढ़ी के दर्शकों में दिलचस्पी जागे. री-रिलीज के मौके पर उमराव जान फिल्म की मेकिंग से जुड़ी एक कॉफी टेबुल बुक भी लॉन्च होगी. इस किताब में फिल्म से जुड़ी हरेक चीज़ मसलन पोशाकें, फोटोग्राफी, लोकेशन, सेट और पर्दे के पीछे की तमाम कहानियां होंगी.हाल के समय में कई फिल्मों को दोबारा रिलीज किया गया है. लेकिन उमराव जान की री-रीलीज में सरकारी विभागों मसलन नेशनल फिल्म आर्काइव ऑफ इंडिया और नेशनल फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने भी खासी पहल की है. भारतीय सिनेमा की धरोहर मानते हुए संरक्षण के लिए इसे रिवाइव किया गया है. फिल्म को राष्ट्रीय विरासत मिशन का हिस्सा बनाया गया है. इसकी कालजयिता को सुरक्षित रखने का ध्येय है, जिसमें आने वाली पीढ़ियां शिद्दत से बनाए गए इस सिनेमा के आर्ट और खासतौर पर अवध की मिली-जुली संस्कृति को देख समझ सके.फिल्म में रेखा के अलावा फारुख शेख, नसीरुद्दीन शाह, राज बब्बर, प्रेमा नारायण, दीना पाठक, भारत भूषण, लीला मिश्रा, युनुस परवेज़ और सतीश शाह जैसे कलाकारों ने अभिनय किया था. नवाब सुल्तान के तौर पर फारुख शेख, गौहर मिर्जा के तौर पर नसीरुद्दीन शाह और फ़ैज अली के तौर पर राजबब्बर की भूमिकाएं भी आज खूब याद की जाती है. फिल्म जितनी आर्थिक कठिनाइयों से बनी उतनी ही कठिनाइयां रिलीज के बाद भी सामने आईं लेकिन इसका निर्माण और निर्देशन इस क्वालिटी का था कि इसका हिस्सा बबने वाले सारे कलाकार आज भी याद किए जाते हैं.उमराव जान की ऐतिहासिकता के प्रमाण पर बहस अलग मुद्दा है लेकिन मुजफ्फर अली ने हादी रुसवा के नॉवेल पर आधारित इस फिल्म के जरिए जिस कल्चर को दिखाने का प्रयास किया वह इस फिल्म का सबसे बड़ा रसायन है, जिसमें समूचा हिंदुस्तान बसता है. फिल्म में जब उस्ताद खान साहब उमराव को क्लासिकल संगीत और नृत्य की तालीम देते हैं और गाते हैं- प्रथम धर ध्यान दिनेशष्ठ ब्रह्मा विष्णु महेशष्ठ तो इस रसायन को समझा जा सकता है. फिल्म में ऐसे अनेक नज़ीर हैं. ये कुछ ऐसा ही है जैसे कि मुगले आजम में अनारकली गाती है- मोहे पनघट पर छेड़ गयो नंदलाल रेष्ठ उमराव जान फिल्म मुगले आजम ही नहीं बल्कि मदर इंडिया, साहब

बीबी और गुलाम या पाकीजा की तरह ही हिंदी की क्लासिक फिल्मों में अपना खास स्थान रखती है. कमाल अमरोही के निर्देशन में सन् 1972 में आई मीना कुमारी की पाकीजा से कमतर न थी उमराव जान. इन्हीं खासियतों की वजह से उमराव जान को चार नेशनल अवॉर्ड्स मिले थे. रेखा को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री, खय्याम को सर्वश्रेष्ठ संगीतकार, आशा भोंसले को सर्वश्रेष्ठ गायिका और मंजूर को सर्वश्रेष्ठ कला निर्देशक का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला. हालांकि खुद मुजफ्फर अली नेशनल अवॉर्ड पाने से चूक गए. उन्हें इस फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला. उनके साथ रेखा और खय्याम को भी फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला.उमराव जान के री-रिलीज से पूर्व फिल्म के निर्माता-निर्देशक मुजफ्फर अली ने एएनआई से एक खास बातचीत में रेखा के बारे में खुल कर अपने दिल की बातें कही हैं. उन्होंने कहा कि कोई भी कला दिल की गहराइयों से उम्दा हो पाती है. रेखा ने उमराव के किरदार को कला के उसी शिखर को छूने का काम किया. रेखा का वह किरदार निभाना एक सपने के सच होने जैसा ही था. रेखा न होती तो उमराव जान की आत्मा पर्दे पर साकार न होती. उन्होंने कहा कि रेखा भी मेरे साथ सपने देख रही थी. फिल्म की शूटिंग के दौरान अक्सर ऐसा होता, जिसे मैं सोच पाता, रेखा पहले से ही उस पर काम कर रही होती थी. मुझे गर्व है कि वह मेरी उम्मीदों से कहीं बढ़कर उमराव बनी. फिल्म का सबसे अहम पक्ष ये था उमराव के दर्द को समझना और उसे पर्दे पर उभारना. उस हिसाब से रेखा ने केवल किरदार नहीं निभाया, वह उमराव ही बन गईं. उनके अभिनय में दर्द और कलात्मकता का अनोखा संगम दिखा.इतिहास में उमराव जान नाम की कोई गायिका, नर्तकी या शायरा थी या नहीं, इसको लेकर एक राय नहीं है. उमराव जान की कहानी भी अनारकली की तरह ही सवालों और संदेहों में रही है. फिर भी बहुत से लोगों का मानना है कि उमराव जान वास्तव में थी. इसका आधार 1904 में लिखा मिर्जा मोहम्मद हादी रुसवा लिखा उपन्यास है. इसे उर्दू का पहला उपन्यास भी माना जाता है. जब मुजफ्फर अली ने सन् 1981 में हादी रुसवा के लिखे उपन्यास पर आधारित फिल्म बनाई तब भी यह सवाल उठा था कि उमराव जान कौन थी? तब इस फिल्म के लेखक जावेद सिद्दीकी ने कहा था कि उनकी फिल्म यह नहीं बताती कि उमराव जान थी या नहीं, यह तो उर्दू से बहुत ही पॉपुलर नॉवेल पर बनी थी. जहां तक उमराव जान के अस्तित्व की बात है कि इस संबंध में हमेशा से दो राय रही है. वैसे मेरा मानना ??है कि उनका कभी कोई अस्तित्व में नहीं था. अगर होता तो कहीं ना कहीं कब्र भी होती. रुसवा की किताब इतनी मशहूर हुई कि सभी को लगा कि उमराव जान एक वास्तविक चरित्र है.मिर्जा मोहम्मद हादी रुसवा पेशे से एक शिक्षक और लेखक भी थे. उनका जन्म सन् 1857 में हुआ था. उन्होंने कुल पांच उपन्यास लिखे. इसमें उन्होंने एक निम्न मध्यम वर्गीय परिवार की लड़की अमीरन की कहानी लिखी, जिसका बचपन में अपहरण कर लिया जाता है और उसका नाम बदलकर उमराव जान रख दिया जाता है. हादी रुसवा को इस उपन्यास से काफी प्रशंसा मिली. उनका निधन 1931 में हुआ था. निधन से पहले हैदराबाद में बस गए थे. उमराव जान पर कई फिल्में बन चुकी हैं. सबसे पहली फिल्म 1958 में आई थी, जिसका नाम था मेहंदी. उसके बाद 1975 में जिंदगी और तूफान आई. फिर मुजफ्फर अली ने 1981 सबसेअलग फिल्म आई, इसके बाद 2006 में जेपी दत्ता ने इसी नाम से फिल्म बनाई, जिसमें अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय ने मुख्य भूमिका निभाई थी. लेकिन अभी तक जितनी भी फिल्में उमराव जान पर आधारित बनी है, उनमें मुजफ्फर अली की फिल्म ही सबसे बेहतर मानी गई. वह नॉवेल जितना क्लासिक था, यह फिल्म भी उतनी ही क्लासिक बनी.

बॉलीवुड के पीछे छिपा कास्टिंग काउच का काला सच,न लड़कियां सुरक्षित न लड़के

नयी दिल्ली। कास्टिंग काउच एक ऐसा घिनौना कृत्य है जो वर्षों से फिल्म इंडस्ट्री को कलंकित कर रहा है। आखिर इसके पीछे सच्चाई क्या है? यह मजबूरी है या समझौता। फिल्म इंडस्ट्री में लड़कियों के साथ-साथ लड़के भी कास्टिंग काउच का शिकार होते हैं। पिछले साल 50 फिल्ममेकर्स पर रेप के आरोप लगे। इससे बचने के लिए क्या किया जा सकता है? कास्टिंग काउच का खेल खेलने वाली मनोदशा और विक्टिम की क्या पीड़ा होती है। इस पर लीगल एक्शन क्या लिए जा सकते हैं और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी संस्थाएं इसे रोकने के लिए क्या कर रही हैं? आज की इस खास स्टोरी में एक्ट्रेस रोजलीन खान, मॉडल संचिता सरकार, मॉडल-एक्टर स्पर्श शर्मा, डायरेक्टर शमास नवाब सिद्दीकी, साइकेट्रिस्ट डॉ. सैयदा रुखशेदा, लॉयर काशिफ अली खान देशमुख और धड़क कामगार यूनियन के संस्थापक और अध्यक्ष अभिजीत राणे से सिलसिलेवार तरीके से जानने की कोशिश करेंगे।कास्टिंग काउच उस अनैतिक और गैर कानूनी व्यवहार को कहते हैं, जिसमें किसी को काम देने के बदले शारीरिक संबंध बनाने की मांग की जाती है। बॉलीवुड में कास्टिंग काउच के कई मामले सामने आए हैं, लेकिन यह किसी भी फील्ड में होता है। कास्टिंग काउच के शाब्दिक अर्थ को समझें तो काउच का मतलब सोफा होता है। यह प्रोड्यूसर डायरेक्टर के ऑफिस में रखे सोफे की तरफ इशारा करता है। जहां एक्टर्स के इंटरव्यू होते हैं। कास्टिंग का मतलब होता है किसी को फिल्म का हिस्सा बनाना अथवा उसे फिल्म में कास्ट करना। धीरे-धीरे कास्टिंग काउच का मतलब काम देने के बदले कॉम्प्रोमाइज पर आकर टिक गया।कास्टिंग काउच शब्द का चलन पहली बार 1930 के दशक में हॉलीवुड में शुरू हुआ। तमिल एक्ट्रेस शेरिन ने एक टीवी इंटरव्यू में कहा था कि उनसे रोल के बदले कॉम्प्रोमाइज की मांग की गई थी।2005 में कास्टिंग काउच के बारे में पहली बार खुलासा एक्ट्रेस कोयना मित्रा ने एक इंटरव्यू के दौरान किया था। उन्होंने कहा था कि काम के बदले उनके सामने कॉम्प्रोमाइज की शर्त रखी गई थी।आम तौर पर कास्टिंग काउच का शिकार आउटसाइडर्स लड़कियां ज्यादा होती हैं। फिल्मों में काम देने के बदले फिल्म मेकर्स और कास्टिंग डायरेक्टर बाहर से आईं लड़कियों के सामने कॉम्प्रोमाइज की शर्त रखते हैं। डायरेक्टर-प्रोड्यूसर की ऐसी मानसिकता बन चुकी है कि लड़कियां काम पाने के लिए कुछ भी करेंगीं। कुछ चंद लड़कियां उनकी शर्त मान लेती हैं। जो शर्त नहीं मानती हैं, वो पीछे रह जाती हैं। अब तो लड़के भी कास्टिंग काउच का शिकार होने लगे हैं।कास्टिंग के मुद्दे पर अपनी बात रखते हुए एक्ट्रेस रोजलीन खान कहती हैं- मेरे साथ एक ऐसी घटना 2019 में हुई थी। अमिताभ बच्चन की फिल्म 'झुंड' के प्रोड्यूसर विजय बरसे के रिकमेंड पर एक डायरेक्टर से मिलने गई थी। डायरेक्टर ने कहा कि अगर लीड रोल करना है तो बेडरूम में चलना पड़ेगा। मैं वहां से गुस्से में निकली और पुलिस में शिकायत करने जा रही थी, लेकिन एक दोस्त ने मुझे समझाया कि अगर ऐसा करोगी तो तुम्हारा फ्यूचर खराब हो सकता है। इस तरह की 2-3 घटनाएं मेरे साथ हुई हैं।रोजलीन खान कहती हैं- बहुत सारी

लड़कियों के ऊपर दबाव होता है। काम नहीं मिलेगा तो मुंबई में सर्वाइव कैसे करेंगी? आज टीवी इंडस्ट्री में काम करने वाली लड़कियों के पास बड़े- बड़े फ्लैट्स और महंगी-महंगी गाड़ियां हैं। यह सब कहां से आ रहा है? जाहिर सी बात है कि कहीं न कहीं वे कॉम्प्रोमाइज करती हैं।मॉडल-एक्ट्रेस संचिता सरकार कहती हैं- कॉम्प्रोमाइज करना या न करना खुद पर निर्भर करता है। बिना कॉम्प्रोमाइज के 99 प्रतिशत काम हाथ से निकल जाता है। मेरे साथ तो ऐसा कई बार हुआ है।संचिता सरकार कहती हैं कि इंडस्ट्री में कोई दोस्त नहीं होता है।जब मैंने कहा कि इसकी शिकायत चैनल में करूंगी तब भी उसे कोई फर्क नहीं पड़ा, बल्कि मेरा ही काम रुक गया। क्रिएटिव डायरेक्टर सोचते हैं कि पहले खुद यूज करके आगे डायरेक्टर-प्रोड्यूसर के हवाले कर देंगे। मना करने पर कहते हैं कि तुम नहीं तो कोई और करेगा। कास्टिंग डायरेक्टर आधी रात फोन करके यह तक कहते हैं कि जिस हालत में हो, उसी हालत में सेल्फी भेज दो। डायरेक्टर को देखना है। उनकी बात नजरअंदाज करने पर पता चलता है कि किसी दूसरी लड़की को कास्ट कर लिया गया है।संचिता सरकार कहती हैं- बॉलीवुड में सिर्फ लड़कियां ही नहीं, लड़के भी कास्टिंग काउच का शिकार होते हैं। यह फैशन इंडस्ट्री में बहुत होता है। मैंने खुद अपनी आंखों से देखा है। कुछ मॉडल्स खुद डिजाइनर्स के पास जाते हैं। उनके साथ लिव इन में भी रहते हैं। डिजाइनर्स ही उनका खर्चा उठाते हैं।एक्टर-मॉडल स्पर्श शर्मा ने भी बॉलीवुड में कास्टिंग काउच से जुड़ा अनुभव शेयर किया। स्पर्श शर्मा ने कहा- एक डायरेक्टर एलजीबीटीक्यू पर फिल्म फेस्टिवल के लिए फिल्म बना रहा था। उसने मुझे जो स्क्रिप्ट सुनाई, उसमें इंटिमेट सीन की भरमार थी। उसका मकसद फिल्म बनाना नहीं, बल्कि कास्टिंग काउच था। उसने ऐसी शर्त रखी जिसे सुनकर मैं वहां से निकल गया। ऐसे लोग फिल्म नहीं बनाते, बल्कि बॉलीवुड को बदनाम करते हैं।रोजलीन खान कहती हैं- बिना कॉम्प्रोमाइज के जल्दी काम नहीं मिलता है। ऐसे में डिप्रेशन का शिकार होना स्वाभाविक सी बात है। आज इंडस्ट्री में 10 साल हो गए अभी तक अच्छा प्रोजेक्ट नही कर पाईं हूं। मैं यह सोचकर खुद को थिएटर में बिजी कर लेती हूं कि कभी तो अच्छा मौका मिलेगा।संचिता कहती हैं- सोचती हूं कि लड़की पैदा होना ही गुनाह है। कई बार मैंने सोचा कि कौन सी दुनियां में आ गई। इंडस्ट्री छोड़ने और सुसाइड के ख्याल आए, लेकिन यह सोचकर वापस कोलकाता जाने की हिम्मत नहीं हुई कि लोग मजाक उड़ाएंगे। अगर बिना कॉम्प्रोमाइज के काम नहीं मिल रहा तो पार्ट टाइम दूसरा जॉब कर लेना चाहिए और बेहतर मौके का इंतजार करना चाहिए। हमारी आर्टिस्ट एसोसिएशन को

इतना मजबूत होना पड़ेगा कि कॉम्प्रोमाइज की शर्त रखने वाले मेकर्स पर एक्शन लें।कुछ लड़कियां कॉम्प्रोमाइज के लिए तैयार होती हैं, इसलिए मेकर्स कॉन्फिडेंट रहते हैं। कॉम्प्रोमाइज की शर्त रखने में उन्हें बिल्कुल भी हिचक नहीं होती है। ऐसे किसी एक आदमी को पकड़कर सामने लाना चाहिए, ताकि बाकी लोगों को सबक मिले।शऊदद की मुहिम चली, लेकिन ऐसा नहीं हुआ कि किसी को रंगे हाथ पकड़कर उसे पुलिस स्टेशन पहुंचाया गया हो। जब तक ऐसा नहीं होगा तक तक कास्टिंग काउच की घटनाएं रोज होती रहेंगी। बड़े प्रोड्यूसर और डायरेक्टर्स समझते हैं कि कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। कोई लड़की उनके खिलाफ नहीं बोलेगी।रोजलीन खान कहती हैं- साजिद खान के बारे में सबको पता है। कई लड़कियों ने उन पर कास्टिंग काउच के आरोप लगाएं , लेकिन बिग बॉस में उनको ऐसे पेश किया गया, जैसे उन्होंने कुछ किया ही नहीं है। सलमान खान जैसी शख्सियत उनके बारे में बात कर रहे थे। जो लोग इंडस्ट्री चला रहे हैं, उनकी जिम्मेदारी बनती है कि अगर उनका कोई दोस्त इस तरह की हरकत कर रहा है तो उसे इंडस्ट्री से बाहर कर दिया जाए। अगर किसी एक इंसान के साथ भी ऐसा हो गया तो दोबारा कोई ऐसी हरकत नहीं करेगा।एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी के भाई और डायरेक्टर शमास नवाब सिद्दीकी ने दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान बताया कि आप जिस किसी भी क्षेत्र में जा रहे हैं, उसके बारे में ठीक से जानकारी होनी चाहिए। ठीक उसी तरह जैसे डॉक्टरी और इंजीनियरिंग की पढ़ाई की जाती है।फिल्म इंडस्ट्री के बारे में लोगों ने यह धारणा बना रखी है कि यहां अय्याश किस्म के लोग भरे पड़े हैं। उन्हें अपनी खूबसूरती से रिझाकर काम पा लेंगी। जबकि ऐसा नहीं है। इंडस्ट्री में बहुत पढ़ें-लिखे लोग हैं। बड़े मेकर्स ऐसी कोई हरकत नहीं करते, जिससे उनकी बदनामी हो। कुछ लोग अपना शौक पूरा करने के लिए मुंबई से कहीं बाहर चले जाते हैं, लेकिन इंडस्ट्री में ऐसी कोई हरकत नहीं करेंगे जिसकी उनकी या उनके परिवार की बदनामी हो।शमास नवाब सिद्दीकी ने अपने करियर के शुरुआती दौर की एक घटना का जिक्र किया, जब वो नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ मलाड के एकता नगर में रहते थे। शमास ने कहा- 2005 में मैं क्राइम पेट्रोल शो में असिस्टेंट डायरेक्टर था। मेरी जान-पहचान का एक लड़का बहुत ही खूबसूरत लड़की के साथ आया और बोला कि इसे आठ दिन के अंदर रोल चाहिए। चाहे कुछ भी करना पड़े। लड़की भी कुछ भी करने को तैयार थी, क्योंकि उसे घर में दिखाना था।कास्टिंग काउच के दोषियों की सोच क्या होती है। विक्टिम इनके जाल में कैसे फंसते हैं? इस बात को समझने के लिए हमने साइकेट्रिस्ट डॉ. सैयदा रुखशेदा से बात की। उन्होंने बताया- ऐसे लोग चाहे किसी फील्ड के हों, उनकी मानसिकता अपने से नीचे लोगों का नाजायज फायदा उठाकर खुद को बड़ा समझते की होती है।फिल्म इंडस्ट्री में कॉम्पिटिशन बहुत ज्यादा है। इसलिए विक्टिम इनके जाल में बड़ी आसानी से फंस जाते हैं। कास्टिंग काउच के दोषियों को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि उनके घर में भी मां, बहन और बेटी हैं। उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि कोई रो रहा, गिड़गिड़ा रहा है, इससे कुछ भी फर्क नहीं पड़ता है। वे दूसरों की मजबूरी का फायदा उठाने में खुद को बड़ा समझते हैं।सैयदा कहती हैं- लड़के भी कास्टिंग काउच का बहुत शिकार हुए हैं, लेकिन वे खुलकर सामने नहीं आते हैं। उन्हें इस बात का डर रहता है कि उन पर गे का ठप्पा लग जाएगा। डर रहता है कि उनसे शादी कौन करेगा? वे ट्रॉमा का ज्यादा शिकार हो जाते हैं, इससे बाहर निकलने में उन्हें बहुत मुश्किल हो जाती है।आयशा ने आगे बात करते हुए कहा कि मुझे फोटोशूट के लिए जालीदार काला टॉप देते हुए कहा कि इसे बिना इनर के ही पहनना है. जब मैंने उसे पहनने से मना कर दिया तब वह कहने लगे कि यहां ऐसे ही काम मिलता है. सब यही करते हैं... और मैं बिना फोटोशूट किए ही वहां से वापस आ गईं।

मानसी जैन को मिली चन्द्रमोली मै लीड हीरोइन की भूमिका

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नयी दिल्ली। न्यू फेस मानसी जैन कोटा राजस्थान से हैं इनकी मेहनत और निर्देशक के प्रयास के कारण इनको बॉलीवुड हिंदी फ़िल्म. (चन्द्रमोली में लीड हीरोइन की भूमिका मिली है मिस मानसी जैन फ़िल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं ये फ़िल्म उनकी पहली फ़िल्म है इसको लेकर उनके पारिवारी जान और शहर के लोगो मै काफी ख़ुशी है फ़िल्म कि शूटिंग जुलाई 2025 मै ल्ज मै होंगी आधुनिक समाचार उनके उज्जवल भवस्य कि कामना करता है. फ़िल्म की कास्टिंग डारेक्टर. मिस. शिवानी जी के प्रयास से मानसी को ये फ़िल्म मिली है।

सलमान खान की 'सिकंदर' को इस वजह से हुआ था करोड़ों का इतना बड़ा नुकसान

नयी दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर'

मार्च, 2025 में थिएटर्स में रिलीज हुई थी। इस मूवी में रिश्मिका मंदाना भी थीं। दोनों की जोड़ी को लेकर काफी सवाल खड़ा हुआ था। खैर। जैसे तैसे इस मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई की और कुछ समय बाद इसे ओटीटी पर रिलीज कर दिया गया। हालांकि थिएटर रिलीज के कुछ घंटे बाद ही ये ऑनलाइन लीक हुई, जिससे इसे काफी वित्तीय नुक्सान हुआ। इस फिल्म को पायरेसी के कारण करोड़ों का नुकसान हुआ है। जिसके बाद इन्श्योरेंस क्लेम किया गया है।पायरेसी के कारण 'सिकंदर' की प्रोडक्शन टीम को लगभग 91 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। एक अंदरूनी सूत्र के हवाले से बताया गया है कि लीक होने के कारण इसके रेवेन्यू पर काभी गहरा असर हुआ। जिसके कारण एक ऑडिट किया गया।

यश ने प्रेग्नेंट को-स्टार कियारा आडवाणी को लेकर लिया बड़ा फैसला

नयी दिल्ली। यश और कियारा आडवाणी अगली फिल्म 'टॉक्सिक' की शूटिंग जारी है और इसी को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। कियारा इस वक्त प्रेग्नेंट हैं और अपनी को-स्टार के लिए यश ने एक बड़ा कदम उठाया है, जिसकी इस वक्त हर तरफ तारीफ हो रही है। दरअसल यश ने अपनी फिल्म की को-स्टार और प्रेग्नेंट कियारा आडवाणी का ध्यान रखते हुए एक बड़ा कदम उठाया है और एक्टर के इसी जेस्चर की जमकर तारीफ हो रही है।फिल्म की शूटिंग अभी चल रही है और खबर है कि शूटिंग की जगह बदल दी गई है। यश ने एक बार फिर अपने ऑफ-स्क्रीन जेस्चर से लोगों का दिल जीत लिया है। हाल ही खबर आई कि एक्टर ने कथित तौर पर शूटिंग शेड्यूल को मुंबई में शिफ्ट किया है ताकि उनकी को-स्टार कियारा आडवाणी की सहूलियत हो जो इस वक्त प्रेग्नेंट हैं।

हिंदी बॉलीवुड फिल्म प्यार तो हमेशा रहेगा की डबिंग का काम शुरू हुआ

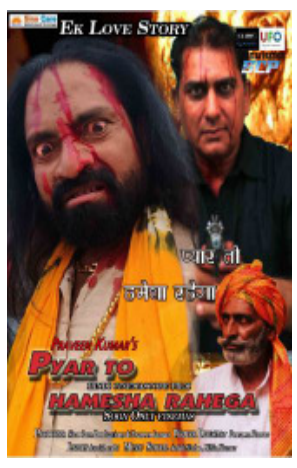

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नयी दिल्ली। प्रवीण

कुमार निर्देशक द्वारा निर्देशित हिंदी बॉलीवुड फिल्म प्यार तो हमेशा रहेगा की डबिंग वॉइस ओवर बैकग्राउंड म्यूजिक साउंड का कार्य शुरू हो गया है जिसमें अधिकतर कलाकारों की डबिंग हो चुकी है निर्माता साइन केयर प्रोडक्शन है जिसमें से मलकीत सिंह पंकज सिवाच अनीता त्यागी प्रीतिका बसु बैटरी सुनील कश्यप हरेंद्र डबास योगेंद्र तोमर धीरेंद्र कुमार पूजा श्रीवास्तव श्रीपाल यादव शौकीन अल्वी निर्मला मुख्य अभिनेत्री आरती मुख्य अभिनेता शोएब राणा की वॉइस ओवर का कार्य पूर्ण हो चुका है अब फिल्म में एनीमेशन पर काम चल रहा है फिल्म के अंदर चार बहुत ही मनोरंजन रोमांटिक सॉन्ग है फिल्म की कहानी एक समाज को संदेश देने वाली है कि हमें अपने घर की लड़कियों पर ध्यान कैसे रखना चाहिए कि वह छोटी उम्र में क्या कर रही है।

14 साल की समारा साहनी ने पपाराजी से की हंस-हंसकर बात तो देखती रह गईं रिद्धिमा कपूर, लोग बोले- बच्ची बड़ी हो रही

नयी दिल्ली। रणबीर कपूर की भांजी समारा साहनी अपनी दादी नीतू कपूर और

मां रिद्धिमा कपूर साहनी के साथ मुंबई के एक रेस्टोरेंट के बाहर स्पॉट हुईं। इस दौरान उन्होंने पपाराजी से हंसकर बातचीत की और कई पोज दिए।बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर की भांजी समारा साहनी एक बार फिर से चर्चा में हैं। नीतू कपूर और रिद्धिमा साहनी के साथ उनका एक वाडियो सामने आया है। वह कुछ दोस्तों के साथ मुंबई के एक रेस्टोरेंट के बाहर स्पॉट हुईं। इस दौरान समारा ने पपाराजी से हंसकर बात की। उनको पोज दिया, जिसने सबका ध्यान खींचा। हर कोई उनके बारे में बात कर रहा है।समारा अपने मामा आदर जैन की शादी में खबरों की हेडलाइन बन गई थीं, जब उन्होंने नानी नीतू कपूर को धक्का दे दिया था। उनके उस रवैये ने सबको शॉक्ड कर दिया था। मगर बाद में मां रिद्धिमा कपूर ने सफाई दी थी कि वैसा नहीं था, जैसा दिखाई दे रहा था। वह बस पोज देना चाह रही थी क्योंकि वह पैप्स के सामने आने के लिए एक्साइटेड थी।अब 17 जून, मंगलवार को समारा अपनी मां रिद्धिमा कपूर साहनी और दादी नीतू कपूर के साथ डिनर के लिए बाहर निकलीं। तीनों ने मुंबई के एक मशहूर रेस्टोरेंट में खाना खाया और बाहर निकलते ही फोटोग्राफर्स ने उनको घेर लिया। जहां रणबीर की भांजी ने हंसकर पैप्स से बात की। उनको तरह-तरह के पोज दिए। एक सेलिब्रिटी की तरह पेश आईं। उनको दोस्ताना व्यवहार सबको अच्छा लगा।सामारा ने इस दौरान पैप्स से पूछा भी, 'आप कैसे हैं?' इसके साथ ही उन्होंने गुड नाइट भी कहा और अपनी प्यारी मुस्कान के साथ पैप्स का नाम भी पूछा। अब उनका ये वीडियो देख हर कोई उन पर प्यार लुटा रहा है। एक ने लिखा, 'ये बहुत क्यूट है और लाइमलाइट को खूब इंजॉय करती है।' एक ने लिखा, 'आराध्या पार्ट 2।' एक ने लिखा, 'बच्ची बड़ी हो रही है।' एक ने लिखा, 'क्यूट है। स्वभाव से भी प्यारी है।' बता दें कि पुराने इंटरव्यूज में रिद्धिमा कपूर ने बताया था कि उनकी बेटी समारा फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ना चाहती है। उसे 110फीसदी दिलचस्पी फिल्मों शामिल होने की है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।